वर्ष 73 अंक 121 पृष्ठ 12
रीवा, गुरुवार 29 जनवरी, 2026
माघ शुक्ल पक्ष 11, विक्रम संवत् 2082
नगर मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

ऐसे जियो जैसे कि कल ही मरना है। ऐसे सीखो जैसे कि हमेशा जीना है।
- महात्मा गांधी

बारामती: रनवे से 100 मीटर पहले जमीन से टकराकर आग का गोला बना विमान, अजित पवार समेत पांच लोग मारे गए

ओह शिट...!

मुंबई, जेएनएन। ओह शिट-ओह शिट...! ये आखिरी शब्द थे उस विमान के को-पायलट के जो महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार का विमान उड़ा रहे चालक दल में शामिल थी। बारामती में बुधवार सुबह कोहरा काफी अधिक था शायद इसलिए पायलट को रन-वे स्पष्ट दिखा नहीं और जब वह रन-वे के बगल में पहुंच गया उस क्षण सामने का दृश्य देखकर को-पायलट के मुंह से ओह शिट-ओह शिट के अलावा कुछ और नहीं निकल सका और विमान जमीन से टकराकर क्रैश हो गया।

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार (66) उनके साथ मौजूद पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर एचसी विदिप जाधव, पायलट कैप्टन सुमित कपूर, कैप्टन सांभवी पाठक और फ्लाइट अटेंडेंट पिंकी माली मारे गए। दरअसल, सुबह कोहरे के कारण विजिबिलिटी बहुत कम थी।

पायलटों ने रनवे-11 पर लैंडिंग की कोशिश की। हालांकि उन्हें रनवे नहीं दिखा। दोनों पायलट ने प्लेन दोबारा ऊपर ले लिया। पायलट ने लैंडिंग क्लीयरेंस को दोहराकर कन्फर्म नहीं किया। दूसरी बार विमान ने फिर से

कैप्टन सुमित कपूर | पीएसओ विदिप जाधव

रनवे की ओर आना शुरू किया। रनवे पर टकराने के बाद प्लेन में धमाका हुआ और भीषण आग लग गई। इसके बाद 4-5 और धमाके हुए। एयरपोर्ट से आग और धुएं का गुबार देख स्थानीय लोग क्रैश साइट की तरफ दौड़े। ग्रामीणों ने प्लेन में सवार लोगों को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन आग इतनी भयानक थी कि मदद नहीं कर सके। पवार 5 फरवरी को पुणे में होने वाले जिला परिषद चुनावों के लिए ४ रैलियों को संबोधित करने वाले थे। वे मुंबई से सुबह 8.10 बजे रवाना हुए थे। केंद्रीय उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने बताया कि पायलट ने रनवे-11 पर दोबारा लैंडिंग की कोशिश की गई।

संबंधित खबरें-8 पर

प्रत्यक्षदर्शी बोले-पहले ही लगा हादसा होगा

बारामती एयरपोर्ट के पास गांव के कई लोगों ने हादसे से पहले प्लेन को देखा। एक आई विटनेस ने बताया-प्लेन रनवे के पास पहुंचने से लगभग 100 मीटर पहले ही क्रैश हो गया। जब प्लेन नीचे उतर रहा था, तभी लग रहा था कि हादसा होगा और ऐसा ही हुआ।

प्लेन के टुकड़े घरों तक आकर गिरे

एक अन्य ग्रामीण ने बताया कि प्लेन पहले गांव के ऊपर से गुजरा। फिर गांव के नीचे आता हुआ दिखाई दिया। इसके बाद रनवे पर जाकर पलटा और जमीन से टकरा गया। धमाके के बाद प्लेन के टुकड़े उड़कर हमारे घर तक आ गिरे।

महाराष्ट्र में 3 दिन का राजकीय शोक घोषित

सीएम देवेंद्र फडणवीस बारामती पहुंचे। उन्होंने स्कूलों की छुट्टी व 3 दिन के राजकीय शोक की घोषणा की। अंतिम संस्कार बारामती में गुरुवार सुबह 11 बजे होगा। अजित के चाचा शरद पवार, पत्नी सुनेत्रा, दोनों बेटे, बहन सुप्रिया सुले भी बारामती पहुंच गईं हैं।

ग्वालियर की हैं दूसरी पायलट कैप्टन शांभवी पाठक

हादसे में जान गंवाने वाली को-पायलट शांभवी पाठक का मप्र से गहरा नाता है। उनका जन्म और प्रारंभिक शिक्षा ग्वालियर में हुई थी, जहां उन्होंने एयरफोर्स विद्या भारती स्कूल में पढ़ाई की। उनके पिता विक्रम पाठक, वायुसेना में मिराज फाइटर प्लेन के स्क्वाड्रन लीडर रह चुके हैं।

पिंकी माली

पीएम ने शोक जताया

अजित पवार सहित पांच लोगों को हादसे में मारे जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा शोक जताया है। पीएम मोदी ने कहा कि अजित पवार का निधन दुखद है। उनका महाराष्ट्र के विकास में अहम योगदान रहा है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी शोक जताते हुए कहा, वह पीड़ितों के साथ हैं

अजित की मौत दुर्घटना, राजनीति न करें: पवार

विपक्षी नेताओं ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान हादसे में मौत की जांच कराने की मांग की है। बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि हादसे की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में की जानी चाहिए। उधर, एनसीपी (शरद) नेता और अजित के चाचा शरद पवार ने कहा कि यह हादसा है। इस पर राजनीति नहीं की जानी चाहिए। महाराष्ट्र ने एक काबिल इंसान खो दिया है। उसके पास फैसले लेने की ताकत थी।

बुधवार को बारामती एयरपोर्ट से करीब 100 मीटर दूर (लाल घेरे में) विमान क्रैश हो गया। इसमें अजित पवार सहित पांच लोगों की मौत हो गई। (इनसेट) हादसे के बाद जलता विमान।

संक्षिप्त खबरें

जयपुर में दो फ्लाइट रनवे टच कर फिर उड़ीं

जयपुर, जेएनएन। जयपुर एयरपोर्ट पर बुधवार को एक ही दिन में दो विमानों को पहली कोशिश में लैंडिंग छोड़कर गो-अराउंड करना पड़ा। दिल्ली से जयपुर पहुंची एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-1719 की लैंडिंग फेल होने से दहशत फैल गई। बुधवार दोपहर को विमान रनवे को टच करते ही वापस उड़ गया। फ्लाइट में कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा भी थे। रंधावा पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम व गुरदासपुर से कांग्रेस सांसद हैं। हालांकि, करीब 10 मिनट बाद दूसरे प्रयास में विमान की सुरक्षित लैंडिंग करा ली गई। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहले भी लैंडिंग फेल होने की घटनाएं सामने आई हैं। दरअसल, फ्लाइट एआई1719 ने दोपहर करीब 1 बजकर 5 मिनट पर जयपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग का प्रयास किया था।

दूसरे चरण में जाति जनगणना: सरकार

नई दिल्ली, जेएनएन। गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि जनगणना 2027 के दूसरे चरण में जाति जनगणना भी की जाएगी। सरकार ने कहा कि देश भर में फरवरी 2027 से जनगणना शुरू हो जाएगी। गृह मंत्रालय ने कहा कि जनगणना 2027 के बारे में पूरी जानकारी 12 दिसंबर, 2025 को एक प्रेस नोट के माध्यम से जारी की गई थी। फिर भी, कुछ लोग जानबूझकर जनगणना-2027 और विशेष रूप से जाति जनगणना के बारे में भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

एयर इंडिया क्रैश मामला
सुप्रीम कोर्ट पीआईएल पर सुनवाई को तैयार

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट बुधवार को पिछले साल 12 जून को हुए एयर इंडिया प्लेन क्रैश की जांच के बारे में एक पीआईएल पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया। फ्लाइट एआई-171 के क्रैश में 260 लोग मारे गए थे। हादसे में एक एनजीओ नागरिकों के फंडामेंटल राइट्स का कथित तौर पर उल्लंघन करने का आरोप लगा रहा है। एनजीओ का दावा है कि ऑफिशियल जांच काफी अच्छी तरह से नहीं की गई थी। एनजीओ 'सेफ्टी मैटर्स फाउंडेशन' की तरफ से वकील प्रशांत भूषण ने कोर्ट को बताया कि न तो सरकार और न ही एएआईबी ने पिटीशन का जवाब दिया। पूरी पायलट एसो. कह रही है कि बोइंग 787 एयरक्राफ्ट में कोई प्रॉब्लम है जिसे ग्राउंडेड करने की जरूरत है।

यूजीसी के नए नियमों पर सुनवाई को सुप्रीम कोर्ट तैयार

सीजेआई बोले-हमें पता है क्या हो रहा है

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के हाल में अधिसूचित एक नियम को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया। शीर्ष अदालत में नए नियम के संदर्भ में यह दलील दी गई है कि यह नियम में जाति-आधारित भेदभाव की गैर-समावेशी परिभाषा अपनाई गई है। कुछ श्रेणियों को संस्थागत संरक्षण से बाहर रखा गया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग करने वाले वकील की दलीलों पर गौर किया। याचिका को लेकर वकील ने कहा, यूजीसी की तरफ से अधिसूचित किए गए नए नियम से सामान्य वर्ग के खिलाफ भेदभाव बढ़ सकता है। मेरा मुकदमा 'राहुल दीवान एवं अन्य बनाम भारत सरकार' है। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा, हमें पता है कि क्या हो रहा है। सुनिश्चित करें कि खामियां दूर कर दी जाएं। हम इसे सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करेंगे। याचिका में कहा गया है कि नए नियमों में जाति-आधारित भेदभाव को केवल एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों के सदस्यों के खिलाफ भेदभाव तक सीमित कर दिया गया है। इन नियमों के खिलाफ विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन भी हो रहे हैं, जहां छात्र समूह और संगठन इन्हें तत्काल वापस लेने की मांग कर रहे हैं।

पोस्टर पर पोती कालिख

देशभर में जनरल कैटेगरी के स्टूडेंट्स और सवर्ण जाति के लोगों का यूजीसी के नए नियमों को लेकर विरोध जारी है। उप्र-बिहार में बुधवार को भी जमकर हंगामा हुआ। स्टूडेंट्स और सवर्ण जातियों के लोग सड़कों पर उतरे। उप्र के पीलीभीत में सवर्ण समाज के युवकों ने मुंडन कराया। बिहार में पीएम मोदी और गृह मंत्री शाह के पोस्टर पर कालिख पोती गई।

हरियाणा भाजपा में भी विरोध, नेता ने पार्टी छोड़ी

यूजीसी के नए नियमों का हरियाणा में भी विरोध शुरू हो गया है। भाजपा नेता व ओलिंपियन रेसलर योगेश्वर दत्त ने दो दिन में 3 पोस्ट कर इस एक्ट पर विरोध दर्ज कराया। योगेश्वर ने लिखा-भरी सभा में द्रौपदी चीरहरण के समय बड़े-बड़े योद्धाओं ने चुप्पी साधी। जिस सत्ता-कुर्सी के लालच में यह किया, न वह सत्ता रही, न कुर्सी। सभी का सर्वनाश हो गया। वहीं, ओलिंपियन बॉक्सर और भाजपा नेता विजेंदर सिंह ने एक्स पर लिखा-शिक्षा समान अवसर का माध्यम होनी चाहिए, न कि समाज को बांटने का। उधर, नए नियमों के विरोध में मंगलवार को झज्जर में छारा मंडल की महिला मोर्चे की अध्यक्ष मनीषा शर्मा ने इस्तीफा दे दिया। मनीषा शर्मा खरहर गांव में पंचायत में वार्ड 10 से मेंबर भी हैं। बुधवार को यमुनानगर में सवर्ण समाज ने प्रदर्शन किया। लोगों ने भाजपा विधायक घनश्याम दास अरोरा के आवास के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ किया। इसके बाद उनके कार्यालय में जाकर ज्ञापन सौंपा।

इंदौर: दूषित पानी से 30वीं मौत, हाईकोर्ट ने बनाया जांच आयोग

जागरण, इंदौर। प्रदेश में इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से मरने वालों का आंकड़ा 30 तक पहुंच गया है। भागीरथपुरा के रहने वाले 62 साल के लक्ष्मी रजक को दो दिन पहले उल्टी-दस्त की शिकायत के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया था। परिजनों ने बताया कि उनकी किडनी भी खराब होने की जानकारी मिली। इससे पहले मंगलवार को खूबचंद की मौत दूषित पानी से हो गई थी। बुधवार को उनके परिजनों ने अंत्येष्टि से पहले सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन किया। अभी 6 मरीज भर्ती हैं, इनमें से 3 आईसीयू में हैं। एक वेंटिलेटर पर है। मंगलवार को मामले में हाईकोर्ट की इंदौर बेंच में ढाई घंटे से अधिक सुनवाई चली। शुरुआत में सीएस अनुराग जैन 10 मिनट तक वर्चुअल रहे। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए स्वतंत्र जांच के आदेश दिए। हाईकोर्ट ने रिटायर्ड जस्टिस सुशील कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में एकल सदस्यीय जांच आयोग बनाया है। आयोग विभिन्न बिंदुओं पर 4 सप्ताह में रिपोर्ट देगा।

अनिल अंबानी की 1885 करोड़ की संपत्तियां अटैच

नई दिल्ली, जेएनएन। ईडी ने अनिल अंबानी ग्रुप के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 1,885 करोड़ की संपत्तियां अस्थायी तौर पर अटैच कर ली है। ये कार्रवाई यस बैंक से जुड़े लोन फ्रॉड और रिलायंस कम्युनिकेशंस बैंक फ्रॉड केस में मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत की गई है। ईडी ने चार अलग-अलग प्रोविजनल अटैचमेंट ऑर्डर जारी किए हैं। ईडी के मुताबिक, जिन संपत्तियों को अटैच किया गया है, उनमें बैंक में जमा पैसा, कंपनियों में शेयर होल्डिंग, बकाया रकम और अचल संपत्तियां शामिल है, इसमें रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लि. की हिस्सेदारी भी है, जो बीएसईएस यमुना पावर, बीएसईएस राजधानी पावर और मुंबई मेट्रो वन प्रालि जैसी कंपनियों में निवेश से जुड़ी है। वहीं वैल्यू कोर्प फाइनैंस एंड सिक्योरिटी लि. के नाम से मौजूद 148 करोड़ का बैंक बैलेंस और 143 करोड़ की रिसीवेबल रकम भी ईडी ने अटैच कर ली है। ईडी ने अनिल अंबानी ग्रुप के दो सीनियर कर्मचारियों की निजी संपत्तियों पर भी कार्रवाई की है, इनमें अंगराई सेतुरमन के नाम पर एक रिहायशी मकान व पुनीत गर्ग के नाम पर मौजूद शेयर और म्यूचुअल फंड निवेश शामिल हैं। इससे पहले भी रिलायंस कम्युनिकेशंस, रिलायंस होम फाइनेंस, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस से जुड़े मामलों में 10,117 करोड़ की संपत्तियां अटैच की जा चुकी है। ताजा कार्रवाई के बाद अनिल अंबानी ग्रुप की कुल अटैच संपत्ति करीब 12 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच गई है। एजेंसी की जांच में सामने आया है कि 2017 से 2019 के बीच यस बैंक ने रिलायंस होम फाइनेंस में करीब 2,965 करोड़ रुपए और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस में 2,045 करोड़ रुपए का निवेश किया था। दिसंबर 2019 तक ये निवेश एनपीए बन गए। इस दौरान आरएसएफएल पर करीब 1,353.50 करोड़ रुपए और आरसीएफएल पर 1,984 करोड़ रुपए बकाया रह गया।

नवाचारों ने प्रदेश में शिक्षा को दिए नए आयाम: मुख्यमंत्री

शैक्षिक गुणवत्ता शिक्षक सम्मेलन में शामिल हुए प्रदेशभर के शिक्षक

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सरकार शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दे रही है। हमने कई नवाचार भी किए हैं,जिसका परिणाम यह है कि अब सरकारी विद्यालयों के परीक्षा परिणाम बेहतर आ रहे हैं। इतना ही नहीं विद्यालयों की अच्छी व्यवस्था से अभिभावक भी वहां अपने बच्चों का प्रवेश करा रहे हैं, जिससे नामांकन की स्थिति भी सुदृढ़ हुई है। सीएम बुधवार को शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय में मप्र शिक्षक संघ के प्रदेश स्तरीय शैक्षिक गुणवत्ता शिक्षक सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, युग बदले, सदियां बदलीं पर शिक्षकों का सम्मान कभी कम नहीं हुआ। शिक्षकगण सदैव सम्मानित थे, हैं और रहेंगे। शिक्षकों के सद्प्रयासों से ही शासकीय स्कूलों का परीक्षा परिणाम बेहतर से और बेहतर हुए हैं। बच्चों के प्रवेश, शाला नामांकन दर में भी रिकार्ड वृद्धि हुई है। इतना ही नहीं प्रदेश में बच्चों की ड्राप-आउट दर भी शून्य हो गई है। डॉ. यादव ने कहा, सांदीपनि विद्यालय और पीएमश्री विद्यालय शिक्षा की गुणवत्ता के नए-नए मानक स्थापित कर रहे हैं। प्रदेश में इसी सत्र से 200 नए सांदीपनि विद्यालय खोले जाएंगे। नई शिक्षा नीति-2020 को लागू करने में मप्र पहले राज्यों में हैं। हम आने वाली पीढ़ी के लिए एआई, कोडिंग और कौशल आधारित शिक्षा की दिशा में भी आगे बढ़ रहे हैं। शिक्षकों के हित में सरकार ने कोई कमी नहीं रखी। आगे भी जो कुछ हितलाभ बचा है, वह भी जल्द ही देंगे। सीएम कहा, सरकार का एक अर्थ सहकार भी होता है। सरकार के लक्ष्य उच्चतम होने चाहिए। उसके समाज के सभी प्रश्नों, समस्याओं के समाधान की मंशा और ऐसा सामर्थ्य भी होना चाहिए। चुनी हुई सरकार हर वर्ग के कल्याण का ध्यान रखती है। राज्य के 22 हजार से अधिक शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण बड़ी सरलता से हुआ है। इस मौके पर स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग ने नए आयाम स्थापित किए हैं। प्रदेश के गांवों के साथ शहरों के विकास को गति प्रदान की है। वे प्रदेश के गरीब और किसानों की चिंता करते हैं। स्कूल के भवनों के नव निर्माण के साथ बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पहली बार सभी पात्र शिक्षकों को चतुर्थ क्रमोन्नत वेतनमान का लाभ देने के लिए 322 करोड़ रुपए की एकमुश्त राशि मंजूर की गई।

क्रिसिल रेटिंग्स | ईरान में अशांति का भारतीय कॉर्पोरेट सेक्टर पर फिलहाल सीमित असर

चेतावनी: अगर ईरान में तनाव बढ़ा तो बढ़ेंगे जोखिम

नई दिल्ली, जेएनएन। ईरान में जारी राजनीतिक अस्थिरता और सरकार विरोधी प्रदर्शनों का असर फिलहाल भारतीय कॉर्पोरेट सेक्टर पर सीमित रहा है। हालांकि, अगर यह तनाव लंबे समय तक चलता है या और गहराता है, तो इसका दबाव कच्चे तेल की कीमतों, सप्लाई चेन और भुगतान प्रणाली के जरिए भारत की अर्थव्यवस्था और उद्योगों पर पड़ सकता है। यह आकलन क्रिसिल रेटिंग्स ने अपनी ताजा रिपोर्ट में किया है।

क्रिसिल के मुताबिक, अभी तक ईरान की स्थिति का भारत के विदेशी व्यापार प्रवाह या घरेलू कंपनियों की क्रेडिट प्रोफाइल पर कोई बड़ा नकारात्मक प्रभाव नहीं दिखा है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि भारत का ईरान के साथ सीधा व्यापारिक जुड़ाव काफी सीमित है। भारत के कुल निर्यात में ईरान की हिस्सेदारी केवल 0.3 फीसदी के आसपास है, जबकि आयात में यह 0.1 फीसदी से भी कम है।

निर्यात की बात करें तो ईरान को होने वाले भारतीय निर्यात में बासमती चावल का दबदबा है, जिसकी हिस्सेदारी 60 फीसदी से ज्यादा है। इसके अलावा कुछ अन्य कृषि उत्पाद भी भेजे जाते हैं। वहीं, ईरान से भारत जो आयात करता है, उसमें मुख्य रूप से फल, मेवे और कच्चे तेल से जुड़े बेहद सीमित उत्पाद शामिल हैं। अगर ईरान में अशांति लंबी खिंचती है, तो लॉजिस्टिक्स और भुगतान से जुड़ी समस्याएं सामने आ सकती हैं। शिपमेंट में देरी या ईरानी खरीदारों से भुगतान मिलने में अड़चनें खासतौर पर छोटे निर्यातकों के लिए वर्किंग कैपिटल का दबाव बढ़ा सकती हैं।

सबसे बड़ा जोखिम प्रत्यक्ष नहीं अप्रत्यक्ष

क्रिसिल का कहना है कि सबसे बड़ा जोखिम प्रत्यक्ष नहीं, बल्कि अप्रत्यक्ष है। ईरान वैश्विक कच्चे तेल की आपूर्ति का करीब 4-5 फीसदी हिस्सा नियंत्रित करता है। यदि ईरान में तनाव बढ़ता है और उसका तेल उत्पादन या निर्यात बाधित होता है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें तेजी से ऊपर जा सकती हैं। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात के जरिए पूरा करता है, ऐसे में तेल के दाम बढ़ने का सीधा असर देश के कई उद्योगों की लागत पर पड़ेगा।

निगमायुक्त डॉ. सोनवणे को जेडी डूडा का भी प्रभार

प्रशासनिक कार्य क्षमता को देखते हुए राज्य शासन द्वारा दी गई संभाग स्तर की जिम्मेदारी

जागरण, रीवा। पहले जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के रूप में और फिर नगर निगम कमिश्नर के रूप में सौंपी गई जिम्मेदारी को सफलतापूर्वक निर्वहन करने के कारण डॉ. सौरभ सोनवणे को संभाग स्तर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा डॉ. सोनवणे को संयुक्त संचालक नगरी प्रशासन एवं विकास संभाग रीवा का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। नगरी प्रशासन एवं विकास विभाग भोपाल के आयुक्त संकेत भोंडवे द्वारा जारी आदेश के मुताबिक डॉ. सोनवणे निगम आयुक्त जिम्मेदारी के साथ-साथ संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग का भी कार्य देखेंगे। उल्लेखनीय है कि निगमायुक्त डॉ. सोनवणे को कई बार प्रभारी कलेक्टर एवं प्रभारी संभाग आयुक्त का भी प्रभार दिया जा चुका है जिसकी जिम्मेदारी का वे सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं। नगर निगम में भी उन्होंने नवाचार करते हुए कई अच्छे कार्य किए हैं। उनकी प्रशासनिक कसावट एवं कार्य कुशलता के कारण पिछले वर्ष सफाई की रैंकिंग में नगर निगम को फाइव स्टार मिल चुका है। इस बार सेवन स्टार के लिए प्रयास किया जा रहा है। डॉ. सोनवणे फिलहाल मसूरी में आईएएस की ट्रेनिंग में व्यस्त हैं और वे दो फरवरी के बाद ट्रेनिंग पूरी करके रीवा लौटेंगे। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग में संयुक्त संचालक की अतिरिक्त जिम्मेदारी डॉ. सोनवणे को सौंपे जाने के बाद अब प्रशासनिक हलकों में यह चर्चा शुरू हो गई है कि उनके आने से नगरीय निकायों की व्यवस्था में भी और अधिक सुधार आएगा।

राष्ट्रपिता की पुण्यतिथि पर कांग्रेस की संगोष्ठी 30 को

रीवा। जिला कांग्रेस कमेटी शहर एवं ग्रामीण के संयुक्त तत्वावधान मे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि पर एक संगोष्ठी का आयोजन उर्रहट स्थित कांग्रेस कार्यालय में 30 जनवरी को अपरान्ह 03:00 बजे आयोजित किया गया हैं। संगोष्ठी मे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के कृतित्व व व्यक्तित्व पर कांग्रेस जनों द्वारा प्रकाश डाला जावेगा। जिला कांग्रेस कमेटी के ग्रामीण अध्यक्ष इंजी. राजेन्द्र शर्मा व शहर अध्यक्ष अशोक पटेल झब्बू ने जिले के सभी कांग्रेस जनो से 30 जनवरी को अपरान्ह 03:00 बजे कांग्रेस कार्यालय में पहुचने की अपील की है।

राष्ट्रीय संघर्ष समिति की बैठक 30 जनवरी को

जागरण, रीवा। राष्ट्रीय संघर्ष समिति (एनएसी) रीवा संभाग द्वारा आगामी 30 जनवरी को मासिक बैठक का आयोजन विवेकानंद पार्क कॉलेज चौराहा दोपहर 1 बजे की जाना प्रस्तावित है। संभागीय अध्यक्ष यूपी सिंह ने सभी ईपीएस 95 पेंशनर्स कार्यरत एवं सेवानिवृत्त से अपील की कि वरिष्ठ/शीर्ष केन्द्रीय नेतृत्व द्वारा बनाई गई योजनाओं को पूरा करने में अपना अमूल्य योगदान दें।

विकास कार्यों से प्रॉपर्टी के रेट बढ़े तो उस पर देना होगा बेटरमेंट टैक्स

प्रॉपर्टी की कीमतों का आकलन करके किया जाएगा टैक्स का निर्धारण

फाइल फोटो

जागरण, रीवा। राज्य सरकार मध्य प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में बेटरमेंट टैक्स लागू कर सकती है। इसमें प्रॉपर्टी की कीमत के हिसाब से टैक्स देना होगा। सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें टँक्स एक साथ ही जमा करवाना होगा। दरअसल सरकार प्रदेश में विकास कार्यों के लिए कर्ज ले रही है। जिन इलाकों में ये काम होंगे, वहां बढ़ी प्रॉपर्टी की कीमतों का आकलन करके टैक्स का निर्धारण किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि बेटरमेंट टैक्स के लिए राज्य सरकार पहले नगरीय निकायों के जरिए अलग-अलग इलाकों में विकास के कार्य जैसे नई और चौड़ी सड़के, ब्रिज आदि बनवाने जैसे काम करेंगी। इनका निर्माण पूरा होने के बाद वहां आसपास की प्रापर्टी के दाम बढ़ेंगे। इसके बाद फिर इस बात का आकलन किया जाएगा कि किस जगह पर विकास कार्य कराने से वहां जमीन के प्रापर्टी के रेट कितने बढ़े। इसी के आधार पर प्रॉपर्टी के मालिक को फिक्स टैक्स देना होगा। मध्य प्रदेश के निकायों में विकास कार्यों के लिए सरकार के पास अब करीब एक साल का ही वक्त बचा है, यहां पर 2027 में निकाय चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में सरकार का पूरा फोकस अब यहां विकास कार्यों को जल्द से जल्द पूरा कराने पर है। मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना के पांचवें चरण के लिए सरकार 5 हजार करोड़ रुपये कर्ज ले रही है। इस राशि से अगले तीन साल तक विकास कार्य किए जाने हैं। कैबिनेट की बैठक में इसको लेकर मंजूरी भी मिल गई है। रीवा जिले में जिस तरह से विकास कार्य किये जा रहे हैं और इन विकास कार्यो के कारण प्रापर्टी की कीमतों में कई गुना इजाफा भी हो चुका है।

क्या होता है बेटरमेंट टैक्स

किसी इलाके में सरकार द्वारा कराए गए विकास कार्य की वजह से अगर उस इलाके की जमीन के दामों में वृद्धि होती है तो इस पर निकाय उस जमीन या प्रापर्टी के मालिक से टैक्स लेता है, जिसे बेटरमेंट टैक्स कहा जाता है। यह पहली बार नहीं है जब प्रदेश में इसे लागू किया गया है। इसके पहले इंदौर और भोपाल आदि शहरों में यह टैक्स लागू किया गया था। बेटरमेंट टैक्स कितना लेना है, यह इलाके में काम होने के बाद ही तय किया जाता है। इलाके में निकाय पानी की लाइन, सीवरेज, चौड़ी सड़कें और परिवहन की सुविधा उपलब्ध करवाकर वहां प्रापर्टी की वैल्यू पर इसका असर देखते हैं।

समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए पंजीयन 7 फरवरी से

रीवा। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य देने के लिए शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर खरीद की जाती है। समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए किसानों का पंजीयन 7 फरवरी से 7 मार्च तक होगा। किसान एमपी किसान ऐप, ई-उपार्जन पोर्टल तथा ई-उपार्जन मोबाइल ऐप पर अपना पंजीयन करा सकते हैं। इस संबंध में जिला आपूर्ति नियंत्रक कमलेश ताण्डेकर ने बताया कि रीवा जिले में गेहूं उपार्जन के लिए प्रस्तावित सभी खरीदी केन्द्रों में किसान गेहूं उपार्जन के लिए पंजीयन करा सकते हैं। सभी किसान निर्धारित खरीदी केन्द्रों में अपना आनलाइन पंजीयन अवश्य करायें। पंजीकृत किसानों से ही समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीद की जायेगी। स्वयं के मोबाइल, कम्प्यूटर, खरीदी केन्द्र तथा ग्राम पंचायत कार्यालय में स्थापित सुविधा केन्द्र में पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था की गई है। किसान 50 रुपए का शुल्क देकर एमपी ऑनलाइन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केन्द्र तथा साइबर कैफे में पंजीयन करा सकते हैं। जिला आपूर्ति नियंत्रक ने बताया कि पंजीयन के समय किसान आधार संख्या से लिंक बैंक खाते दर्ज करें जिससे ऑनलाइन भुगतान किया जा सके। पंजीयन कराने के लिए किसान को बोये गये खेत के खसरा नंबर की ऋण पुस्तिका, आधार से लिंक बैंक खाते की जानकारी देकर अपना पंजीयन करा सकते हैं। बटाईदार एवं सिकमी किसानों के लिए भी ऑनलाइन पंजीयन की व्यवस्था की गयी है। भूमि स्वामी किसान एवं सिकमी किसान के मध्य 2 फरवरी 2026 से पहले वैधानिक अनुबंध होने पर ही सिकमी किसान को समर्थन मूल्य में पंजीयन का अवसर मिलेगा। केवल पंजीकृत किसानों को ही गेहूं उपार्जन का लाभ दिया जायेगा।

हिंदू सम्मेलन में दिखा हिंदुओं का उत्साह

पड़रा में सुमित्रा मैरिज गार्डेन में आयोजित हुआ कार्यक्रम

जागरण, रीवा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर शहर के वार्ड क्रमांक 4 पड़रा मोहल्ले में बुधवार को हिंदू सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन में आरएसएस के पदाधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में हिंदू समाज के पुरुष, महिला, बच्चे सहित आम नागरिकों ने सहभागिता दिखाई। कार्यक्रम स्थल को बढ़े ही आकर्षक ढंग से सजााया गया था। कार्यक्रम की शुरुआत हिंदू रीति रिवाज के अनुसार दीप प्रज्ज्वलन कर की गई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राजेश सिंह मंचासीन रहे। संचालन ओम प्रकाश त्रिपाठी द्वारा किया गया। कार्यक्रम संयोजक के रूप में मंशा सिंह, श्याम नारायण शर्मा रहे। विशिष्ट अतिथि आचार्य कृष्णकांत द्विवेदी कथा वाचक रहे। मंचासीन अतिथियों का सम्मान हिंदू सम्मेलन समिति के कोषाध्यक्ष आरडी शर्मा द्वारा किया गया। अतिथियों का परिचय हिंदू सम्मेलन के सहसंयोजक बिहारी लाल गर्ग द्वारा कराया गया। उक्त कार्यक्रम में सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में पदस्थ न्यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर नितिन पाण्डेय, अर्पणा द्विवेदी, सरला पाण्डेय सहित गणमान्य नागरिकों का सम्मान किया गया। स्वदेशी अभियान चलाने वाली महिलाएं, जो स्वदेशी अभियान के माध्यम से घर-घर में स्वदेशी प्रोडक्ट पहुंचने की अपील करती हैं और लोगों को स्वदेशी उत्पादों का इस्तेमाल करने के फायदे बताकर स्वावलंबन सिखाती हैं ऐसी महिला शक्ति श्वेता त्रिपाठी और रश्मि त्रिपाठी का सम्मान किया गया। हिंदू सम्मेलन में अंत में भोजन प्रसाद की व्यवस्था भी थी जहां पंगत में बैठकर हजारों की संख्या में लोगों ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान प्लास्टिक के डिस्पोजल की बजाय पत्तों के दोना पत्तल का उपयोग कर सिंगल यूज प्लास्टिक से पर्यावरण को बचाने का संदेश भी दिया गया।

प्रदेश में कैसी कानून व्यवस्था, जब सत्तादल के विधायक ही सुरक्षित नहीं: लक्ष्मण

कहा- एक विधायक जान बचाने भाग रहा, दूसरे के साथ मारपीट हो गई तो मुख्यमंत्री इस्तीफा क्यों नहीं दे देते

जागरण, रीवा। पूर्व विधायक एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता लक्ष्मण तिवारी ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री पर बड़ा हमला किया हैं। उन्होंने कहा कि जब सत्तादल के विधायक ही सुरक्षित नहीं हैं। स्टेडियम चौक पर स्थित श्री नंद होटल में पत्रकार वार्ता दौरान श्री तिवारी ने कहा कि एक विधायक भय से अपना क्षेत्र छोड़कर लापता है वहीं दूसरे के साथ मारपीट हो रही तो फिर कानून व्यवस्था हैं कहां। श्री तिवारी ने कहा कि इसकी जांच करायी जानी चाहिए यदि विधायक झूठ बोल रहे हैं तो उनके खिलाफ कार्यवाही हो यदि नहीं तो मुख्यमंत्री जो स्वयं गृहमंत्री हैं, पद से इस्तीफा दें। श्री तिवारी ने कहा कि जनता ने विधायक जन समस्या सुलझाने के लिए चुना लेकिन वे अब बहरूपिया बन गए हैं, चंदन टीका लगाकर शंकराचार्य बनने का ढोंग कर रहे हैं। वे जमीन के खेल व भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। ऐसे विधायकों को जनता को सबक सिखाना होगा। श्री तिवारी ने उपमुख्यमंत्री पर भी हमला बोला- कहा कि जब तक सोलर प्लांट बन रहा था तब तक स्थानीय युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए कैबिनेट बैठक में पास कराने तक दावा किया लेकिन बाद में सब भूल गए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के विधायक मंत्री सब जनता को छलने का काम करते हैं।

किसान खा रहा लाठी : श्री तिवारी ने कहा कि जिले का किसान लाठी खा रहा है। भीषण ठंडी में एक बोरी यूरिया के लिए लाइन लगाना पड़ा रहा है, आए दिन हंगामा हो रहा है और किसान मार खा रहा है लेकिन खाद नहीं पा रही है, फिर भी सरकार किसानों की हिमायती बनी हुई है। श्री तिवारी ने जिले में कानून व्यवस्था की बहाली व किसानों को समय पर खाद बिजली की मांग की है।

रोजगार मेले के आयोजन के नाम पर करोड़ों का भ्रष्टाचार

पूर्व विधायक लक्ष्मण तिवारी ने रोजगार मेले के आयोजन के नाम पर करोड़ों के भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। श्री तिवारी ने कहा कि जिन कंपनियों को बुलाया जाता है, वह बेरोजगारों को रोजगार देने के नाम पर छल कर रहीं हैं। पढ़े लिखे युवाओं से मजदूरों वाला काम करा कर दो महीने में नौकरी छोड़ने के लिए विवश किया जाता है। रोजगार देने की नौटंकी की जा रही है।

आयुष्मान
में निःशुल्क एवं कैशलेश ईलाज की सुविधा उपलब्ध
प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना
आयुष्मान भारत PM-JAY
कीमोथेरेपी
शिशु रोग विभाग
पथरी का ऑपरेशन
हड्डी का ऑपरेशन
कैंसर का ऑपरेशन
प्लास्टिक सर्जरी
जनरल सर्जरी
आकस्मिक सुविधा
यूरो सर्जरी
जबड़े का फ्रैक्चर
नेशनल हॉस्पिटल, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.)
अपॉइंटमेंट के लिए संपर्क करें- 18008890620, 8608600604 7566831551

नहीं बदला जला हुआ ट्रांसफार्मर, कई बार कर चुके शिकायत

जागरण, रीवा। ग्राम पंचायत उमरी के रहवासियों सहित यहां के किसान जले हुए ट्रांसफार्मर को न बदले जाने से परेशान ग्रामवासियों को बिजली उपलब्ध नहीं हो रही। किसानों ने बताया कि ग्राम के नादा टोला में कुछ समय पूर्व ही ट्रांसफार्मर लगाया गया था। जिसकी वारंटी आगामी 18 अगस्त 2027 तक दर्शायी गई है पिछले पंद्रह दिन पूर्व ट्रांसफार्मर जल गया जिसे बदलने के लिए किसानों सहित ग्रामवासियों ने भी गुहार लगाई, लेकिन ट्रांसफार्मर न तो बदला गया न ही सुधारा गया। पूरा गांव अंधकार में डूबा है किसानों की खेती का बंटाधार हो रहा है। ये तो बारिश होने से थोड़ी राहत मिली है, लेकिन आगामी समय में खेतों में पानी फिराने के लिए बिजली की आवश्यकता पड़ेगी।10 घंटे बिजली देने का वादा कर 24 घंटे में मात्र 3-4 घंटे ही बिजली दी जाती है वह भी ट्रांसफार्मर जल जाने से बंद हो गई। उमरी क्षेत्र के रहवासियों व किसानों ने बताया कि उमरी क्षेत्र में ही लगभग 6 ट्रांसफार्मर जले हैं, जिन्हें न तो दुरुस्त किया जा रहा है न ही बदला जा रहा है।

शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
कामता सोनोग्राफी सेन्टर
(अल्ट्रासाउण्ड)

डॉ. रश्मी शुक्ला
M.D. (Radio Diagnosis) G.S.V.M. Medical College Kanpur
Ex. J.R. AIIMS New Delhi
Ex. Consultant Radiologist Alpha Imaging & MRI Kanpur
Ex. Consultant Radiologist Noble Hospital Kanpur
ए-ब्लॉक, समदड़िया सेन्टर प्वाइन्ट, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.) 07662-451599,9399312433

यूजीसी के विरोध में रीवा में मुखर हो रहे स्वर

सवर्ण समाज पार्टी पूर्व अध्यक्ष ने कहा समाज को बांटने नहीं देंगे

बिफरे अधिवक्ता, कमिश्नरी घेरा

कार्यकर्ता बीके माला ने लोकभवन में राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

जागरण, रीवा

पड़ोसी राज्य यूपी में यूजीसी बिल को लेकर मुखर हुए विरोध के स्वर के बाद रीवा के सवर्णों में हलचल मची है। अब इन्हें लगा है कि इनके अधिकारों का हनन हो रहा है जिसके खिलाफ विरोध के स्वर मजबूत करने की रणनीति बना रहे हैं। यूजीसी बिल को लेकर पूर्व विधायक व सवर्ण समाज पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष लक्ष्मण तिवारी ने कहा कि भाजपा अब अंग्रेजों की राह पर चलने लगी है और समाज को बांटकर वोट लेना चाहती है। श्री तिवारी ने कहा कि वह समाज को बांटने नहीं देंगे। श्री तिवारी ने कहा कि वे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सवर्ण समाज की रक्षा के लिए फिर अग्रणी भूमिका में खड़े रहेंगे।

बिल में करें संसोधन: धर्म, नस्ल -जाति में न बांटें : सामाजिक कायकर्ता बीके माला ने बुधवार को लोकभवन भोपाल में राज्यपाल को ज्ञापन देकर कहा कि लोकहित में अनुरोध है कि सरकार एवं आयोग यूजीसी बिल के अप्रसांगिक तथ्यों पर गंभीरता से विचार करें एवं उक्त विनिमय में इस प्रकार संशोधन करें कि ये वाकई पूर्ण समता का समावेश करने वाले नियम हों, न कि धर्म, नस्ल, जाति, लिंग, एवं भाषा क्षेत्रियता के आधार पर बांटने का टूल बन जाए? भविष्य को दृष्टिगत रखते हुए इस विषय पर गंभरता से चिंतन व विचार करना जरूरी है।

यूजीसी में संशोधन को लेकर सवर्ण समाज द्वारा 1 फरवरी को भारत बंद का आह्वान

यूजीसी में संशोधन तथा वर्तमान में सरकार द्वारा यूजीसी नियम जो बिल बनाए गए हैं उसका लिखित में सुझाव ज्ञापन पत्र के माध्यम से राज्यपाल मप्र भोपाल को प्रेषित किए गए हैं। सवर्ण समाज ने बताया कि यूजीसी में विनिमय 2026 वाकई पूर्ण समता का समावेश करने वाला नियम नहीं है ये धर्म, नस्ल, जाति, लिंग, भाषा, क्षेत्र का आधार पर बांटने का काम किया जा रहा है। इस नियम पर सरकार को पुनः गंभीरता से विचार करना चाहिए ताकि आने वाली जनरेशन को किसी प्रकार की समस्या न हो एवं देश में वर्ग संघर्ष की स्थिति पैदा नहीं होना चाहिए, इस नियम से जातिगत भेदभाव पूरी तरह से प्रलक्षित होते हैं। यूजीसी के विरोध स्वरूप आगामी 30-31 जनवरी को सवर्ण समाज द्वारा विरोध प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा जाएगा व 1 फरवरी को भारत बंद का आह्वान किया जाएगा।

स्वीकार्य नहीं समाज में वैमनस्यता फैलाने वाला कानून: एडवोकेट्स

रीवा जिले के अधिवक्ताओं ने यूजीसी बिल के विरोध में कमिश्नरी घेरा और कहा कि समाज को बांटने वाला यह कानून उन्हें स्वीकार्य नहीं। जिला अधिवक्ता के उपाध्यक्ष तरुणेंद्र सिंह ने कहा कि इसके पूर्व एससी/एसटी कानून बनाया गया है जिसका समय पर दुरुपयोग हो रहा हुआ इसका उपयोग ढाल बना कर किया जा रहा है। महाविद्यालय स्तर पर इस तरह कानून लाकर छात्रों के बीच जातीय वैमनस्यता फैलाने का काम होगा।

यूजीसी नियमों पर पुनर्विचार जरूरी: आशीष तिवारी

ब्राह्मण चेतना परिषद के प्रभारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता आशीष तिवारी ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के प्रस्तावित नए नियमों पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में नियम लागू करने से पहले सभी वर्गों के सुझाव, संतुलित दृष्टिकोण और व्यापक संवाद बेहद जरूरी हैं। यदि नियमों पर समय रहते पुनर्विचार नहीं हुआ, तो यह छात्रों और शिक्षकों में असंतोष, मानसिक दबाव और सुरक्षा की चिंता बढ़ा सकता है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि नियमों में सभी वर्गों के लिए समान, पारदर्शी और संतुलित सुरक्षा तंत्र का निर्धारण किया जाए। शिक्षा नीति का उद्देश्य सिर्फ प्रशासनिक नियंत्रण नहीं, बल्कि छात्रों और शिक्षकों की सुरक्षा, हित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना होना चाहिए।

बारिश से सीवरेज लाइन के लिए खोदी सड़कें कीचड़ से पटीं

सड़क के गड्ढों में भरा पानी, लोगों का निकलना हुआ मुश्किल

जागरण, रीवा। बुधवार तड़के हुई बारिश ने शहरवासियों की परेशानी और बढ़ा दी है। शहर भर में लंबे समय से सीवरेज लाइन डालने का कार्य चल रहा है, जिसे डालने के लिए शहर की सड़कों की खुदाई कर दी गई है, पाइप डालने के बाद सड़कों की मरम्मत नहीं हुई है, उपर मिट्टी बिछा दी गई है, जिससे लोग गड्ढों के साथ ही पूरे बरसात के मौसम में कीचड़ से दो-दो हाथ करते रहे, बुधवार को हुई बारिश ने फिर से लोगों की मुसीबत बढ़ा दी है, जहां-जहां अभी तक सड़क का निर्माण नहीं हुआ वहीं फिर से कीचड़ हो गया है। जिसके चलते लोगों को कहीं जाने-आने में परेशान होना पड़ रहा है।

वार्ड पांच में सीवरेज लाइन डालने सड़क का खनन किया गया था, यहां लाइन डालने के दौरान पुरी सड़क को ही खोद दिया गया था, बारिश होने से पूरा मार्ग कीचड़ से भर गया है, दोपहिया वाहन फिसलने के साथ ही पैदल चलने वालों को भी दिक्कतें उठाना पड़ी। बिछिया में भी सीवरेज लाइन डालने सड़क का खनन किया गया था वहां पर भी सड़क नहीं बनने से कीचड़ हो गया।

शहर की कुछ सड़कों पर पिछले दिनों पैचवर्क किया गया था लेकिन शहर में अभी भी कई जगहों पर पैचवर्क की दरकार है। बरसात के कारण अमहिया रोड स्थित विद्युत कंपनी कार्यालय के सामने गड्ढे में पानी भर गया, इसी प्रकार पुराने न्यायालय भवन के पीछे हनुमान मंदिर के समीप छात्रावास से बहकर आने वाले पानी के साथ ही बरसात का पानी भी भरा रहा। जि कारण इन क्षेत्रों से गुजरने वाले लोग गड्ढों से बचाव करते देखे गए।

बिजली का इंतजार कर रहे किसानों को मिली बारिश से राहत

तापमान परिवर्तन से बढ़ी ठंडक, चलीं ठंडी हवाएं, हल्का कोहरा छाने की आशंका

जागरण, रीवा। दिन-रात फसलों की सिंचाई के लिए बिजली का इंतजार कर रहे किसानों को विद्युत कंपनी तो नहीं बारिश ने जरूर राहत प्रदान की। जिले के ग्राम्य अंचलों में अघोषित बिजली कटौती से कई किसान फसलो की सिंचाई नहीं कर पा रहे थे। फिलहाल कुछ समय के लिए किसानों की यह चिंता बारिश ने हर ली। बारिश होने से वातावरण और भी ठंडा हो गया, बुधवार तड़के 3:31 पर बारिश शुरू हुई, इसके पूर्व दो बजे के लगभग हल्की बूंदाबांदी हुई। लेकिन तड़के शुरू हुई बरसात सुबह साढ़े बजे तक होती रही, जो किसानों द्वारा गेहूं, चने की फसलों के लिए बेहतर बताई जा रही है।

ठंड ने फिर ठिठुराया, जले अलाव

मंगलवार रात से ही मौसम में ठंड का असर बढ़ गया था, रात को कोहरा भी छाया, बुधवार हुई बारिश से तापमान में परिवर्तन देखने को मिला, सुबह सूर्यनारायण ने भी देर से दर्शन दिए, हालांकि धूप इतनी तेज नहीं थी कि लोगों को ठंड से राहत दे सके, जिस कारण लोग अपने घरों पर ही दुबके रहे। दोपहर से हवाएंऔर तेज हो जाने से ठंड का असर और बढ़ गया। जिससे लोगों को फिर से अलाव का सहारा लेना पड़ा, सुबह के साथ ही लोग दोपहर में भी अलाव तापते दिखे। मंगलवार को न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस था वहीं अधिकतम तापमान 27.4 डिग्री सेल्सियस रहा वहीं बुधवार को न्यूनतम तापमान बढ़कर 14.3 डिग्री सेल्सियस हो गया जबकि अधिकतम तापमान घटकर 24.3 डिग्री सेल्सियस हो गया। मौसम विभाग की मानें तो आने वाले समय में हल्का कोहरा छाया रहेगा।

कंपाउंडिंग शुल्क जमा करने में इंजीनियर फंसा रहे नये-नये पेंच

अवैध कॉलोनियों को वैध करने की प्रक्रिया में हीलाहवाली से लोग हो रहे परेशान

न तो मांग पत्र दिया जा रहा और न ही जमा कराया जा रहा कंपाउंडिंग शुल्क

जागरण, रीवा। नगर निगम की चिन्हित की गई अवैध कॉलोनियों को वैध करने की प्रक्रिया में इंजीनियर ही बाधा बन रहे हैं। लोग पैसा लिये कंपाउंडिंग शुल्क जमा करने के लिए भटक रहे हैं, लेकिन इंजीनियरों द्वारा नये-नये पेंच फंसा कर कंपाउंडिंग शुल्क जमा नहीं किया जा रहा है। वर्तमान में निगमायुक्त डॉ. सोनवणे के बहर होने के कारण कई इंजीनियर इतने बेफिक्र हो गये है कि उनके द्वारा न तो माग पत्र सौंपा जा रहा है और न ही कंपाउंडिंग शुल्क जमा कराने में दिलचस्पी दिखाई जा रही है। इंजीनियरों के इस रवैये से वे लोग परेशान है जो वैध की जा रही कॉलोनियों में रहते हैं। कई लोगों ने अपना नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि जब भी वे पैसा लेकर कंपाउंडिंग शुल्क जमा करने की कोशिश करते है तो इंजीनियरों द्वारा कोई न कोई बहाना बना दिया जाता है।

गौरतलब है कि नगर निगम द्वारा वर्ष 2016 के पहले तक विकसित की गई 131 अवैध कॉलोनियों को वैध घोषित कर इनकी कंपाउंडिंग की प्रक्रिया की जा रही है। इसके साथ अवैध कॉलोनी बसानों वाले कॉलोनाइजर्स को 181 करोड़ रुपये की देनदारी की नोटिस जारी की गई थी लेकिन इसकी वसूली में कोई प्रगति नहीं हुई है। इनमे से 71 ऐसी अवैध कॉलोनियों का पता चला जिनमे नियमानुसार कम से कम 10 प्रतिशत जमीन पार्क एवं सार्वजनिक उपयोग के लिए नहीं छोड़ कर नियमों का उलंघन किया गया है। 71 ऐसी अवैध कॉलोनियों का पता चला जिनमे नियमानुसार कम से कम 10 प्रतिशत जमीन पार्क एवं सार्वजनिक उपयोग के लिए नहीं छोड़ कर नियमों का उलंघन किया गया है।

अधिकारियों पर तय की जाएगी जवाबदेही

नगर नियोजन नियमों के अनुसार प्रत्येक कॉलोनी में कुल भूमि का कम से कम 10 प्रतिशत हिस्सा पार्क एवं सार्वजनिक उपयोग हेतु आरक्षित करना आवश्यक होता है। परंतु इन 71 अवैध कॉलोनियों में पार्क के लिए आरक्षित भूमि नहीं छोड़ी गई थी। इस नियम उल्लंघन के चलते संबंधित कॉलोनाइज़र्स को 181 करोड़ रुपये की डिमांड नोटिस जारी की गई थी। मगर संबंधित अधिकारियों की निष्क्रियता के कारण कोई आगे की कार्यवाही नहीं की गई। इस मामले में निगमायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यदि शीघ्र प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, तो उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। शहरी क्षेत्र में अवैध निर्माण व राजस्व क्षति को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और लापरवाह अधिकारियों पर जवाबदेही तय की जाएगी।

अवैध रूप से बस रहीं 54 और कॉलोनियां

नगर निगम द्वारा शहर की नये सिरे से अवैध घोषित की गई 54 कॉलोनियां बसाने वाले कॉलोनाइजरों पर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है। इन चिन्हित अवैध कॉलोनियों के बारे में होर्डिंग लगाकर लोगों को चेताया अवश्य गया है लेकिन कार्यवाही नहीं किये जाने से कई लोगों ने इनमे प्लाट लेकर अब भवन अनुज्ञा के लिए नगर निगम के चक्कर काट रहे हैं। वर्ष 2016 के पहले तक विकसित की गई 131 अवैध कॉलोनियों को वैध घोषित कर दिया है। इसके अलावा नगर निगम द्वारा शहर की ऐसी 54 कॉलोनियों को अवैध घोषित किया गया है जिन्होंने विकास कॉलोनी अनुज्ञा प्राप्त किये बिना वर्ष 2016 के बाद कॉलोनी बसाने का प्रयास किया है। नगर निगम के जोन क्रमांक एक में 16 कॉलोनी, जोन क्रमांक दो में 11 कॉलोनी, जोन क्रमांक तीन में 14 कॉलोनी तथा जोन क्रमांक चार में 13 कॉलोनियों को अवैध घोषित किया गया है। इनके विरूद्ध कार्यवाही भी प्रस्ताविपत की गई है।

भूतपूर्व सैनिक, किसान व शिक्षकों को किया सम्मानित

जागरण, रीवा। ग्राम पंचायत रीठी में गणतंत्र दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि इंजी. कल्पना पटेल जिला मंत्री भाजपा, विशिष्ट अतिथि विशम्भर नाथ पटेल, वरिष्ठ भाजपा नेता एव किसान मोर्चा महामंत्री थे, अध्यक्षता ग्राम पंचायत रीठी के सरपंच रामसेवक पटेल ने की। विनोद भट्ट, सलेनद्र देव, रामलाल चतुर्वेदी, अमर सिंह पटेल, नीतू तिवारी ने मंच संचालन किया। ध्वजारोहण पश्चात राष्ट्र गान हुआ व भारत माता के जयकारे लगे। कार्यक्रम के दौरान कवि राम लखन सिंह, भौम्या चौरसिया, नीरज निर्मोही, ललिता पाण्डेय, सुलेखा पटेल द्वारा कविता पाठ किया गया। बच्चों द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई। इस दौरान अतिथियों द्वारा संबोधन दिया गया। अंत में भूतपूर्व सैनिक, शिक्षक व किसान विजभान पटेल, भीमसेन तिवारी, राम कुमार पटेल, संतशरण पटेल, मोतीलाल पटेल, विशाल शुक्ला, शैलेन्द्र विनोद भट्ट, रामअवतार पटेल, राम लखन सिंह, भौम्या चौरसिया, नीरज निर्मोही, ललिता पाण्डेय, सुलेखा पटेल को सम्मानित किया गया। हीरामणि पटेल, श्रीनिवास कुशवाहा, विनोद पटेल, विनय भटट, मितेश देव, रामनरेश कोल, रामलाल कोल, सतीश पटेल, दिलीप पटेल, रामसुमिरन कोल, दिनेश साकेत, राजबहोर साकेत, रंजीत साकेत सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी शामिल थे।

आध्यात्मिक चेतना व हिन्दू समाज के विकास के लिए सम्मेलन का आयोजन

जागरण, रीवा। माघ मेला महापर्व में विगत दिवस संगम तट पर त्रिदंडी मठ गोविन्दगढ़ के महंत जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्री शेषमणिदासाचार्य जी महाराज द्वारा अपने शिविर में पारंपरिक रूप से आध्यात्मिक चेतना एवं हिन्दू समाज के विकास के लिए तथा लोगों के कल्याण के लिए संत सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें प्रमुख अखाड़ा के जगद्गुरु स्वामी अच्युत प्रपन्नाचार्य जी प्रयाग, जगद्गुरु स्वामी कौशलेन्द्र प्रपन्नाचार्य जी प्रयाग, जगद्गुरु स्वामी योगेश्वराचार्य जी दिल्ली, जगद्गुरु स्वामी अवधश प्रपनाचार्य जी दिल्ली, जगद्गुरु स्वामी श्री रविश्वराचार्यजी रायपुर छत्तीसगढ़, जगद्गुरु स्वामी श्यामदेवाचार्य जी जयपुर, जगद्गुरु स्वामी कुलशेखराचार्य जी प्रयाग, जगद्गुरु स्वामी रामप्रपन्नाचार्य सुल्तानपुर, जगद्गुरु स्वामी रामानुजाचार्य जी पुरी, जगद्गुरु स्वामी राजारामाचार्य जी जबलपुर, जगद्गुरु स्वामी घनश्यामाचार्य जी प्रयाग, परमार्थ पीठाधीश्वरमहंत स्वामी राघव प्रपन्नाचार्य जी प्रयाग, त्रिदण्डीराघवाचार्य जी श्रीरंगम आदि संत उपस्थित रहे। संचालन महंत स्वामी अविनाश प्रपन्नाचार्य गोवर्धन मथुरा ने किया।

महाभारत के 'श्रीकृष्ण' इन दिनों रीवा में, रचा चक्रव्यूह

चित्रांगन अंतर्राष्ट्रीय फिल्म एवं थिएटर फेस्टिवल का शुभारंभ

कला, सिनेमा और साहित्य का महाकुंभ: नीतीश भारद्वाज

जागरण, रीवा। रामानंद सागर के महाभारत सीरियल में आपने किरदार से लोगों के मन में श्रीकृष्ण के रूप में अपनी छबि बना चुके सुप्रसिद्ध अभिनेता नितीश भारद्वाज बुधवार से रीवा में हैं। वह कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम में आयोजित चित्रांगन अंतर्राष्ट्रीय फिल्म एवं थिएटर फेस्टिवल में शामिल होने आए हैं। रंग उत्सव नाट्य समिति रीवा द्वारा आयोजित यह पाँच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय महोत्सव मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग, जिला प्रशासन, नगर निगम रीवा एवं यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के संयुक्त सहयोग से 01 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। बुधवार को उद्घाटन सत्र का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर कला, सिनेमा, रंगमंच, शिक्षा और पत्रकारिता जगत की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। उद्घाटन समारोह में महाभारत फेम अभिनेता नीतीश भारद्वाज, प्रसिद्ध निर्देशक अतुल सत्य कौशिक, एमसीयू के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी, महाराजा पुष्पराज सिंह, प्रख्यात कोरियोग्राफर राजकुमारी मोहिना सिंह, संजय श्रीवास्तव (डायरेक्टर एमपीएसडी) विशेष रूप से उपस्थित रहे। उद्घाटन अवसर पर नीतीश भारद्वाज ने अपने संबोधन में कहा कि रंगमंच और सिनेमा समाज का दर्पण होते हैं। भारतीय संस्कृति और महाकाव्यीय परंपराएँ आज भी समकालीन समाज को दिशा देने का कार्य कर सकती हैं। प्रसिद्ध निर्देशक अतुल सत्य कौशिक ने कहा कि फ़िल्म और थिएटर केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना जगाने का सशक्त जरिया हैं। कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने अपने वक्तव्य में कहा कि कला, मीडिया और शिक्षा का आपसी संवाद समय की आवश्यकता है। ऐसे मंच विद्यार्थियों और युवाओं को सीखने, समझने और अभिव्यक्त होने का अवसर प्रदान करते हैं तथा रचनात्मक सोच को नई दिशा देते हैं।

आईसीटी लैब इंपैक्ट एसेसमेंट सर्वे कार्य संपन्न

रीवा। समग्र शिक्षा अभियान लोक शिक्षण संचनालय भोपाल के निर्देश के अनुक्रम में शासकीय शिक्षा महाविद्यालय रीवा के द्वारा रीवा एवं शहडोल संभाग के रीवा सीधी सतना शहडोल जिले से पांच पांच स्कूले जिनमें सांदीपनी, मॉडल हाई स्कूल शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों की स्कूलों में स्थापित आई सी टी लैब का फील्ड इन्वेस्टिगेशन कराया गया गौरतलब है कि महाविद्यालय में एम एड प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के विभागीय प्रशिक्षणार्थियों का दो सदस्यीय 20 दल गठित कर प्रशिक्षण आयोजित किया जाकर इनवेस्टिगेटर्स की नियुक्ति की गई थी इन्वेस्टिगेटरो द्वारा आवंटित संस्थाओं में 15,16 एवं17 जनवरी को जाकर फील्ड इन्वेस्टिगेशन किया गया जिनमें रीवा जिले की शा उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मार्तंड क्रमांक1,सांदीपनि स्कूल मनगवां शा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़ी हर्दी शा कन्या हाईस्कूल गंगेव, शा कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेमरिया के साथ सतना जिले की शास उ मा वि कन्या नागौद, शा उ मा विद्यालय बालक बिरसिंहपुर ,शासकीय सांदीपनि उ मा विद्यालय बगहा,शासकीय पी एम उ मा विद्यालय कन्या रामपुर बघेलान,शासकीय उत्कृष्ट उच्च माध्य विद्यालय व्यंकट क्रमांक 1,सीधी जिले की शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मॉडल सिहावल शासकीय उत्तर माध्यमिक विद्यालय मॉडल सीधी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ताला,शा सांदीपनी उ मा वि रामपुर नैकिन,शा सांदीपनी उ मा विद्यालय सीधी तथा शहडोल जिले की शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बुडवा शासकीय मॉडल उत्तर माध्यमिक विद्यालय जयसिंहनगर शासकीय सांदीपनी उत्तर माध्यमिक विद्यालय मऊ शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बाणसागर देवलौंद शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ब्योहारी में स्थापित आई सी टी लैब का इन्वेस्टिशन किया गया।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

अभिव्यक्ति की आड़ में उच्छृंखलता बर्दाश्त नहीं

देशवासियों ने राजधानी दिल्ली के 'कर्त्तव्य पथ' पर, परेड के जरिए, भारत की सामरिक, सांस्कृतिक, कलात्मक, आध्यात्मिक और क्षेत्रीय संप्रभुता का प्रदर्शन टीवी पर देखा होगा। कितना विविध, विराट और एकजुट, अखंड है भारत! हमारा संविधान 1,46,385 शब्दों का सबसे विस्तृत और लिखित दस्तावेज है, लिहाजा अभूतपूर्व और अनूठा है। संविधान देश के नागरिक को समान अधिकार देता है। 'हम भारत के लोग..' में अंबानी, अदाणी, टाटा जैसे घराने भी हैं और एक अदना, अनाम गरीब, आम आदमी भी इसमें समाविष्ट है। संविधान न तो खंडित किया जा सकता है और न ही उसकी अवहेलना, अनदेखी की जा सकती है। ऐसा करना संज्ञेय, दंडनीय अपराध है। संविधान ही राष्ट्र है। संविधान की व्याख्या, अपवाद के तौर पर, अलग प्रकार से की जा सकती है, लेकिन संविधान की मूल आत्मा और भावना एक ही है-'हम भारत के लोग संप्रभु, लोकतांत्रिक, पंथनिरपेक्ष, समाजवादी भारत के लोग।'

कमोबेश ऐसे राष्ट्रीय पर्व के दिन तो ढोंग, विरोध, धर्मांधता से बचा जा सकता था। संविधान की छद्म प्रति लहरा कर देश को गुमराह करने की कोशिशें, अंततः, बंजर ही साबित हुई हैं। दो युवकों ने 'ताजमहल' में घुस कर 'तिरंगा' लहराया। यह राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्र का अपमान है। 'ताजमहल' पूरी तरह भारत का विश्वविख्यात 'आश्चर्य' है। यदि तिरंगा फहराया जाना था, तो वहां सार्वजनिक समारोह मनाया जा सकता था। 'घुसकर' ऐसा करना 'सांप्रदायिकता' है, जो संविधान-विरोधी है। उप्र के एक शहर में 'तिरंगा-यात्रा' के दौरान कुछ असामाजिक, देश-विरोधी तत्वों ने 'अल्लाह-हू-अकबर' के नारे लगाए और दूसरों को बाध्य किया। यह असंवैधानिक उच्छृंखलता है। संविधान ऐसी अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार नहीं देता। संविधान ने प्रत्येक नागरिक को मौलिक अधिकारों में मताधिकार की शक्ति दी है। हम लोकतांत्रिक देश हैं, लिहाजा मताधिकार प्राप्त नागरिक एक वोट के जरिए जनादेश दे सकता है कि कौनसी सरकार काम करेगी और किसे सत्ता से बेदखल किया जाता है, लेकिन गंभीर विडंबना है कि हर तीसरा नागरिक वोट ही नहीं देता है।

चुनावों का यह औसत सामने आया है। देश में 97-98 करोड़ मतदाता हैं। अब विशेष गहन पुनरीक्षण के अभियानों के बाद मतदाताओं का यह आंकड़ा बढ़ भी सकता है। औसत वोट नहीं डालने वालों का आंकड़ा अमरीका की कुल आबादी से भी अधिक है।

बहरहाल आज भी देश में सड़क हादसों में करीब 1.77 लाख लोग सालाना मरते हैं और घायलों की संख्या अलग है। लोग शराब पीकर गाड़ी चलाते हैं या नियमों का पालन नहीं करते। हादसे विकसित देशों में भी होते हैं, लेकिन भारत में ये गंभीर चुनौती बनते जा रहे हैं। इस आजाद मुल्क में आज भी लोग अपनी रेलगाड़ियों पर पथराव करते हैं। न जाने क्यों करते हैं? क्या इसमें भी कोई प्रतिशोध निहित है? क्या उन्हें यह अहसास नहीं है कि ये खूबसूरत रेलगाडियां उनकी अपनी संपत्ति हैं? उनके करों की राशि से बनी हैं और देश भर में सेवाएं दे रही हैं? देश में आज भी बाल-विवाह और बहुविवाह हो रहे हैं। आज भी दूषित पानी पीने से लोग मर रहे हैं।

आज भी असामाजिक प्रथाएं मौजूद हैं। आज भी देश में लोग गरीब हैं। यह गंभीर चिंतन-मनन का विषय है कि 'हम भारत के लोग' की प्रस्तावना और भावना अधूरी क्यों है? आज भी प्रदूषण की समस्या इतनी जानलेवा है कि भारत में साल भर में 17 लाख तक लोग अकाल मौत का शिकार हो रहे हैं। बहरहाल ये कुछ बिंदु बुनियादी तौर पर 'भारत के लोगों' के खिलाफ हैं, उन्हें खुरच रहे हैं, नुकसान पहुंचा रहे हैं। विकास के क्षेत्र में भारत को अभी लंबा सफर तय करना है। बेशक हम कई देशों से आगे हो चुके हैं, लेकिन हमें अभी अमरीका व चीन का मुकाबला करना है।

फार्मेसी नियमन

मुनाफे की अंधी दौड़ में जहर बन रहीं औषधियां, हिला रहीं समाज की नींव

नकली दवाओं का निर्माण 'हत्या का प्रयास'

डॉ सुधीर कुमार

नकली दवाओं का निर्माण और वितरण समाज के लिए गंभीर खतरा है, जिसे कड़े कानून और तकनीकी उपायों से रोका जा सकता है। क्यूआर कोड की अनिवार्यता, डिजिटल लेजर में एंट्री, नेशनल ड्रग डेटाबेस के अलावा उन्नत टेस्टिंग उपकरणों से बेहतर निगरानी व पारदर्शिता यकीनी बनेगी।

मानव जीवन की रक्षा में औषधियों की भूमिका किसी संजीवनी से कम नहीं है, परंतु जब मुनाफे की अंधी दौड़ में ये औषधियां ही जहर बन जाएं, तो समाज की नींव हिलने लगती है। जब बाजार में जीवन रक्षक दवाओं के नाम पर 'चॉक पाउडर' या 'दूषित रसायनों' का मिश्रण पहुंचता है, तो इसे केवल व्यापारिक धोखाधड़ी या बौद्धिक संपदा की चोरी मान लेना एक बड़ी भूल होगी। वास्तव में, नकली दवाओं का निर्माण और वितरण सीधे तौर पर 'हत्या का प्रयास' है, जो किसी व्यक्ति को उपचार से वंचित कर उसे मौत के मुंह में धकेल देता है।

भारत, जिसे अपनी गुणवत्ता और सामर्थ्य के कारण दुनिया की 'फार्मेसी' कहा जाता है, उसके लिए यह संकट दोहरा है। यह हमारी अंतरराष्ट्रीय साख को भी धूमिल करता है। समय की मांग है कि कानून की शक्ति और तकनीक की पारदर्शिता आपस में हाथ मिलाकर एक ऐसा अभेद्य तंत्र विकसित करें, जहां अपराधी के लिए कोई छिद्र शेष न रहे।

भारत में दवाओं के नियमन का ढांचा औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के साथ शुरू हुआ था, जो अपने समय के अनुसार एक ठोस दस्तावेज था। हालांकि, जैसे-जैसे समय बदला, अपराधियों के सिंडिकेट ने कानून की कमियों को पहचान लिया। साल 2008 में सरकार को यह आभास हुआ कि पुराने कानून में निहित मामूली जुर्माने और सजा इन बड़े गिरोहों के लिए कोई डर पैदा नहीं करते। इसी कारण अधिनियम में व्यापक संशोधन किए गए ताकि कानून के दांतों को पैना किया जा सके।

वर्तमान में, धारा 27(ए) के अंतर्गत कड़े प्रावधान किए गए हैं। यदि किसी नकली दवा के सेवन से व्यक्ति की मृत्यु होती है या उसे गंभीर शारीरिक क्षति पहुंचती है, तो दोषी को कम से कम 10 साल की कड़ी सजा का प्रावधान है, जिसे अपराध की गंभीरता के आधार पर आजीवन कारावास तक बढ़ाया जा सकता है। इसके साथ ही, 10 लाख रुपये या दवा की कुल कीमत का तीन गुना तक का भारी जुर्माना लगाया जाता है।

न्यायपालिका ने भी इस मुद्दे पर सख्त रुख अपनाया है। 'यूनियन ऑफ इंडिया बनाम अशोक कुमार शर्मा' (2020) जैसे ऐतिहासिक मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जन स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले अपराधियों को किसी भी प्रकार की न्यायिक रियायत या नरमी नहीं मिलनी चाहिए। अदालतों ने ड्रग इंस्पेक्टर्स की शक्तियों को स्पष्ट करते हुए उन्हें जांच, नमूना संग्रह और जब्ती की प्रक्रिया में अधिक स्वायत्तता प्रदान की है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि तकनीकी खामियों के कारण कोई अपराधी कानून की पकड़ से बाहर न निकल सके। कानून का यह प्रहार तब और प्रभावी हो जाता है जब इसे डिजिटल नवाचारों का समर्थन मिलता है। आज का दौर डेटा और पारदर्शिता का है, जहां 'ट्रैक एंड ट्रेस' तकनीक इस पूरी व्यवस्था की रीढ़ बन चुकी है। कागजी दस्तावेजों के हेरफेर के दिन अब लद चुके हैं और सरकार द्वारा शीर्ष 300 ब्रांडों पर क्यूआर कोड अनिवार्य करना इस दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है।

तकनीकी मोर्चे पर सबसे शक्तिशाली समाधान 'ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी' में निहित है। यदि दवा के कच्चे माल यानी 'एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट' की खरीद से लेकर कारखाने में उसके निर्माण, फिर डिस्ट्रीब्यूटर के गोदाम और अंततः मरीज के हाथ तक पहुंचने की हर कड़ी को एक सुरक्षित 'डिजिटल लेजर' में दर्ज करें, तो हेरफेर की संभावना शून्य हो जाती है। ब्लॉकचेन की खूबी यह है कि इसमें एक बार दर्ज जानकारी को कोई भी माफिया बदल या मिटा नहीं सकता। इसके साथ ही, एक 'सेंट्रलाइज्ड नेशनल ड्रग डेटाबेस' की स्थापना अनिवार्य है। अक्सर देखा गया है कि एक राज्य में प्रतिबंधित दवा दूसरे राज्य में बेची जाती रहती है। एक एकीकृत डेटाबेस होने से किसी भी कोने में पकड़ी गई नकली दवा की जानकारी रियल-टाइम में देशभर के ड्रग इंस्पेक्टर्स को मिल सकेगी, जिससे अपराधियों के भागने के रास्ते बंद हो जाएंगे। ड्रग विभाग की भूमिका को भी अब पारंपरिक 'इंस्पेक्टर राज' से ऊपर उठकर 'प्रौद्योगिकी मित्र' के रूप में विकसित होना होगा। अब अधिकारियों को केवल छापेमारी तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें 'डेटा एनालिटिक्स' का विशेषज्ञ बनना होगा। यदि किसी विशेष भौगोलिक क्षेत्र में किसी ब्रांड की दवा की खपत अचानक और अस्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है, तो सिस्टम को स्वतः ही 'रेड फ्लैग' या चेतावनी जारी करनी चाहिए। इसके साथ ही, ड्रग इंस्पेक्टरों को अत्याधुनिक 'हैंडहेल्ड रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी' जैसे टेस्टिंग उपकरणों से लैस किया जाना चाहिए। ये उपकरण मौके पर ही, बिना पैकिंग खोले, दवा की शुद्धता की प्राथमिक जांच कर सकते हैं, जिससे लैब रिपोर्ट के लिए महीनों तक होने वाले इंतजार को खत्म किया जा सकता है।

नकली दवाओं के जाल को काटने के लिए हर नागरिक को यह समझना चाहिए कि पक्का बिल मात्र एक रसीद नहीं, बल्कि उसका सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है, जो कानूनी लड़ाई और मुआवजे के लिए प्राथमिक सबूत बनता है। दवा खरीदते समय पैकेजिंग की बारीकियों जैसे धुंधली छपाई, गलत स्पेलिंग या टूटी सील पर पैनी नजर रखें। भारी छूट के लालच में न आएं। सतर्कता ही आपके स्वास्थ्य और कानूनी अधिकारों की रक्षा का एकमात्र मार्ग है।

'टॉर्ट लॉ' और उपभोक्ता कानूनों के तहत, नकली दवा से होने वाले शारीरिक और मानसिक नुकसान के लिए निर्माता और विक्रेता दोनों को जवाबदेह ठहराया जा सकता है। यह पीड़ित परिवारों को न केवल आर्थिक संबल देता है, बल्कि कंपनियों को अपनी सप्लाई चेन के प्रति अधिक सतर्क रहने के लिए मजबूर भी करता है।

खुला मंच

बर्फ के स्टेटस देख इंद्र हुए अंतर्ध्यान

अशोक गौतम

मित्रो! गए वे दिन जब लैला मजनू से प्रेम करती थी, हीर रांझा से प्रेम करती थी, शीरी फरहाद से प्रेम करती थी। अब तो हीर, लैला, शीरी सारी मोहतरमाएं फेसबुक से प्रेम करती है। ऐसे में मजनू, रांझा, फरहाद ने भी फेसबुक से प्रेम करना शुरू कर दिया है। अब सब जान गए हैं कि आज के युग का अमर प्रेम फेसबुक है। फेसबुक नाम जहाज है, चढ़े सो उतरे पार... कल रात फेसबुक पर चर्वण करते करते जब आंखें और सांसें दोनों फूल गईं तो नींद की गोली खाकर जबरदस्ती सोने का नाटक करना पड़ा। अभी फोन किनारे छोड़ा ही था कि सामने इंद्र देव! बिल्कुल वैसे ही, जैसा मैंने उन्हें जल शक्ति विभाग के ऑफिस में सबसे बड़े साहब की कुर्सी के पीछे दीवार पर टंगे हैं। सोचता हूं दोस्तो! किसने किसको बनाया! देवताओं ने हमको या हमने देवताओं को... वैसे अपने जन्म से यहां सभी एक दूसरे को बना ही तो रहे हैं। अपना फ्यूचर बनाने के बदले बाप को बेटा बना रहा है। मंदिर में पुजारी भगवान को बना रहा है। ऑफिस में अधीनस्थ अपने बॉस को बना रहा है। बेकार में बनने बनाने की सोच में पड़ कीमती समय बरबाद करोगे तो फेसबुक पर विचरण करने का अनमोल समय नष्ट हो जाएगा। फेसबुक जीवन अमोल है मिले न बारंबार।

इंद्र देव जैसे ही मेरे सामने आए तो पहला प्रश्न यही किया, 'बंधु! बर्फ पड़ गई क्या?'

'मतलब?'

'मतलब ये कि मैंने अभी अभी फेसबुक पर हजारों के फेसबुक स्टेटस देखे। सभी पर बर्फ ही बर्फ!'

'फेसबुक पर देखी तो बर्फ पड़ ही गई होगी', मैंने सहज रहते कहा तो वे मेरी धीरता गंभीरता से प्रभावित हुए।

'पर मेरी नॉलिज में तो नहीं है कि तुम्हारे शहर में मैंने बर्फ पड़ने के आदेश किए हैं।'

'जनाब! आजकल विभागों के हेड की नॉलिज में कुछ होता ही कहां है? वे तो बेचारे अपनी कुर्सी पर लेटे बैठे उंघियाते खाते इधर उधर अपनी गोटियां फिट करते रहते हैं। और उनके नीचे वाले काम कर जाते हैं।'

'मतलब?' वे तनिक झूठ को गुस्साए।

'मतलब सर जी ये कि आज का दौर कर्तव्यनिष्ठा का दौर नहीं। फेसबुक का दौर है। आज का दौर सच का दौर नहीं। फेसबुक का दौर है। आज का दौर नैतिकता का दौर नहीं। फेसबुक का दौर है। आज का दौर प्रेम का दौर नहीं। फेसबुक का दौर है। आज हर छोटी से छोटी घटना से लेकर भयंकर से भयंकर दुघर्टना की पुख्ता जानकारी फेसबुक से ही लाइव मिलती है। आज वही जीव लाइव है जो फेसबुक पर लाइव है। शेष तो होते हुए भी न हुओं के बराबर है', मैंने अपने युग का कटु सत्य कहा तो इंद्र देव ने घुटने टेके और अंतर्ध्यान हो गए।

प्रसंगवश

वीवीआईपी प्रोटोकॉल और हवाई सुरक्षा पर बड़ा सवाल

विनोद पाठक

बुधवार सुबह जब सूरज की किरणें बारामती की उपजाऊ मिट्टी को छू रही थीं, तब किसी ने कल्पना नहीं की थी कि यह दिन महाराष्ट्र की राजनीति के एक युग के अस्त का साक्षी बनेगा। राज्य के उप मुख्यमंत्री अजित पवार, जिन्हें जन-जन आदर और आत्मीयता से 'दादा' कहता था, की विमान हादसे में असामयिक मृत्यु ने न केवल एक परिवार और एक राजनीतिक धारा को अनाथ किया है, अपितु पूरे राज्य को भावनात्मक शून्य में धकेल दिया है। यह केवल एक नेता का जाना नहीं है, यह उस राजनीतिक स्थिरता का टूटना है, जिस पर पश्चिमी महाराष्ट्र की राजनीति पिछले कई दशकों से खड़ी थी। यह दुर्घटना केवल एक हादसा नहीं, बल्कि हमारी हवाई सुरक्षा प्रणालियों, वीवीआईपी प्रोटोकॉल और संस्थागत जवाबदेही पर एक गहरा प्रश्नचिह्न है, जिसे अब नजरअंदाज़ करना आत्मघाती होगा।

अजित पवार केवल एक राजनेता नहीं थे। वे प्रशासन की चलती-फिरती संस्था थे। निर्णय प्रक्रिया का केंद्र थे। सत्ता-प्रशासन के बीच सेतु थे। सुबह छह बजे से काम शुरू करने वाला वह कर्मयोगी, जिसकी उंगलियों पर महाराष्ट्र के बजट के आंकड़े और हर तहसील की समस्याएं होती थीं। आज स्मृतियों के गलियारे में विलीन हो गया। उन्होंने सहकारिता के माध्यम से पश्चिमी महाराष्ट्र के किसानों को जो संबल दिया, वह केवल नीति नहीं, सामाजिक न्याय की संरचना थी। यह कोई सामान्य संयोग नहीं है कि जिस बारामती को उन्होंने अपने पसीने से सींचकर आधुनिक राजनीतिक प्रयोगशाला बनाया, उसी धरती की हवाई पट्टी पर उनकी अंतिम यात्रा का दुःखद पड़ाव आया।

प्रारंभिक जांच और डीजीसीए की रिपोर्ट बताती है कि अजित पवार का चार्टर प्लेन मुंबई से बारामती के लिए उड़ा था। लैंडिंग के समय विमान रन-वे के थ्रेशोल्ड पर अनियंत्रित हुआ और आग के गोले में बदल गया। विमान में सवार सभी पांच लोग, जिनमें दो अनुभवी पायलट और पवार के कर्मचारी शामिल थे, इस त्रासदी का शिकार हुए।

प्राथमिक दृष्टि में तकनीकी खराबी और लैंडिंग गियर में समस्या की बात सामने आ रही है, लेकिन असली कारण ब्लैक बॉक्स की जांच के बाद ही स्पष्ट होगा, लेकिन राजनीतिक और नैतिक स्तर पर यह प्रश्न अभी से उठ चुका है कि क्या वीवीआईपी उड़ानों की सुरक्षा व्यवस्थाएं वास्तव में उस स्तर की हैं? जिसकी अपेक्षा एक संवैधानिक लोकतंत्र में की जानी चाहिए।

हालांकि, यह पहली बार नहीं है, जब भारत ने विमान हादसों में अपने नेतृत्व को खोया है। अजित पवार की दुर्घटना हमें उन पुराने जख्मों की याद दिलाती है, जो समय के साथ भी भरे नहीं हैं। संजय गांधी, माधवराव सिंधिया, जी.एम.सी. बालयोगी, वाई.एस. राजशेखर रेड्डी, सीडीएस बिपिन रावत, विजय रूपाणी जैसे नाम केवल व्यक्ति नहीं, संस्थागत क्षति के प्रतीक थे। हर दुर्घटना के बाद शोक व्यक्त किया गया, जांच बैठी, रिपोर्ट आई, लेकिन प्रणालीगत सुधार की राजनीतिक इच्छाशक्ति कभी पर्याप्त रूप से दिखाई नहीं दी।

अजित पवार का जाना महाराष्ट्र की राजनीति में एक ऐसे शून्य का निर्माण कर गया है, जिसकी भरपाई केवल नेतृत्व परिवर्तन से संभव नहीं होगी। यह केवल एक पद का रिक्त होना नहीं है, यह एक पूरी राजनीतिक संरचना का कमजोर पड़ जाना है।

इस हादसे से अब केवल संवेदना नहीं, ठोस नीति-निर्णय निकलने चाहिए। राजनेताओं का जीवन व्यक्तिगत संपत्ति नहीं, राष्ट्रीय धरोहर होता है। उनकी सुरक्षा भावनात्मक नहीं, संस्थागत विषय है। वीवीआईपी उड़ानों के लिए स्वतंत्र सुरक्षा ऑडिट, पायलट के निर्णय की पूर्ण स्वायत्तता, आधुनिक नेविगेशन सिस्टम की अनिवार्यता, तकनीकी प्रमाणन की बाध्यता और छोटे हवाई अड्डों पर संरचनात्मक सुरक्षा मानक, ये सब विकल्प नहीं, अनिवार्य शर्तें होनी चाहिए।

नागर विमानन मंत्रालय को अब एक 'नेशनल वीवीआईपी एयर सेफ्टी पॉलिसी' केवल कागज पर नहीं, जमीनी क्रियान्वयन के साथ लागू करनी होगी, जिसमें निजी चार्टर कंपनियों के लिए भी कठोर दंडात्मक प्रावधान हों।

अजित पवार की मृत्यु केवल एक राजनीतिक शोक नहीं है, यह एक राज्य की सामूहिक असुरक्षा-बोध का क्षण है। यह महाराष्ट्र की राजनीति के आत्ममंथन का समय है। गति और प्रगति के इस दौर में यदि सुरक्षा पीछे छूटती रही तो विकास की सारी उपलब्धियां अर्थहीन हो जाएंगी। यह हादसा चेतावनी है, स्मरण नहीं। यह शोक नहीं, आत्मसुधार का आह्वान है।

महाराष्ट्र की राजनीति ने एक शक्ति-पुंज खोया है, लेकिन यदि इस क्षति से व्यवस्था नहीं बदली तो यह त्रासदी केवल इतिहास नहीं, भविष्य की भूमिका बन जाएगी।

उच्च शिक्षा कानून

पूर्वाग्रह के चलते दोषी ठहराना नहीं, बल्कि निष्पक्ष जांच और न्याय सुनिश्चित करना समिति का उद्देश्य

भेदभाव समाप्त करने को यूजीसी का न्यायसंगत कदम

सतीश मेहरा

यूजीसी ने उच्च शिक्षण संस्थानों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के साथ होने वाले जातिगत भेदभाव को रोकने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

इस प्रावधान का उद्देश्य है किसी भी प्रकार के भेदभाव को समाप्त करना तथा उच्च शिक्षण संस्थानों में समता, न्याय और समावेशन को सुनिश्चित करना। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और संसदीय समिति की सिफारिशों के आधार पर यूजीसी ने इस संबंध में समिति के गठन हेतु अधिसूचना जारी की है। यह पहल किसी राजनीतिक दबाव का परिणाम नहीं, बल्कि वर्षों से सामने आ रही सामाजिक विसंगतियों और न्यायिक हस्तक्षेप का नतीजा है।

यूजीसी ने फरवरी, 2025 में 'उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्धन हेतु विनियम, 2026' का मसौदा जारी किया था। इसके बाद यह मसौदा संसदीय स्थायी समिति को भेजा गया, जिसकी अध्यक्षता कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने की। 8 दिसंबर, 2025 को समिति ने संसद में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें आंकड़ों और तथ्यों के साथ यह स्पष्ट किया गया कि देश के विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में केवल एससी और एसटी ही नहीं, बल्कि ओबीसी विद्यार्थियों के साथ भी जातिगत भेदभाव की घटनाएं बढ़ी हैं। इन सिफारिशों और सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों के आधार पर 13 जनवरी, 2026 को यह विनियम राजपत्र में प्रकाशित हुआ और 15 जनवरी, 2026 से पूरे देश में लागू कर दिया गया।

इस प्रावधान का उद्देश्य स्पष्ट और संवैधानिक है— धर्म, जाति, नस्ल, लिंग, जन्म स्थान अथवा दिव्यांगता के आधार पर किसी भी प्रकार के भेदभाव को समाप्त करना तथा उच्च शिक्षण संस्थानों में समता, न्याय और समावेशन को सुनिश्चित करना। यह व्यवस्था विशेष रूप से उन वर्गों के लिए बनाई गई है, जिनके साथ ऐतिहासिक रूप से सामाजिक, शैक्षणिक और संस्थागत स्तर पर अन्याय होता रहा है।

इसके बावजूद इस प्रावधान का विरोध किया जा रहा है। विरोध करने वालों का प्रमुख तर्क यह है कि इस समिति में 'जनरल कैटेगरी' को शामिल नहीं किया गया, इसलिए यह नियम भेदभावपूर्ण है। लेकिन यह प्रश्न विचारणीय है कि जाति-आधारित भेदभाव सामान्य वर्ग के साथ किस प्रकार होता है। जब देश के अधिकांश विश्वविद्यालयों में प्रोफेसर, प्राचार्य और कुलपति पदों पर लगभग 97 प्रतिशत प्रतिनिधित्व उन्हीं वर्गों का है, तब निर्णय, मूल्यांकन और प्रशासनिक सत्ता पहले से ही उनके हाथों में है। ऐसे में उनके साथ जातिगत उत्पीड़न की आशंका वस्तुतः तथ्य से अधिक आशंका और भ्रम पर आधारित प्रतीत होती है।

विश्वविद्यालयों में जातिगत भेदभाव के दुष्परिणामों का इतिहास नया नहीं है। हैदराबाद विश्वविद्यालय के शोधार्थी रोहित वेमुला की आत्महत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया था। अपने अंतिम पत्र में उन्होंने लिखा था— 'मेरा जन्म ही एक दुर्घटना था।' इसके बाद पायल तड़वी और दर्शन सोलंकी जैसे कई मामले सामने आए। ये घटनाएं केवल व्यक्तिगत त्रासदियां नहीं हैं, बल्कि उस व्यवस्था की ओर संकेत करती हैं, जहां शिक्षा के केंद्र ही उत्पीड़न के स्थल बनते चले गए।

यह भी एक भ्रांति फैलाई जा रही है कि यदि कोई ओबीसी विद्यार्थी किसी एससी या एसटी विद्यार्थी के साथ भेदभाव करेगा, तो उस पर कार्रवाई नहीं होगी। विनियम इस संदर्भ में पूरी तरह स्पष्ट है। किसी भी वर्ग के व्यक्ति द्वारा किया गया जाति-आधारित भेदभाव जांच के दायरे में आएगा। समिति का उद्देश्य किसी को पूर्वाग्रह के आधार पर दोषी ठहराना नहीं, बल्कि निष्पक्ष जांच और न्याय सुनिश्चित करना है।

समिति की संरचना भी संतुलित और प्रतिनिधिक रखी गई है। इसमें संस्थान प्रमुख पदेन अध्यक्ष होंगे, वरिष्ठ संकाय सदस्य, कर्मचारी प्रतिनिधि, नागरिक समाज के प्रतिनिधि, छात्र प्रतिनिधि और सचिव शामिल होंगे। साथ ही यह अनिवार्य किया गया है कि समिति में एससी, एसटी, ओबीसी, दिव्यांगजन और महिलाओं का समुचित प्रतिनिधित्व हो। यह व्यवस्था इसलिए आवश्यक है ताकि निर्णय प्रक्रिया समावेशी और एकतरफा प्रभाव से मुक्त रहे।

विरोध का एक और तर्क संभावित 'दुरुपयोग' को लेकर दिया जा रहा है। किंतु यह तर्क स्वयं में कमजोर है। महिलाओं के लिए बने कानूनों, श्रम कानूनों या आतंकवाद विरोधी कानूनों के दुरुपयोग की आशंका के बावजूद उन्हें समाप्त नहीं किया गया। किसी कानून के संभावित दुरुपयोग के डर से न्याय के रास्ते बंद कर देना स्वयं अन्याय को बढ़ावा देना है।

सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि जिन समुदायों के विद्यार्थियों के भविष्य की सुरक्षा के लिए यह प्रावधान बनाया गया है, उनमें इसके प्रति पर्याप्त जागरूकता नहीं है। दूसरी ओर, सांस्कृतिक और संस्थागत वर्चस्व रखने वाले वर्ग संगठित रूप से मीडिया, सोशल मीडिया और न्यायिक मंचों पर इसका विरोध कर रहे हैं। यह प्रावधान कोई 'काला कानून' नहीं, बल्कि संविधान में निहित समानता और गरिमा के मूल्यों को व्यवहार में उतारने का प्रयास है। जैसे कार्यस्थलों और शिक्षण संस्थानों में महिलाओं के लिए वूमेन सेल आवश्यक माने जाते हैं, उसी प्रकार जातिगत भेदभाव से पीड़ित वर्गों के लिए यह समिति आवश्यक है। यदि आज इसे कमजोर किया गया, तो भविष्य में फिर किसी रोहित, किसी पायल या किसी दर्शन को इसकी कीमत चुकानी पड़ सकती है। वक्त की मांग है कि हम न्याय, समानता और समावेशन के पक्ष में खड़े होकर भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित-समान अवसरों वाले भविष्य सुनिश्चित करें।

जीवन दर्शन

कल्पना और ज्ञान से जन्म लेती हैं नई संभावनाएं

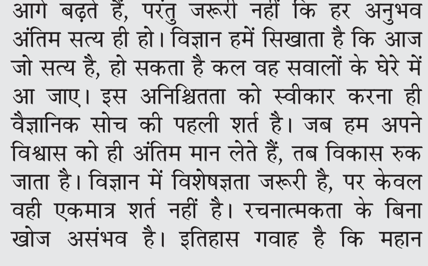

जब कल्पना और ज्ञान साथ-साथ चलते हैं, तभी नई संभावनाएं जन्म लेती हैं। कभी-कभी एक छोटा-सा विचार या असफलता नया रास्ता दिखा देती है। अपने ज्ञान पर विश्वास होना अच्छी बात है, पर यह मान लेना कि हम सब कुछ जानते हैं, पतन की शुरुआत है।

विज्ञान का अर्थ केवल प्रयोगशालाओं, समीकरणों या उपकरणों तक सीमित नहीं है, विज्ञान वास्तव में जीवन को समझने की एक गहरी मानवीय यात्रा है। विज्ञान लगातार एक पतली रस्सी पर चलने जैसा है, अंधविश्वास व जिज्ञासा के बीच, विशेषज्ञता और रचनात्मकता के बीच, पूर्वाग्रह और खुलेपन के बीच। यही संतुलन विज्ञान को जीवंत बनाता है।

लोकतांत्रिक ढांचे में व्यक्तिगत इच्छा सर्वोपरि तो होती है, लेकिन वह सामाजिक इच्छा यानी राज्य की मर्यादाओं से बंधी होती है। स्वतंत्रता की असली परीक्षा भी यही है कि एक व्यक्ति अपनी मर्जी का मालिक तब तक है, जब तक उसकी गतिविधियों से किसी दूसरे के जीवन या संपत्ति को कोई आंच न आए। इस मर्यादा को आत्मसात करने वाला व्यक्ति ही जन्मजात लोकतंत्रवादी कहलाता है, क्योंकि वह नियमों और कानूनों का पालन किसी दबाव में नहीं, बल्कि अपनी सहज इच्छा से करता है।

जीवन भी कुछ ऐसा ही है। हम अनुभवों के सहारे आगे बढ़ते हैं, परंतु जरूरी नहीं कि हर अनुभव अंतिम सत्य ही हो। विज्ञान हमें सिखाता है कि आज जो सत्य है, हो सकता है कल वह सवालों के घेरे में आ जाए। इस अनिश्चितता को स्वीकार करना ही वैज्ञानिक सोच की पहली शर्त है। जब हम अपने विश्वास को ही अंतिम मान लेते हैं, तब विकास रुक जाता है। विज्ञान में विशेषज्ञता जरूरी है, पर केवल वही एकमात्र शर्त नहीं है। रचनात्मकता के बिना खोज असंभव है। इतिहास गवाह है कि महान वैज्ञानिक उपलब्धियां अक्सर उन लोगों ने कीं, जिन्होंने अपनी सीमाओं से बाहर जाकर सोचने का साहस दिखाया। जब कल्पना और ज्ञान साथ-साथ चलते हैं, तभी नई संभावनाएं जन्म लेती हैं। पूर्वाग्रह विज्ञान का सबसे बड़ा शत्रु है।

खुलेपन का अर्थ है, गलत होने की संभावना को स्वीकार करना। जब हम दूसरों को सुनने, समझने और उनसे सीखने के लिए खुले रहते हैं, तभी आगे बढ़ते हैं। कभी-कभी एक छोटा-सा विचार या एक असफलता हमें नया रास्ता दिखा देती है। महत्वाकांक्षा विज्ञान को आगे बढ़ाती है, लेकिन वह यदि संवेदनहीन हो जाए, तो विनाशकारी भी बन सकती है। इसलिए विज्ञान को केवल उत्साह से नहीं, बल्कि गहरे समर्पण और नैतिक जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ना चाहिए। अपने ज्ञान पर विश्वास होना अच्छी बात है, लेकिन यह मान लेना कि हम सब कुछ जानते हैं, पतन की शुरुआत है।

विज्ञान और जीवन, दोनों ही भूत, वर्तमान और भविष्य के बीच चलने वाले निरंतर संवाद हैं। यह ऐसी यात्रा है, जहां निश्चितताएं कम हैं, पर संभावनाएं अनंत हैं। और इन्हीं संभावनाओं में सृजन है, विकास है और भविष्य की आशा छिपी हुई है।

हेनरिक रोहरर

॥ गीता ज्ञान ॥

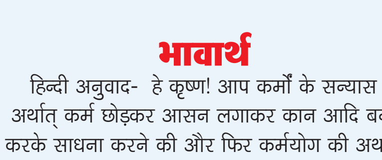

श्लोक

सन्न्यासम, कर्मणाम, कृष्ण, पुनः, योगम, च, शंससि,
यत, श्रेयः, एतयोः, एकम, तत, मे, ब्रूहि, सुनिश्चितम॥

भावार्थ

हिन्दी अनुवाद- हे कृष्ण! आप कर्मों के सन्यास अर्थात् कर्म छोड़कर आसन लगाकर कान आदि बन्द करके साधना करने की और फिर कर्मयोग की अर्थात् कर्म करते करते साधना करने की प्रशंसा करते हैं इसलिए इन दोनों में से जो एक मेरे लिए भली भांति निश्चित कल्याणकारक साधन हो उसको कहिये।

शिक्षकों ने अटेंडेंस लगाने का प्रयास किया तो ऐप बोला आज छुट्टी है

आए दिन हो रही समस्या, विभाग नहीं कर पा रहा सुधार

जागरण,रीवा। गणतंत्र दिवस के मौके पर स्कूल पहुंचे शिक्षकों ने जब हमारे शिक्षक ऐप के जरिए ई. अटेंडेंस लगाने का प्रयास किया तो ऐप बोला आज छुट्टी है। ऐसे में शिक्षकों के सामने कई सवाल खड़े हो गए। राष्ट्रीय त्योहार के दिन वे स्कूल पहुंचे थे और जब रजिस्टर पर अटेंडेंस लगती थी, तब सभी के दस्तखत होते थे। ऐसे में यदि किसी शिक्षक के साथ कोई घटना-दुर्घटना हो तो उसका क्या होगा? ऐप तो बोलेगा अवकाश था, कानून बोलेगा अवकाश के दिन स्कूल क्यों गया था। कुल मिलाकर सोमवार को जब ऐप ने शिक्षकों को आईना दिखाया तो सभी को एक बड़ी खामी का पता भी चला। ऐसे में आने वाले समय में कहीं बच्चों का विशेष भोज भी यह कहकर बंद न कर दिया जाए कि अवकाश के दिन कैसा भोज। कहना है कि 26 जनवरी को सभी शिक्षक वर्षों से सजधज कर स्कूल पहुंचते रहे हैं और शिक्षकों के साथ बच्चों की भी अटेंडेंस लगती रही है। इस बार शिक्षकों ने स्कूल पहुंचकर ऐप के जरिए जब अटेंडेंस लगाने की कोशिश की, तो सभी के मोबाइल पर यही दिखाया कि आज गणतंत्र दिवस है और राष्ट्रीय दिवस का अवकाश है। ऐसे में आप टाइम इन नहीं कर सकते। इसके बाद शिक्षकों ने सवाल उठाया कि जब वे सभी स्कूल पहुंचे हैं और हर बार ऐसा होता है तो फिर ऐप में इसकी सुविधा क्यों नहीं है। हजारों शिक्षक स्कूल आते हैं और किसी प्रकार की घटना-दुर्घटना हो गई तो उनका क्या होगा। बेहतर होगा कि इस व्यवस्था में परिवर्तन किया जाए।

'ऑपरेशन सिंदूर' के मंचन ने दर्शकों को किया भावुक

लिटिल बैम्बिनोज में सांस्कृतिक उल्लास और अनुशासन का सुंदर संगम

रीवा। विंध्य विहार कॉलोनी स्थित लिटिल बैम्बिनोज स्कूल में विद्यालय का वार्षिकोत्सव धूमधाम, उल्लास एवं सांस्कृतिक गरिमा के साथ आयोजित किया गया। यह भव्य आयोजन विद्यालय की डायरेक्टर डॉ. गायत्री शुक्ल के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने पूरे मनोयोग और उत्साह के साथ सहभागिता की। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रोफेसर शिप्रा द्विवेदी एवं विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर संध्या शुक्ला की गरिमामयी उपस्थिति रही। स्वागत उद्बोधन में विद्यालय की निदेशक डॉ. गायत्री शुक्ल ने कहा कि वार्षिकोत्सव बच्चों के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास और मंचीय प्रतिभा को निखारने का सशक्त माध्यम है। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों का मन मोह लिया। विशेष प्रस्तुति 'ऑपरेशन सिंदूर' में स्मृति, आराध्या, अंश, कुलदीप, संकल्प, आज्ञा, शुभी, आदित्य, वैदिक, स्नेहा एवं सोनिया ने सामाजिक संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन श्रेया सोनी द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रज्ञा श्रीवास्तव, सुधा सोनी, श्वेता मिश्रा, श्वेता सिंह तिवारी, रश्मी मिश्रा, रूपमाला पांडे, श्रेया सोनी, स्वाति सोनी एवं विवेक चतुर्वेदी सहित विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों की सराहनीय सहभागिता रही।

मानस भवन में संगीतमय श्रीमद्भागवत ज्ञानयज्ञ शुरू

रीवा। शहर के मध्य स्थित मानस भवन में आज से संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का भव्य आयोजन किया गया है। स्व. श्रीष कुमार मिश्र की प्रथम पुण्य स्मृति में उक्त आयोजन अनिता मिश्र (नीतू) के द्वारा आयोजित की गई है जिसमें कथा व्यास स्वामी रामहर्षण देवाचार्य महाराज के परम कृपा पात्र शिष्य आचार्य पं. रमाशंकरदास महाराज श्रीधाम वृंदावनधाम होंगे। श्रद्धालु प्रेमीभक्तों को 03 फरवरी तक निरंतर दोपहर 2 बजे से सायं 6 बजे तक आचार्य की संगीतमय अमृतवाणी ग्रहण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। इस पुनीत अवसर पर होने वाली कलश यात्रा में समस्त प्रेमीभक्तों से समय पर पधारने का आग्रह किया गया है।

अटल कुंज में हुआ ध्वजारोहण

रीवा। अटल कुंज में गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता ने ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण में मुख्य रूप से भाजपा रीवा संभाग प्रभारी विजय दुबे एवं सांसद जनार्दन मिश्रा सहित पार्टी के जिला पदाधिकारी, मोर्चा, प्रकोष्ठ, वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित की गईं और मिठाई खिलाकर गणतंत्र दिवस की बधाई दी गई।

खेल में जीतने के साथ सीखें भी: उप मुख्यमंत्री

उप मुख्यमंत्री ने खेलों एमपी यूथ गेम्स के तहत फुटबॉल प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

जागरण, रीवा

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि खिलाड़ी को खेल में जीतने के साथ सीखना भी चाहिए। हार जीत से परे रहकर अपनी टीम के लिये अपना सर्वोत्तम देना ही खिलाड़ी का दायित्व है। श्री शुक्ल ने खेलो एमपी यूथ गेम्स के तहत फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। स्पोर्टस कॉम्पलेक्स में राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी संभाग की टीमों के खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल भावना से खेलना चाहिए। हार-जीत से कोई फर्क नहीं पड़ता। जीतने पर घमण्ड न हो तथा हारने पर निराशा न हो। समभाव से अपना योगदान देकर सीखने की ललक के साथ प्रतियोगिता में भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी को अच्छे मैदान व खेल के आयोजन आवश्यक हैं। रीवा में खेल के मैदानों की कमी नहीं है और खेल प्रतियोगिताएँ भी आयोजित हो रही हैं जिनके माध्यम से खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की पहल पर यह आयोजन हो रहा है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ दी। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि स्पोर्टस कॉम्पलेक्स में अप्रैल माह तक साढ़े दस करोड़ रुपये से सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण हो जायेगा।

इस अवसर पर विधायक मनगवां इंजी. नरेन्द्र प्रजापति ने कहा कि रीवा में खेलों के विस्तार के लिये उप मुख्यमंत्री द्वारा हर संभव प्रयास किये गये हैं। हमारे खिलाड़ी खेल सुविधा प्राप्त कर प्रदेश में अपना स्थान अर्जित कर रहे हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान ने अपने उद्बोधन में कहा कि रीवा के लिये राज्य स्तरीय आयोजन की मेजबानी सौभाग्य का विषय है। रीवा से खेल प्रतिभाएँ आगे आ रही हैं। उन्हें अच्छे खेल मैदान व सुविधाएँ मिली हैं। श्री चौहान ने खिलाड़ियों से अपेक्षा की कि खेल को खिलाड़ी भावना से खेलें क्योंकि खेल में या तो जीत होती है या हार, पर हार से निराश न हों। इससे पूर्व संभागीय खेल अधिकारी एम.के. धौलपुरी ने बताया कि रीवा के स्पोर्टस कॉम्पलेक्स, टीआरएस मैदान तथा सैनिक स्कूल ग्राउण्ड में प्रदेश के संभाग के खिलाड़ी फुटबॉल मैच खेल रहे हैं। रीवा से भी 400 से अधिक खिलाड़ी विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने राज्य स्तर पर गये हैं। उप मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इस अवसर पर विक्रम सिंह, पंकज सिंह पंकू, विवेक दुबे विधायक प्रतिनिधि, के.के. गर्ग, पूर्व पार्षद सतीश सिंह सहित खेल प्रेमी तथा संभागों के खिलाड़ी व कोच उपस्थित रहे।

सत्या एकेडमी में वार्षिकोत्सव: सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

रीवा। रतहरा स्थित सत्या एकेडमी हायर सेकेंडरी स्कूल में वार्षिक उत्सव का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं की बहुमुखी प्रतिभा और विद्यालय के अनुशासित वातावरण की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इसके पश्चात रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू हुआ, जिसने समारोह में समां बांध दिया। विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक लोक नृत्य, नाटक और गीतों की प्रस्तुति दी, जिसकी उपस्थित जनसमूह ने मुक्त कंठ से सराहना की। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद जनार्दन मिश्र उपस्थित रहे। उनके साथ शाला प्रबंधन समिति के संरक्षक राजा प्रसाद पटेल ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्रों को अपनी छिपी हुई प्रतिभा को बाहर लाने का बेहतरीन अवसर मिलता है।

माई छोटा स्कूल में वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह

रीवा। सम्राट नगर में स्थित माय छोटा स्कूल द्वारा गणतंत्र दिवस, वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई, जहाँ विद्यालय परिवार, शिक्षकगण, कर्मचारी, विद्यार्थी एवं अभिभावकों ने एक साथ खड़े होकर राष्ट्रगान गाया और देश की एकता, अखंडता एवं संविधान के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। राष्ट्रीय ध्वजारोहण के पश्चात मुख्य सांस्कृतिक कार्यक्रम पुष्पराज नगर स्थित कोठी गार्डन में आयोजित किया गया, जिसे विशेष रूप से भव्य रूप में सजाया गया था। कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत स्वागत प्रस्तुति से हुई। इस अवसर पर नर्सरी कक्षा के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने मंच पर अपनी पहली प्रस्तुति देकर सभी उपस्थित जनों का मन मोह लिया। बच्चों की मासूम अदाएं, आत्मविश्वास और अनुशासन दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहीं। इसके बाद पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें शैक्षणिक, खेलकूद एवं अन्य सह-शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वार्ड क्रमांक 2 की पार्षद ममता कुशवाहा व विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी राम सखा यादव एवं टी. पी. यादव उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यालय द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। विद्यालय समिति के सदस्य संजय यादव की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी विशेष बना दिया। कार्यक्रम का संपूर्ण संचालन विद्यालय की डायरेक्टर सपना यादव द्वारा किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि माय छोटा स्कूल का उद्देश्य केवल पुस्तकीय शिक्षा देना नहीं है, बल्कि बच्चों को संस्कारवान, अनुशासित, आत्मनिर्भर और जिम्मेदार नागरिक बनाना है। उन्होंने सभी अभिभावकों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को मूर्त रूप देने में विद्यालय की शिक्षिकाओं हिना, अर्शिया, सादिया, मीना एवं श्रुति का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान रहा।

ईमानदारी, नैतिकता एवं अखण्डता जैसे मूल्यों को आत्मसात करना समय की मांग: डॉ.मिश्रा

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में कार्यशाला का हुआ आयोजन

जागरण,रीवा। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय के भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में बुधवार को 'एथिक्स एवं इंटिग्रिटी' विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.आरएन तिवारी ने की, मुख्य वक्ता के रूप में डॉ.संजय कुमार मिश्रा डायरेक्टर बाल भारती स्कूल तथा भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ.केसरकली तिवारी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के प्राचार्य मुख्य वक्ता तथा भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की संयोजक द्वारा देवी सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से किया गया। छात्रा शिवानी पाण्डेय द्वारा सरस्वती वंदना का गान किया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि एवं वक्ता का स्वागत पुष्पगुच्छ, शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह द्वारा किया गया। तदुपरान्त संस्था के प्राचार्य द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया। अपने उद्बोधन के दौरान उन्होंने छात्रों के जीवन में शिक्षा के साथ-साथ उनके चरित्र निर्माण के लिए नैतिक मूल्यों को आत्मसात करने पर बल दिया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के केन्द्र में मौजूद शारीरिक एमानसिक, भावानात्मक और आत्मिक विकास की अवधारणा को रेखांकित किया। शुभम मिश्रा सहायक प्राध्यापक सांख्यिकी द्वारा मुख्य वक्ता का विस्तृत परिचय देते हुए बताया कि उन्हें शिक्षा, पर्यावरण एवं सामाजिक कार्यों के लिए उत्तराखण्ड रत्न से सम्मानित किया जा चुका है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ.संजय कुमार मिश्रा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विधार्थी जीवन में नैतिकता एवं अखंडता के महत्व पर बल दिया। उन्होंने छात्रों को बताया कि मनुष्य के चरित्र निर्माण के लिए ईमानदारी, नैतिकता एवं अखण्डता जैसे मूल्यों को आत्मसात करना समय की मांग है। उन्होंने छात्रों मे नैतिक मूल्यों के विकास में विद्यालयों एवं महाविद्यालयों की भूमिका को भी स्पष्ट किया। अपने उद्बोधन के पश्चात उन्होंने छात्रों से संवाद किया तथा उनके प्रश्नों का बड़े ही सकारात्मक तरीके से उत्तर दिया।

कार्यक्रम के अन्त में डॉ.शिवनाथ कुमार शर्मा सहा.प्राध्यापक अंग्रेजी विभाग द्वारा आभार ज्ञापन किया गया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ.प्रीति विश्वकर्मा सहा.प्राध्यापक अंग्रेजी द्वारा किया गया। इस दौरान सभागार में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ.डीपी शुक्ला विभागाध्यक्ष गणित, डॉ.संजय तिवारी विभागाध्यक्ष रसायन शास्त्र, डॉ. विनीता कश्यप विभागाध्यक्ष जीव विज्ञान, डॉ.अभिलाषा श्रीवास्तव विभागाध्यक्ष वनस्पतिशास्त्र, डॉ.नीलम पाण्डेय प्राध्यापक गणित, डॉ.अनीता तिवारी प्रध्यापक रसायनशास्त्र, प्रियंका जायसवाल सहायक प्राध्यापक हिंदी, डॉ.गीतेश्वरी पाण्डेय सहायक प्राध्यापक गणित एवं अन्य महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

10 तक स्कूलों में ही अपडेट होंगे बच्चों के आधार कार्ड

शिक्षकों ने समय में बदलाव और अधिक कर्मचारी रखने की मांग की

जागरण,रीवा। सभी स्कूलों में बच्चों के आधार कार्ड के अपडेशन का कार्य कराने के लिए कल से शुरु हुए अभियान 10 फरवरी तक चलेगा। इसमें चिन्हित स्कूलों में आधार अपडेशन शिविर आयोजित होगा और वहां बच्चों के आधार अपडेट कर दिए जाएंगे। हालांकि इस पर शिक्षकों ने आपत्ति लेते हुए कहा कि एक-एक स्कूल में सैकड़ों से हजारों बच्चे होते हैं और आधार अपडेशन के लिए एक कर्मचारी को भेज दिया जाता है जो दिन भर में बमुश्किल 40-50 अपडेशन कार्य ही कर पाता है। इसके अलावा स्कूल सुबह लग जाते हैं जबकि शिविर 10.30 बजे से लगता है। स्कूलों में 2 बजे के बाद छुट्टी हो जाती है ऐसे में शिविर का सभी बच्चों को लाभ नहीं मिल पाता। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा जारी पत्र के अनुसार 5 से 15 आयु वर्ष के समस्त स्कूली बच्चों का आधार अपडेशन किए जाने हेतु जिला स्तर से विद्यार्थियों के लिए अब विद्यालय के द्वार अभियान के अन्तर्गत चयनित शासकीय और अशासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूलों में आधार कैम्प आयोजित किए जा रहे हैं। सभी स्कूलों में यू डाइस पोर्टल पर आधार में लंबित अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट की स्थिति उपलब्ध है तथा विद्यार्थियों के लिए आधार कार्य अब विद्यालय के द्वार अभियान का तीसरा चरण बुधवार से चिन्हित हायर सेकेंडरी स्कूलों में शुरू हो गया है।

शिविर का पूरा लाभ नहीं मिल पाता : इस संबंध में शिक्षकों का कहना है कि स इसके पूर्व भी यह शिविर लगा चुके हैं और बच्चों को इसका पूरा लाभ नहीं मिल पाता। बड़े स्कूलों में पूरे 10 दिन शिविर लगाए जाएं तो इसका लाभ मिल सकता है। पूर्व में संकुल स्तर पर दो-दो केंद्र बनाए गए थे, परंतु निजी विद्यालय सुबह से लगने के कारण और कैंपों का समय 10.30 बजे से होने के कारण 2 बजे के बाद ऑपरेटर खाली बैठे रहते थे, यदि ऑपरेटरों की संख्या बढ़ाई जाए तो यह कार्य सभी विद्यालयों में अधिक से अधिक हो सकेगा।

इंटरनेशनल गोल्डन वैली स्कूल का हुआ वार्षिकोत्सव

जागरण, रीवा। गणतंत्र दिवस के अवसर पर इंटरनेशनल गोल्डन वैली स्कूल का वार्षिकोत्सव सखी मंडप गार्डन में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं प्राचार्य शास्त्री उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रायपुर कर्चुलियान अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद महाकौशल प्रांत के कार्यसमिति मेंबर एड. गोपाल त्रिपाठी रहे। कार्यक्रम भव्यता पूर्वक संपन्न हुआ और इस अवसर पर बच्चों के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुत की गई कार्यक्रम की प्रस्तुत की गई, विद्यालय के डायरेक्टर विनय पांडे प्राचार्य, शैल पांडे व शिक्षकों में मुख्य रूप से बीना पांडे, अंजली मिश्रा, रेखा सिंह, संचिता पयासी, खुशी त्रिपाठी सहित अन्य सभी शिक्षक शिक्षिकाओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन सीमा दुबे एवं प्रिया मिश्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा विद्यालय के बच्चों को पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

विद्युत मंडल तकनीकी कर्मचारी संघ अमहिया पावर हाउस में किया गया ध्वजारोहण

जागरण, रीवा। गणतंत्र दिवस के पावन पर्व में पावर हाउस अमहिया गल्ला मण्डी स्थित संघ कार्यालय में ध्वजारोहण ई. बी के शुक्ला अधीक्षण अभियन्ता एवं संघ संस्थापक डॉ. एल. के. मिश्रा द्वारा सम्पन्न किया गया। इंजीनियर बी के शुक्ला द्वारा अपने उद्‌बोधन में कर्मचारियों के जायज मांगों का समर्थन करते हुए पूरा करने का आश्वासन दिया। इंजीनियर शुक्ल द्वारा 24 कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया गया। तत्पश्चात डॉ. एल के मिश्रा द्वारा अपने संबोधन में विद्युत मंडल के कंपनीकरण एवं उससे हो रहे कर्मचारियों के शोषण के प्रति ध्यानाकर्षण कराया गया। शिवनाथ सिंह ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर गीत गाकर भाव विभोर कर दिया। अनिल बहादुर सिंह ने अपने संचालनीय क्षमता का परिचय देते हुए सभी कर्मचारियों को एक जुट रखने में सराहनीय कार्य किये। वरिष्ठ पदाधिकारी नरेन्द्र सिंह द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया। उनके द्वारा काम में आने वाली कठिनाइयों का जिक्र करते हुए सभी को अपने कार्य के प्रति सजग किया। अन्य वक्ताओं द्वारा संगठन के प्रति सहयोग की भावना परिलक्षित करते हुए संगठन को सशक्त बनाने पर बल दिया। ध्वजारोहण समारोह में संघ के समस्त पदाधिकारी, तकनीकी एवं गैर तकनीकी कर्मचारी सम्मिलित होकर ध्वजारोहण के कार्यक्रम को सफल बनाया।

आरडीसीए उपाध्यक्ष संजय सिंह ने किया ध्वजारोहण

रीवा। देश के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन मैदान रीवा में रीवा डिवीजनल क्रिकेट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष संजय सिंह के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर आरडीसीए के सह सचिव अनुराग सेठी, देवेश शुक्ला, एमपीसीए की मैनेजिंग कमेंटी के सदस्य अरुण शुक्ला, बीसीसीआई अंपायर रीतिका बुले के अतिरिक्त डॉ. राकेश त्रिपाठी, धीरेन्द्र शुक्ला, खुदा बख्श, जीतेन्द्र गुप्ता सहित इन्दौर एवं रीवा टीम के खिलाड़ी उपस्थित रहे ।

खराब मौसम ने प्रभावित किया रीवा एवं इन्दौर मैच के अंतिम दिन का खेल

जागरण,रीवा। डिवीजनल क्रिकेट एसोसिएशन के आयोजकत्व में मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की स्व. हीरालाल गायकवाड़ अंडर-18 अंतरसंभागीय क्रिकेट प्रतियोगिता के चौथे एवं अंतिम राउंड के अंतर्गत रीवा के एमपीसीए क्रिकेट मैदान में मेजबान रीवा एवं इन्दौर की टीमों के बीच खेले जा रहा 4 दिवसीय मैच के अंतिम दिन बिना किसी परिणाम के 'ड्रा' के रूप में समाप्त हुआ। फाइनल में पहुंचने के लिये रीवा एवं इन्दौर दोनों ही टीमों को इस मैच में जीत दर्ज करनी आवश्यक थी पर अंतिम दिन का खेल खराब मौसम के कारण काफी प्रभावित हुआ तथा मैच लंच के 1 घंटे के बाद आरंभ हो सका। अंतिम दिन के खेल में मेजबान रीवा को जीत के लिये 347 रन बनाने थे वहीं इन्दौर को रीवा की दूसरी पारी के 10 विकेट लेने थे लेकिन लगभग 3 घंटे विलंब से शुरू हुये मैच में रीवा के बल्लेबाजों ने जोरदार खेल दिखाया जिसके कारण दूसरी पारी में रीवा ने 2 विकेट खोकर 149 रनों का स्कोर बनाया तथा इन्दौर की उम्मीदों पर तुषाराघात किया एवं मैच अनिर्णीत समाप्त हो गया। रीवा की दूसरी पारी में स्वाभिमान सिंह ने 69 रनों की नाबाद पारी खेली उनके अलावा कृष्णा वर्मा ने 38 रन बनाये। इस मैच के बेनतीजा समाप्त होते ही इन्दौर एवं रीवा दोनो ही टीमें फाइनल की रेस से बाहर हो गयी और चंबल एवं भोपाल की टीमों ने फाइनल में प्रवेश कर लिया है। इस प्रतियोगिता में खेले गये अपने सभी 4 मैचों में रीवा के खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाया व किसी मैच में रीवा पराजित नही हुयी बल्कि 1 मैच मे सागर के खिलाफ जीत दर्ज की तथा ग्वालियर एवं शहडोल के विरूद्ध पहली पारी में लीड लेकर ज्यादा अंक अर्जित किये। अतः अगर सेमीफाइनल मैच का प्रावधान होता तो रीवा की टीम उसमें पहुंच चुकी थी परंतु मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के द्वारा इस सत्र में सीधे श्रेष्ठ 2 टीमों के बीच फाइनल मैच का ही प्रावधान रखा गया है। पूरी प्रतियोगिता में रीवा के कोच नवीन तिवारी के कुशल मार्गदर्शन में टीम ने प्रभावशाली खेल दिखाया। स्वाभिमान सिंह, अस्तित्व त्रिपाठी, हर्षित यादव, कृष्णा वर्मा, राजशेखर द्विवेदी एवं ध्रुव पटेल जैसे खिलाड़ियों ने अपने खेल से चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है। मैच के समाप्त होने के पश्चात बीसीसीआई अंपायर इन्दौर की रीतिका बुले एवं स्टेट पैनल अंपायर राकेश त्रिपाठी के द्वारा शानदार बल्लेबाजी करने वाले इन्दौर अर्णव शारदा एवं सुदीप वर्मा को संयुक्त रूप से मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार प्रदान किया गया।

किशोर-किशोरियों को मिला आत्मरक्षा व बाल अधिकारों का प्रशिक्षण

5 दिवसीय सृजन कार्यक्रम का समापन

रीवा। मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय की सामुदायिक पुलिसिंग की अभिनव पहल सृजन कार्यक्रम के तहत अमहिया थाना परिसर में आयोजित 15 दिवसीय कराटे आत्मरक्षा प्रशिक्षण एवं बाल अधिकारों पर आधारित क्षमता वर्धन शिविर का भव्य समापन हुआ। शिविर का उद्देश्य किशोर एवं किशोरियों में आत्मविश्वास, अनुशासन तथा आत्मरक्षा की भावना को सुदृढ़ करना रहा। यह सृजन कार्यक्रम पूरे प्रदेश में डीआईजी कम्युनिटी पुलिसिंग विनीत कपूर के मार्गदर्शन में जिला पुलिस अधीक्षक एवं सामाजिक संगठनों के सहयोग से संचालित किया गया। रीवा जिले में इसका सफल संचालन पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह के निर्देशन में हुआ। कार्यक्रम के समन्वय में डीएसपी उदित मिश्र (नोडल अधिकारी), अजाक थाना प्रभारी निशा मिश्रा, सूबेदार दिलीप तिवारी, सूबेदार गीता तथा अमहिया थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सामाजिक संस्था अहिंसा वेलफेयर सोसायटी ने सक्रिय सहभागिता निभाई। संस्था की ओर से सुमित सिंह, चक्रपाणि मिश्र एवं आयुष अवस्थी ने समन्वय व सहयोग प्रदान किया। बच्चों को कराटे एवं आत्मरक्षा का प्रशिक्षण अनुभवी प्रशिक्षक तोषराम कनौजे द्वारा दिया गया, जिन्होंने व्यावहारिक तकनीकों का अभ्यास कराया। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि सीएसपी रितु उपाध्याय ने प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले बच्चों को प्रमाण पत्र वितरित किए तथा नियमित उपस्थिति एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को शील्ड देकर सम्मानित किया। 15 दिनों के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, साइबर व ट्रैफिक पुलिस, बाल श्रम विभाग सहित विभिन्न विशेषज्ञों ने बच्चों को जागरूक किया। कार्यक्रम का संचालन अहिंसा वेलफेयर सोसायटी के समन्वयक सुमित सिंह ने किया।

दवा विक्रेता संघ ने फहराया तिरंगा

रीवा। गणतंत्र दिवस के दिन दवा विक्रेता संघ द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इंदिरा मार्केट में अध्यक्ष तरुणेन्द्र सिंह द्वारा ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से एमपीसीडीए के जोनल सेक्रेटरी सतीश मिश्रा, अनिल श्रीवास्तव, पीयूष गुप्ता, विशाल नागपाल, शिवदास गुप्ता, मनोज जैन, अनवर खान, शैलेन्द्र पटेल सहित सैकड़ों केमिस्ट मौजूद रहे।

जमीनों को विवादित बनाकर हड़पने का मऊगंज में चल रहा बड़ा खेलः चोटीवाला

जागरण, रीवा। विधिवत आपसी बटवारे के बाद जिस भूमि की बिक्री होती है, नामान्तरण एवं बटांकन एवं नक्शा तरमीम हो जाता है, रिकार्ड दुरुस्त हो जाता है। चार पांच साल इस मामले में कोई आपत्ति या शिकायत नहीं होती। किन्तु उसी जमीन के करीब से जब सड़क स्वीकृत हो जाती है, जिला मुख्यालय के करीब हो जाती है तो उस जमीन को सुनियोजित षडयंत्र के साथ विवादित करने का प्रयास किया जाता है। जिन लोगों का उस जमीन में कोई अधिकार नही होता, कोई बैध दस्तावेज नहीं होते वे उसमें अबैध कब्जा करने का प्रयास करते हैं, किन्तु जब उनका यह प्रयास विफल कर दिय जाता हे तो सोशल मीडिया के माध्यम से भूस्वामियों को तरह-तरह से बदनाम करने की कोशिश की जाती है। इस तरह के आरोप पत्रकार वार्ता में किसान नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता विश्वनाथ चोटीवाला ने लगाये। उनके साथ सभी भूस्वामी भी मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि तहसील मऊगंज की ग्राम रकरी की आराजी क्रमांक 1206 रकवा 3.028 हे.की बिक्री वर्ष 2022 में मूल भूस्वामी हंसराज पाण्डेय, शांति पाण्डेय एवं सावित्री पाण्डेय ने विधिवत विक्री किया। इसके बाद भूमि का नामान्तरण हुआ, बटांकन दर्ज हुआ और रक्शा तरमीम करवाया गया। किन्तु भूमि की बिक्री एवं अभिलेख दुरूस्त होने तक कोई शिकायत या विवाद नहीं हुआ। कारण यह था कि हिस्साबांट में हंसराज वगैरह को जो भूमि दी गई थी वह बंजर एवं गैर उपजाऊ भूमि थी। किन्तु जब मऊगंज को जिला बनाया गया तो वहीं बंजर भूमि महत्वपूर्ण एवं उपयोगी दिखने लगी। यही कारण है कि बिक्री नामान्तरण एवं नक्शा तरमीम के चार पांच साल बाद अब उस भूमि को विवादित करने का प्रायस किया जा रहा हे। साजिसकर्ता रामभुआल पटेल, शशिकान्त पाण्डेय, नरेन्द्र पाण्डेय सहित अन्य कई लोग अब एकराय होकर साजिश रच रहे हैं। उस क्रयशुदा गैर विवादित भूमि पर अतिक्रमण एवं अवैध कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। जब उनकी कोशिश नाकाम हो जाती है तो फिर भूस्वामियों को बदनाम करने की कोशिश की जाती है।

अजित पवार के निधन पर भाजपा ने व्यक्त किया शोक

रीवा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री, अनुभवी एवं कर्तव्यवान नेता अजित पवार के आकस्मिक निधन से महाराष्ट्र ने एक दूरदर्शी, दृढ़ निश्चयी और जनहित के लिए सतत समर्पित रहने वाले नेता को खो दिया है। उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। विमान हादसे में हुई दुर्घटना पर उनके निधन पर उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला, सांसद जनार्दन मिश्रा, जिलाध्यक्ष भाजपा वीरेन्द्र गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, नगर निगम अध्यक्ष व्यंकटेश पाण्डेय, पार्टी के जिला पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने शोक व्यक्त करने वालों में प्रमुख रूप से जिला महामंत्री उमाशंकर पटेल, विवेक गौतम, जीवनलाल साकेत, जिला उपाध्यक्ष प्रबोध व्यास, मनीषा पाठक, अशोक सिंह गहरवार, शरद साहू, राजेश प्रताप सिंह, मनीषचन्द्र शुक्ला, संध्या कोल, जिला मंत्री कल्पना पटेल, रविराज विश्वकर्मा, प्राणेश ओझाा, गीता मांझी, बिजेन्द्र गौतम, सुमन शुक्ला, बाबूलाल यादव, वासुदेव ठारवानी, अलखनारायण केशरवानी, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी अनिल पटेल, पूर्व प्रदेश मंत्री राजेश पांडे, वरिष्ठ नेता महाबली गौतम, विमलेश मिश्रा, राम सिंह, रमेश गर्ग कमलेश्वर सिंह माया सिंह राजेंद्र त्रिपाठी, पूर्व विधायक पन्नाबाई प्रजापति, जिला उपाध्यक्ष महिला मोर्चा साधना गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि नगर निगम रमाशंकर गुप्ता, मंडल अध्यक्ष शिवम द्विवेदी, गौरव पांडे राजगोपाल मिश्रा चारी कल्पना श्रीवास्तव, साधना पटेल चंद्रशेखर तिवारी, अनिल श्रीवास्तव, गंगा यादव मुनिराज पटेल, अनिमेष द्विवेदी, प्रकाश श्रीवास्तव, कमल सोनी, नरेंद्र शर्मा, सत्य प्रकाश पांडे, पार्षद ज्योति सिंह, राकेश सिंह, बुद्धसेन नापित, राजकुमार जायसवाल, उर्मिला द्विवेदी, बालानन्द द्विवेदी, अंजू गुप्ता, पूनम मिश्र तरुणा वर्मा, जय प्रताप सिंह आदि ने शोक व्यक्त किया।

रामलखन शर्मा का निधन

रीवा। ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी रामलखन शर्मा का अरूण नगर स्थित आवास में मंगलवार रात्रि 11 बजे निधन हो गया। वो 93 वर्ष के थे। स्व. शर्मा एक माह से अस्वस्थ चल रहे थे। बुधवार को उनका अंतिम संस्कार थाना रायपुर कर्चुलियान अंतर्गत ग्राम पड़रा में किया गया। स्व. शर्मा के निधन पर उनके करीबियों ने शोक संवेदना व्यक्त की है एवं इस दुख की घड़ी में परिवार को शक्ति प्रदान करने ईश्वर से प्रार्थना की है। स्व. मिश्र अपने पीछे पुत्र रामजी शर्मा, गिरधारी लाल शर्मा सहित भरा पूरा परिवार छोड़कर पंचतत्व में विलीन हो गए।

उत्कृष्ट कार्य करने पर पटवारी सिद्धांत त्रिपाठी सम्मानित

जागरण, रीवा। तहसील हुजूर जिला रीवा को शासकीय कार्यों के संपादन में उत्कृष्ट कार्य करने के फलस्वरूप पटवारी सिद्धांत त्रिपाठी को प्रतिभा पाल आईएएस कलेक्टर रीवा के द्वारा गणतंत्रत दिवस के अवसर पर प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुये पहलाद पटेल प्रभारी मंत्री म.प्र.शासन के द्वारा एस.ए.एफ. ग्राउण्ड रीवा में गणतंत्र दिवस समारोह में प्रदान किया जाकर उनके उज्वल भविष्य की कामना की गई। इससे कर्मचारी कांग्रेस संगठन के समस्त पदाधिकारी एवं पूर्ण कर्मचारी जगत में अति हर्ष का वातावरण है।

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरूरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

कामिनी प्रजापति व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड त्योंथर जिला रीवा म.प्र.

व्यवहार वाद प्रकरण क्रमांक-MJCSUC8/2025
प्रोसेस नं.-16/2026
पेशी दिनांक-23.02.2026

पूनम सिंह पिता स्व. पवन कुमार सिंह पत्नी ध्रुव सिंह ग्राम/पोस्ट-कांकर थाना गढ़ तहसील त्योंथर जिला रीवा म.प्र. .....**आवेदक**

बनाम

प्रकम्पन्न सिंह पिता स्व. पवन कुमार सिंह निवासी ग्राम खटिया पोस्ट व थाना सोहागी तहसील त्योंथर जिला रीवा म.प्र. ....**अनावेदक**

विषय :- प्रतिवादीगण की उपस्थिति सुनिश्चित कराने के संबंध में।

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख किया जाता है कि इस न्यायालय में लंबित व्यवहारवाद प्रकरण क्रमांक-MJCSUC8/2025 पूनम सिंह पत्नी ध्रुव सिंह निवासी ग्राम पोस्ट कांकर जिला रीवा म.प्र. का प्रकरण आवेदक द्वारा इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जो विचाराधीन है। उक्त प्रकरण में अनावेदक क्रमांक-1 ता 7 की उपस्थिति हेतु प्रकाशनार्थ आवेदक क्रमांक MJC-SUC8/2026 पूनम सिंह पत्नी ध्रुव सिंह ग्राम कांकर जिला रीवा म.प्र. द्वारा न्यायालय श्रीमती कामिनी प्रजापति व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 1 वरिष्ठ खण्ड त्योंथर जिला रीवा म.प्र. में दावा वावत उत्तराधिकार प्रमाण पत्र हेतु आदेश 7 नियम 1 व्या.प्रा.सं. 1908 ई.के अंतर्गत हर आम व खास के विरुद्ध व्यवहार पेशी किया गया है। जिसकी सुनवाई दिनांक 23.02.2026 नियत किया गया है।

अतः उक्त प्रकरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह व्यक्ति स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से जिस किसी को मामले के बारे में जानकारी हो न्यायालय में सुबह 11 बजे से उपस्थित होकर अपनी प्रतिरक्षा करें। यदि दिनांक 23.02.2026 को हर आम व खास की ओर से उपस्थित नहीं है तो अनावेदकगण की अनुपस्थिति में प्रकरण की सुनवाई पूर्ण की जावेगी।

न्यायालय की पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से प्रकाशनार्थ प्रेषित किया जा रहा है।

नोटः यदि किसी कारण से नियत तिथि 23.02.2026 को शासकीय अवकाश घोषित हो जाता है तो इस स्थिति में कार्यदिवस में सुनवाई की जावेगी।

कामिनी प्रजापति
व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड
RN-83731 त्योंथर जिला रीवा म.प्र.

डायरेक्टर-अम्ब्रीश उपाध्याय
मोबा. 7021777625, 9987606771
राम श्याम वर वधु केन्द्र
हमारे यहाँ सभी प्रकार के रिश्ते कराये जाते हैं-तलाकसुदा, विधुर, सर्विसमेन, बिजनेसमेन, गर्वमेन्ट, एम्प्लायी, मांगलिक, नॉन मांगलिक, कुण्डली मिला के करवाये जाते हैं। पता-वार्ड नं. 4, निर्मल नगर के सामने, मंगलम् मैरिज गार्डन के बगल में चोरहटा रीवा (म.प्र.) 486006 RN-83161(28/2)

आवश्यकता है
कम्प्यूटर ऑपरेटर कर्मचारी/हेल्पर की आवश्यकता है।
8770231515 पर सम्पर्क करें। RN-83159(30/1)

लोन
लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क - 8962086944

पंजीयन अभियान 15 मार्च तक

रीवा। जिले में प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना में पात्र मजदूरों का पंजीयन कराने के लिए दो चरणों में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस संबंध में जिला श्रम पदाधिकारी प्रिया अग्रवाल ने बताया कि प्रथम चरण में जिले के शहरी क्षेत्र में 15 जनवरी से 15 फरवरी तक तथा दूसरे चरण में ग्रामीण क्षेत्र में 15 फरवरी से 15 मार्च तक अभियान चलाया जा रहा है।

स्व. रामानंद सिंह निडर, स्वाभिमानी व अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने वाले व्यक्ति थेः उप मुख्यमंत्री

जागरण, रीवा। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि स्व. रामानंद सिंह निडर, स्वाभिमानी व्यक्ति थे उन्होंने गरीबों, शोषितों तथा पीड़ित मानवता की सेवा में अपना बलिदान दिया। वह हमेशा दूसरों के लिये जीते थे। उप मुख्यमंत्री शुक्ल स्व. रामानंद सिंह की 46वीं पुण्य तिथि पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। रीवा शहर के बरा बगीचे में आयोजित पुण्य तिथि समारोह में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. रामानंद सिंह ईमानदारी से कार्य करने के लिये याद रखे जायेंगे। उन्होंने कम उम्र में गरीबों की आवाज बनकर समाज में अपना स्थान बनाया था। उनकी असमय मृत्यु ने सभी को झकझोर कर रख दिया था। उनकी स्मृति में यह आयोजन समाज को जागरूक करने के लिये है जिसमें सभी को यह संकल्प लेना होगा कि चाहे वह किसी भी समुदाय, दल या वर्ग से हो, शुचिता की राजनीति कर देश हित में कार्य करें। शुक्ल ने कहा कि आने वाली पीढ़ी को ध्यान में रखकर ही विकास हो रहा है। उप मुख्यमंत्री ने क्रांतिकारी युवा परिषद द्वारा आयोजित कार्यक्रम की प्रशंसा की तथा स्व. रामानंद जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए अपेक्षा की कि यह आयोजन प्रतिवर्ष होगा। श्री शुक्ल ने आश्वस्त किया कि सिरमौर चौराह में भावनाओं के अनुकूल स्व. रामानंद जी की चिर स्मृति को सहेजने का कार्य होगा। कार्यक्रम में पूर्व सांसद बुद्धसेन पटेल, पूर्व विधायक रामलखन सिंह, राम सिंह, माया सिंह, विद्यावती पटेल पूर्व विधायक, पार्षद ज्योति सिंह, रोहणी प्रताप सिंह, कल्पना पटेल, विभा सिंह ने अपने उद्बोधन में स्व. रामानंद सिंह का पुण्य स्मरण किया। इस दौरान पूर्व सांसद राजमणि पटेल, रश्मि सिंह, अशोक पटेल, शेषमणि पटेल, राजेन्द्र पटेल, पुष्पेन्द्र सिंह, सुनील सिंह, प्रदीप गौतम सुमन सहित बड़ी संख्या में संभाग से आये प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन दीपक सिंह व बैजनाथ सिंह बैजू ने किया।

(आशुतोष प्रताप सिंह) द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड त्योंथर, जिला रीवा (म.प्र.)

व्यवहार वाद प्रकरण क्रमांक RCSA-176/2025
पेशी दिनांक 26.02.2026

सुरेन्द्र प्रसाद गौतम पिता हरवंशराम गौतम उम्र 50 वर्ष निवासी ग्राम मलपार पो. अंजोरा, थाना सोहागी, तहसील त्योंथर जिला रीवा (म.प्र.) .... वादीगण/आवेदकगण

बनाम

अम्बीका देवी बेवा स्व. वाल्मीक प्रसाद ग्राम मलपार थाना सोहागी तह. त्योंथर जिला - रीवा म.प्र. (मृतक) .... प्रतिवादीगण/अनावेदकगण

विषयः प्रतिवादीगण की उपस्थिति सुनिश्चित कराने के संबंध में प्रकाशन।

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख किया जाता है कि इस न्यायालय में लंबित व्यवहार वाद प्रकरण क्रमांक RCSA-176/25 सुरेन्द्र गौतम पिता हरवंशराम ग्राम मलपार पोस्ट अंजोरा का प्रकरण आवेदक द्वारा इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है, जो विचाराधीन है। उक्त प्रकरण में अनावेदक क्रमांक 02 की उपस्थित हेतु प्रकाशनार्थ आवेदक क्रमांक RCSA-176/25 सुरेन्द्र गौतम पिता हरवंशराम गौतम ग्राम मलपार पो. अंजोरा थाना सोहागी जिला -रीवा म.प्र. द्वारा न्यायालय श्रीमान् आशुतोष प्रताप सिंह द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 2 त्योंथर जिला रीवा म.प्र. में दावा बावत उत्तराधिकार प्रमाण पत्र हेतु आदेश-7, नियम-1 व्य.प्र.सं. 1908 ई.के अंतर्गत हर आम व खास के विरुद्ध व्यवहार पेश किया गया है। जिसकी सुनवाई दिनांक 26.02.2025 नियत किया गया है। अतः उक्त प्रकरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह व्यक्ति स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से जिस किसी को मामले के बारे में जानकारी हो, न्यायालय में सुबह 11.00 बजे दिन उपस्थित होकर अपनी प्रतिरक्षा करें। यदि दिनांक 26.02.2026 को हर आम व खास की ओर से उपस्थिति नहीं होती है तो अनावेदकगण की अनुपस्थिति में प्रकरण में सुनवाई पूर्ण की जावेगी। नोटः- यदि किसी कारण से नियत पेशी दिनांक 26.02.2026 को शासकीय अवकाश घोषित हो जाता है, तो इस स्थिति में कार्य दिवस में सुनवाई की जायेगी।

न्यायालय की पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से प्रकाशनार्थ प्रेषित किया जा रहा है।

आशुतोष प्रताप सिंह
द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश
कनिष्ठ खण्ड
RN- 83163 त्योंथर जिला रीवा म.प्र.

न्यायालय- व्यवहार न्यायालय वर्ग-2 कनिष्ठ खण्ड त्योंथर, जिला रीवा (म.प्र.)

प्रोसेस नम्बर -56/26
व्यवहार वाद प्रकरण क्रमांक RCSA/79/2024
पेशी दिनांक 09.02.2026

श्रीमती रीता देवी पति उमेश कुमार तिवारी उम्र 45 वर्ष निवासी ग्राम बराह, पो. कोनियाकला तह. जवा जिला रीवा (म.प्र.) .... वादीगण/आवेदकगण

बनाम

1- जोखू प्रजापति पिता सुखई प्रजापति उम्र 56 वर्ष निवासी ग्राम बराह पो. कोनियाकला तह. जवा, जिला रीवा म.प्र. 2- म.प्र. शासन द्वारा कलेक्टर रीवा जिला रीवा (म.प्र.) .... प्रतिवादीगण/अनावेदकगण

विषयः प्रतिवादीगण की उपस्थिति सुनिश्चित कराने के संबंध में

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख किया जाता है कि इस न्यायालय में लंबित व्यवहार वाद प्रकरण क्रमांक RCSA 79/2024 श्रीमती रीता देवी पति उमेश तिवारी ग्राम बराह तह. जवा का प्रकरण आवेदक द्वारा इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है, जो विचाराधीन है। उक्त प्रकरण में अनावेदक क्रमांक 1 व 2 की उपस्थिति हेतु प्रकाशनार्थ आवेदक क्रमांक RCSA 79/2024 श्रीमती रीता देवी पति उमेश तिवारी उम्र 45 वर्ष ग्राम बराह पो. कोनियाकला तह. जवा जिला-रीवा (म.प्र.) द्वारा न्यायालय श्रीमान मोहिनी भदौरिया व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2 कनिष्ठ त्योंथर जिला रीवा म.प्र. में दावा बावत उत्तराधिकार प्रमाण पत्र हेतु आदेश-7, नियम-1 व्य.प्र.सं. 1908 ई.के अंतर्गत जोखू प्रजापति के विरुद्ध व्यवहार पेश किया गया है। जिसकी सुनवाई दिनांक 09.02.2026 नियत किया गया है। अतः उक्त प्रकरण में अनावेदक /प्रतिवादी जोखू प्रजापति पिता सुखई प्रजापति ग्राम बरा पो. कोनियाकला तह. जवा जिला रीवा म.प्र. एवं कलेक्टर जिला रीवा वांछित हैं एवं जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह व्यक्ति स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से जिस किसी को मामले के बारे में जानकारी हो, न्यायालय में सुबह 11.00 बजे दिन उपस्थित होकर अपनी प्रतिरक्षा करें। यदि दिनांक 09.02.2026 को हर आम व खास की ओर से उपस्थिति नहीं होती है तो अनावेदकगण की अनुपस्थिति में प्रकरण में सुनवाई पूर्ण की जावेगी।

नोटः- यदि किसी कारण से नियत पेशी दिनांक 09.02.2026 को शासकीय अवकाश घोषित हो जाता है, तो इस स्थिति में कार्य दिवस में सुनवाई की जायेगी।

न्यायालय की पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से प्रकाशनार्थ प्रेषित किया जा रहा है।

(मोहिनी भदौरिया)
व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2
कनिष्ठ खण्ड त्योंथर,
RN- 83729 जिला रीवा म.प्र.

निष्क्रिय 27 मैत्रियों से गौसेवा किट ली गई वापस

रीवा। पशुपालन विभाग द्वारा भारत सरकार की राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना के तहत युवाओं को गौसेवा और उपचार का प्रशिक्षण दिया गया। इन्हें तीन माह के प्रशिक्षण के बाद 50 हजार रुपए की कृत्रिम गर्भाधान किट, ट्रेविस तथा लिक्विड नाइट्रोजन कैरियर दिया गया। इन्हें मैत्री के रूप में कार्य करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में तैनात किया गया। कार्य में रूचि न लेने वाले 27 प्रशिक्षित मैत्री का शासन के साथ स्थापित अनुबंध समाप्त कर दिया गया है। इनके प्रशिक्षण प्रमाण पत्र निरस्त करके निःशुल्क दी गई किट वापस ले ली गई है। इनके स्थान पर अन्य व्यक्तियों को प्रशिक्षण देकर मैत्री के रूप में तैनात किया जाएगा।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन) लोक निर्माण विभाग, सम्राट चौक, सिविल लाईंस, सीधी (म.प्र.)

PHONE No. 07822-297539 E-mail:-piusidhi@gmail.com

एन.आई.टी. नं.-02/2026/केन्द्रीय निविदा आमंत्रण/सी.ई/पी.डब्ल्यू.डी./भवन/161 रीवा, दिनांक 16.01.2026

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है:-

स. क्र.	पोर्टल टेण्डर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पी.ए.सी.) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ई.एम.डी.) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	90 प्रतिशत अविवादित भूमि प्राप्त एवं एमओयू निष्पादित
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2025_PWPIU_448973_1	जिला-सीधी (म.प्र.) में सामाजिक न्याय विभाग अन्तर्गत वृद्धा आश्रम, में बाउण्ड्रीवॉल, गार्ड रूम एवं आंतरिक सड़क का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)	सीधी	85.65	85650.00	10000	06 माह	हां

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन-लाईन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑन-लाईन दिनांक 20-01-2026 समय 10:00 से दिनांक 03-02-2026 समय 18:00 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाईट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री (भवन)
G-25013/25 लोक निर्माण विभाग, सीधी

कार्यालय, कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. वि./यां. संभाग रीवा

क्रमांक/10455/कार्य/निविदा/2025-26 रीवा, दिनांक 16/01/2026
निविदा क्र. D-50/2025-26 रीवा, दिनांक 16/01/2026

निविदा आमंत्रण-सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑन-लाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसका विवरण www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है। आमंत्रित निविदा का संक्षिप्त विवरण।

क्र.	टेण्डर आई.डी. क्रमांक	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य की अनुमानित राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	अमानती राशि
1	2026_PWDRB_477149_1	जिला-रीवा में कुशाभाऊ ठाकरे जिला अस्पताल रीवा में 33 के.व्ही. सब स्टेशन एवं डी.जी. सेट (बिना मटेरियल) के आपरेशन एवं मेंटिनेंस के आंतरिक विद्युतीकरण का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	एक साल	'अ' श्रेणी या उच्च विद्युत ठेकेदार	1669532.00	2000.00	33391.00

निविदा फार्म online भुगतान कर 03/02/2026 को शाम 5:30 तक क्रय किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य विस्तृत जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है। जिसे अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में कार्यालयीन समय पर देखी जा सकती है। किसी भी प्रकार का संसोधन समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा केवल वेबसाइट पर अपलोड किया जायेगा। निविदा दिनांक 05/02/2026 को खोली जावेगी।

(इंजी. आर.पी. सिंह)
कार्यपालन यंत्री
G-25009/25 लोक निर्माण विभाग (वि./यॉ.) संभाग रीवा (म.प्र.)

CHANGE OF NAME

I, Smt. Kaushiliya Devi Spouse of Late Ram Pratap Ex-Sep No 6465826 Resident of ward no 12 Village Kota Post Hardua Tehsil-Semariya, Distt – Rewa (M.P) state that my name has been mentioned as Smt.Kaushiliya Devi in the Army records, which is incorrect. My correct name is Kaushilya Singh. Now my name write read and known as Kaushilya Singh.

RN-83318 **Kaushilya Singh.**

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक / कार्य / झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

ई-निविदा सूचना संख्याः झाँसी-इन्जी0-ई-2026-14

कार्य का नामः पार्ट 'ए' झाँसी डिवीज़न : कंस्ट्रक्शन ऑफ आरपीएफ बैरक फॉर मेल ऑफ़ 20 बेडेड कैपेसिटी एंड फॉर फीमेल फॉर 10 बेड कैपेसिटी अलोंग विथ मेस,टॉयलेट, बाथरूम ईटीसी फॉर आरपीएफ/आरपीएसएफ स्टाफ एट चित्रकूट धाम कर्वी।

पार्ट 'बी' सिविल इंजीनियरिंग वर्क फॉर प्रोविजन ऑफ इंटरलॉकिंग ऑफ़ एलसी गेटस नंबर 377,382 एंड 473 हैविंग टीवीयू ग्रेटर देन 20000 ऑफ़ झाँसी डिवीजन अंडर सीनियर डीईएन/ईस्ट सेक्शन जूरिडिक्शन।

अनुमानित लागत रू.: 31951862.03 **अमानत राशिः** 309800.00

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 12 माह

निविदा बन्द होने की तिथि : 20.02.2026 at 15:00 hrs. • निविदा दिनांक 20.02.2026 को 15:00 बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें। 199/26(D)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, पुलिस लाइन रीवा (म.प्र.)
मो. नं. : 9425601511/9340714903

प्रेस-विज्ञप्ति

संभाग रीवा के अंतर्गत जिला शहडोल, मैहर एवं पन्ना में विभिन्न निर्माण कार्यों हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 25/2025-26 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक MPPHCL/TENDER No. 2026_MPPHC_478680, 478681 & 478682_1 आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा प्रपत्र दिनांक 16.02.2026 समय 17:00 बजे तक ऑनलाइन खरीदे एवं प्रस्तुत किये जा सकते हैं एवं निविदा सूचना व अन्य विवरण **Portal : http://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/124182/2026 **परियोजना यंत्री**

पश्चिम मध्य रेल

वाणिज्य विभाग जबलपुर मंडल
No: JBP/C/NFR/E-Tender/25, Date 23.01.2026

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पश्चिम मध्य रेल जबलपुर, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित हेतु निर्धारित ई-बोली आमंत्रित करता है।, **क्रम सं.-1, श्रेणी**-डीआरएम कार्यालय परिसर में डिजिटल बैंकिंग इकाई एवं एटीएम इकाइयाँ, **टेंडर सूचना संख्या एवं दिनांक**- DBU-JBP-JBP-Gen-22-26-1, **परिसंपत्ति / कार्य का विवरण**- "जबलपुर स्थित मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) कार्यालय परिसर में स्वचालित टेलर मशीनों (एटीएम) एवं डिजिटल बैंकिंग इकाइयों (डीबीयू) की व्यवस्था, **लॉट समाप्ति तिथि एवं समय**-29/01/2026, 15:30, **क्रम सं.-2, श्रेणी**-BRGW, BEHR, BRRB, DRGM, GBGG, GWCB, SGAM, MZH पर खुले / आवृत वेगनों की सफाई हेतु निविदा, **टेंडर सूचना संख्या एवं दिनांक**-MSS-JBP-BRGW-BOXNWC-114-26-1, **परिसंपत्ति / कार्य का विवरण**- जबलपुर मंडल में लोडिंग अनलोडिंग बिंदुओं, गुड्स शेड / रेलवे साइडिंग क्षेत्रों पर सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था सहित खुले अथवा आवृत वैगनों, गुड्स शेड एवं लोडिंग / अनलोडिंग ट्रैकों की सफाई तथा सफाई उपरांत प्राप्त अवशेष सामग्री का उचित निपटान हेतु निविदा, **लॉट समाप्ति तिथि एवं समय**- 05/02/2026, 15:30:00, **क्रम सं.-3, श्रेणी**- BGTA, BRGT, DDCE, JKE, KHBJ, KMA, NNV, MEGN, BGWR पर खुले / आवृत वेगनों की सफाई हेतु निविदा, **टेंडर सूचना संख्याएवं दिनांक**- MSS-JBP-BGWR-BOXNWC-115-26-1, **परिसंपत्ति / कार्य का विवरण**- लोडिंग / अनलोडिंग बिंदुओं, गुड्स शेड / रेलवे साइडिंग क्षेत्रों पर सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था सहित खुले अथवा आवृत वैगनों, गुड्स शेड एवं ट्रैकों की सफाई तथा अवशेष सामग्री का उचित निपटान हेतु निविदा, **लॉट समाप्ति तिथि एवं समय**- 05/02/2026, 15:40:00, **क्रम सं.- 4, श्रेणी**- DMO, GAR, GSPR, KEQ, LDA, MYR, NU, PPI, REWA, STA पर खुले / आवृत वेगनों की सफाई हेतु निविदा, **टेंडर सूचना संख्या एवं दिनांक**- MSS-JBP-GSPR-BOXNWC-116-26-1, **परिसंपत्ति / कार्य का विवरण**- खुले अथवा आवृत वैगनों की सफाई, सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था सहित, तथा सफाई के पश्चात प्राप्त अवशेष सामग्री का उचित निपटान हेतु निविदा, **लॉट समाप्ति तिथि एवं समय**- 05/02/2026, 15:50:00, संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर उपलब्ध ई-टेंडर लीजिंग मॉड्यूल का अवलोकन करें। लॉट-वार विवरण उपर्युक्त कैटलॉग संख्या के अंतर्गत उपलब्ध है। ई-टेंडर से संबंधित जानकारी मंडलीय रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पचिम मध्य रेलवे, जबलपुर के सूचना पटल पर भी उपलब्ध है।

(हस्ता.)
सहायक वाणिज्य प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय नगर परिषद सेमरिया, जिला-रीवा (म.प्र.)

-:: दावा आपत्ति सूचना ::- सेमरिया, दिनांक 28.01.2026

क्रमांक 107 पट्टा/न.परि. / 2026 म.प्र.शासन नगरीय विकास एवं आवास विभाग मंत्रालय बल्लभ भवन भोपाल तथा राजस्व विभाग मंत्रालय बल्लभ भवन भोपाल के पत्र क्रमांक 4209/2025/18-3 भोपाल दिनांक 17/11/2025 के अनुसार प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 अंतर्गत बी.एल.सी घटक के पात्र हितग्राहियों को पात्रता / मापदंण्ड अनुसार शासन द्वारा प्रदाय लक्ष्य पूर्ति करने हेतु म.प्र.क्षेत्रों के भूमिहीन व्यक्ति / (पट्टाधृति अधिकारों का प्रदान किया जाना) अधिनियम 1984 के अंतर्गत आवासीय भूमि के पट्टे हेतु सर्वे राजस्व तहसील सेमरिया एवं नगर परिषद की संयुक्त टीम द्वारा कराया गया है। उक्त पात्रता सूची में दावा/आपत्ति जारी सूचना से 07 दिवस तक कार्यालयीन समय में निकाय के राजस्व शाखा / प्रधानमंत्री आवास शाखा एवं कार्यालय के सूचना पटल में अवलोकन किया जा सकता है। सूची के संबंध में यदि कोई दावा/आपत्ति हो तो नियत तिथि तक प्रस्तुत किया जा सकता है। नियत तिथि के पश्चात दावा/आपत्ति मान्य नही होगे।

भूमिहीन व्यक्ति (पट्टाधृति अधिकारों का प्रदान किया जाना) सूची

क्र.	नाम	पिता/पति का नाम	वार्ड	रकवा	रिमार्क
1	श्रीमती सुनीता कुशवाहा	विनीत कुशवाहा	7	20/14	निकाय के कर पंजी वर्ष 2019-20 में दर्ज है
2	श्री शंकर कुशवाहा	पराग कुशवाहा	7	18/15	निकाय के कर पंजी वर्ष 2019-20 में दर्ज है
3	श्री केमली वासदेव	समयपाल वासदेव	8	13/20	निकाय के कर पंजी वर्ष 2019-20 में दर्ज है
4	श्री राकेश सोनी	सुखलाल सोनी	8	14/18	निकाय के कर पंजी वर्ष 2019-20 में दर्ज है
5	श्रीमती सावित्री शर्मा	सौखी लाल शर्मा	11	20/14	निकाय के कर पंजी वर्ष 2019-20 में दर्ज है
6	श्री मिठ्दू लाल कोल	ददुवा कोल	12	20/15	निकाय के कर पंजी वर्ष 2019-20 में दर्ज है
7	श्रीमती रंजना सिंह	राकेश सिंह	14	14/18	निकाय के कर पंजी वर्ष 2019-20 में दर्ज है
8	श्री जयलाल साकेत	गणेश साकेत	15	20/14	निकाय के कर पंजी वर्ष 2019-20 में दर्ज है

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद सेमरिया
जिला – रीवा (म.प्र.)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड सिंगरौली (म.प्र.)

पता-विजय बंधुपेट्रोलपम्प के पास, Email-eephedsin@gmail.com Phone :-07805-299483
नि.आ.सू.क्रं 156/व.ले.लि./का.यं./लो.स्वा.या./खण्ड/सिंगरौली/2026 दिनांक 23.01.2026

तृतीय निविदा आमंत्रण सूचना

निम्न कार्यों हेत निविदा का आन लाईन वेबसाइट http://www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की गई है। आन लाइन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 02.02.2026 सायं 17:30 बजे तथा निविदा खुलने की तिथि 03.02.2026 साय 17:30 बजे है। निविदा मे संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाईटपर देखी जा सकती है।

Name of Work:-Piped Water Supply Scheme with RCC Over Head Tank under Jal Jeevan Mission (JJM) at Village-Charki, Bhaisahud, Dauadol & Naya Tola, Sub Division-Deosar Distt-Singrauli (M.P.)

S. No	NIT No.	Tender ID	Name of Village/Block	PAC (Rs. In Lakhs)	e-EMD in Rs.	Cost of Tender in Rs.	No. of Calls
1	156/2025-26	2026_PHED_477804_1	Charki, Bhaisahud, Dauadol & Naya Tola in Deosar	73.72	73720.00	10000.00	3rd

कार्यपालन यंत्री
लोकस्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
G-24978/25 सिंगरौली (म.प्र.)

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला रीवा (म.प्र.)

E-mail:- modgmrew.@mp.gov.in

पत्र क्रमांक/117/खनिज/2026 रीवा, दिनांक 23/01/2026

(म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18 (1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति प्राप्त करने के लिए)

प्रथम सूचना

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक रीवांचल सिलिका उद्योग पार्ट. विवेक कुमार गुप्ता द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 22-01-2026 को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक 27-02-2026 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्ट/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति आवेदन पत्र ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन ई-खनिज पोर्टल http://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकवा (हेक्टेयर में)	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
रीवा	त्योंथर	खम्ठरा खुर्द	15	3.674 हे. में से 3.000 हे.	शासकीय	एमसेण्ड उत्खनिपट्टा	
			कुल रकवा				

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

उप संचालक
(खनिज प्रशासन)
G-24992/25 जिला रीवा, (म.प्र.)

संक्षिप्त खबरें

किसानों को आज दी जाएगी भावांतर राशि

विसं, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 29 जनवरी को मंदसौर जिले के मल्हारगढ़ में आयोजित सोयाबीन भावांतर राशि भुगतान के कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री कार्यक्रम में चौथी किस्त के रूप में प्रदेश के एक लाख 17 हजार किसानों को लगभग 200 करोड़ की भावांतर राशि का भुगतान करेंगे। यह राशि उन किसानों को भुगतान की जाएगी, जिन्होंने 20 दिसंबर 2025 से योजना समाप्ति तक सोयाबीन का विक्रय किया है। अब तक प्रदेश के कुल 7 लाख 10 हजार किसानों को 1492 करोड़ रुपए की भावांतर राशि का भुगतान किया जा चुका है।

संस्कृत विवि में होगी राज्य स्तरीय स्पर्धा

जागरण, भोपाल। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में गुरुवार और शुक्रवार को मप्र और छग के छात्र-छात्राओं के लिए राज्य स्तरीय शास्त्रीय स्पर्धाओं का आयोजन किया जा रहा है। जैसा कि सर्वविदित है कि संस्कृत शास्त्रों पर आधारित इन स्पर्धाओं का आयोजन राज्यों की विभिन्न संस्थाओं में किया जाता है, जिनमें कंठ पाठ, श्लोक गायन, शलाका आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। अपनी-अपनी संस्थाओं में विजयी छात्र इन राज्य स्तरीय स्पर्धाओं में भाग लेते हैं तथा उक्त राज्य स्तरीय स्पर्धाओं में विजयी छात्र अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धाओं में भाग लेते हैं।

किसानों ने लिया मात्र 5 रुपये में विद्युत कनेक्शन

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी अपने कार्यक्षेत्र में ग्रामीण एवं कृषि उपभोक्ताओं को अब मात्र 5 रुपये में स्थायी घरेलू एवं कृषि पंप कनेक्शन उपलब्ध करा रही है। दिसंबर 2024 से यह योजना शुरू हुई है तब से अब तक इस योजना का लाभ 01 लाख 57 हजार 359 ग्रामीण कृषकों को मिल चुका है। इनमें से 58 हजार 711 घरेलू तथा 98 हजार 648 कृषि पंप कनेक्शन शामिल हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि घरेलू तथा कृषि पम्पों के कनेक्शनों की संख्या बढ़ाए जाने हेतु ऐसे कृषक जो विद्युत की उपलब्ध लाइन के समीप स्थित हैं उनको सुविधानुसार आसानी से स्थाई कृषि पंप कनेक्शन दिया जा रहा है। नवीन घरेलू एवं कृषि पंप के लिए स्थायी विद्युत कनेक्शन का आवेदन सरल संयोजन पोर्टल के माध्यम से किया जा सकता है। इसके लिए portal.mpcz.in पर मांगी गई जानकारी देनी होती है। अधिक जानकारी के लिए कंपनी के टोल फ्री नंबर 1912 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

विवि वेबसाइट पर अपलोड करेंगे पीएचडी का कैलेंडर

जागरण, भोपाल। राज्य के सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में प्रशासनिक दक्षता और शैक्षणिक गुणवत्ता को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से बुधवार को एमपीटी पलाश रेसीडेंसी के सभागार में मप्र विश्वविद्यालय समन्वय समिति की बैठक के लिए स्थायी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उच्च, तकनीकी शिक्षा और आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने सभी कुलगुरुओं से विस्तार से चर्चा की। मंत्री ने विवि को प्रशासनिक पारदर्शिता, समयबद्ध निर्णय प्रक्रिया और विद्यार्थी केंद्रित शैक्षणिक वातावरण विकसित करने पर बल दिया। मंत्री परमार ने कहा कि विवि का मुख्य लक्ष्य, विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होना चाहिए और इसी दृष्टि से सभी शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियां संचालित की जानी चाहिए। बैठक में अनुशंसा की गई कि सभी विवि को पी-एचडी कैलेंडर वेबसाइट पर अपलोड करना होंगे। स्वयं पोर्टल पर अधिक से अधिक विद्यार्थियों का पंजीयन करने पर विशेष जोर दिया गया।

प्रदेश में ओला-बारिश की आड़ में दलों ने शुरू की राजनीति

कांग्रेस ने जल्द मुआवजा देने को कहा तो भाजपा बोली-विपक्ष ने हमेशा किसानों की अनदेखी की, इधर सरकार ने लिया एक्शन

जागरण, भोपाल। राजनेता अब आफत (संकट) में भी राजनीति करने लगे हैं। पिछले दिनों राज्य में ओला और बेमौसम बरसात से खराब हुई फसलों को लेकर दलों ने अपने आपको सबसे बड़ा किसान हितैषी बताने के लिए प्रतिदंद्धी दलों पर आरोप लगाने शुरू कर दिए हैं। कांग्रेस ने जहां मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर प्रभावित किसानों को जल्द मुआवजा देने की मांग की है, तो वहीं सरकार के राजस्व मंत्री ने कांग्रेस पर किसानों को कभी भी मुआवजा नहीं देने का आरोप लगा दिया है। गौरतलब है कि बीते मंगलवार को प्रदेश के डेढ़ दर्जन से अधिक जिलों में ओला और बेमौसम बरसात हुई है, जिसमें कई जिलों में फसलें प्रभावित हुई हैं। इसे लेकर कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखा है, जिसमें प्रभावित किसानों को खराब फसलों का आंकलन कराकर उन्हें जल्द मुआवजा दिलाने का आग्रह किया गया है, तो सरकार के राजस्व

मंत्री करण सिंह वर्मा ने इस मामले पर कांग्रेस को ही कटघरे में खड़ा कर दिया है। उनका कहना है कि कांग्रेस के शासनकाल में किसानों को कभी भी संकट के दौरान सरकार मदद नहीं देती थी, न तो किसानों को उनकी नुकसानी के आधार पर मुआवजा ही मिलता था और न ही किसानों की सुनवाई ही की जाती थी। जानकारों की मानें तो भोपाल के अलावा इंदौर,, उज्जैन, जबलपुर, उज्जैन और ग्वालियर संभाग के कई जिलों में बारिश और ओवावृष्टि से किसानों की खड़ी फसलें प्रभावित हुई हैं। बताया गया है कि इनमें से कुछ जिलों में तेज हवा के साथ बारिश हुई, तो कुछ जिलों में ओलावृष्टि की वजह से फसलें प्रभावित हुई हैं।

ये बोले नेता

कांग्रेस के शासन में किसानों की हुई अनदेखी : वर्मा

सरकार के राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि जब उनके दल की सरकार मध्यप्रदेश में थी, तब किसानों को कभी मुआवजा नहीं दिया। भाजपा सरकार किसानों की हितैषी रही है। समय पर सहायता राशि एवं बीमा का लाभ पहुंचा रही है। सरकार ने ऐसी व्यवस्था बना दी है कि मुआवजा और बीमा राशि सीधे किसानों के खातों में हस्तांतरित की जा रही है। उन्होंने कांग्रेस के आरोपों को चुनौती देते हुए कहा कि उन पर कोई 100 रुपए लेने का आरोप भी साबित नहीं कर सकता।

प्राकृतिक आपदा से जूझ रहा है किसान: पटवारी

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है, जिसमें ओलावृष्टि से खराब फसल के एवज में किसानों को मुआवजा देने का आग्रह किया है। उन्होंने पत्र में लिखा कि प्रदेश भर से प्राप्त जानकारी और किसानों से सीधे संवाद के आधार पर स्पष्ट है कि गेहूं, चना, मसूर और सरसों जैसी फसलों को नुकसान पहुंचा है, जबकि कई खेतों में कटाई के लिए कुछ ही सप्ताह बाकी थे, लेकिन अब किसानों के सामने फसल बर्बाद होने का संकट खड़ा हो गया है, पहले कर्ज महंगे बीज-खाद और सिंचाई की लागत से जूझ रहे किसानों को अब इस प्राकृतिक आपदा से जूझना पड़ रहा है।

अरुण यादव ने मांगा पर्याप्त मुआवजा

पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरुण यादव ने ओलावृष्टि से खराब हुई फसलों से प्रभावित किसानों को पर्याप्त मुआवजा देने की मांग की है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि खरगोन, आगर-मालवा, गुना और उज्जैन सहित अन्य जिलों में ओलावृष्टि व वेमौसम बारिश से किसानों की फसलें बर्बाद हो गई। किसान की मेहनत उम्मीद सब कुछ मिट्टी में मिल गई। सरकार से मांग है कि तत्काल सर्वे कराकर किसानों को पर्याप्त मुआवजा दिया जाए।

फसलों को हुई क्षति का किया जाए आंकलन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने असमय वर्षा से फसलों को हुई क्षति का आंकलन के निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार किसानों के साथ खड़ी है। हर जिले में प्रशासन असमय वर्षा, मावठे के प्रति सतर्क रहे। जिला प्रशासन किसानों को असमय वर्षा से होने वाली क्षति से बचाने का प्रयास करे। डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में मौसम की विपरीत परिस्थियों और असमय वर्षा की स्थिति में राज्य किसान भाइयों के साथ खड़ी है। प्रदेश में मावठा से फसलों को हुए नुकसान के सर्वे के लिए जिला प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं।

व्यावसायिक गतिविधियों का केंद्र बनेंगे वेयरहाउस

एक दिवसीय कार्यशाला में विभागीय मंत्री ने दिए संकेत, राज्यभर के वेयर हाउस संचालक रहे मौजूद

जागरण, भोपाल। मप्र के वेयरहाउस बहुआयामी व्यावसायिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित किए जा सकते हैं। ऐसे में इन गोदामों में व्यवसायिक संस्थानों की सामग्रियों का भी भंडारन हो सकेगा। ये संकेत बुधवार को खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने भोपाल में आयोजित कार्यशाला में दिए। उन्होंने कहा कि संचालकों को इस दिशा में सोचना होगा। प्रशासन अकादमी में वेयर हाउस की आय वृद्धि के अन्य व्यावसायिक उपयोग के विषय पर आयोजित कार्यशाला में राज्यभर के वेयर हाउस संचालक मौजूद रहे, जिन्हें विशेषज्ञों का आवश्यक मार्गदर्शन मिला। विभागीय मंत्री सिंह ने कहा कि देखने में आया है कि राज्य के कई वेयर हाउस वर्तमान परिस्थितियों में अपनी पूर्ण क्षमता का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं, जिससे गोदाम संचालकों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में उनकी सुझाव है कि अब वेयरहाउस का उपयोग केवल अनाज भंडारण तक सीमित न रहकर, उन्हें बहुआयामी व्यावसायिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित किया जाना

चाहिए। इससे जहां गोदाम संचालकों की आय बढ़ेगी, गोदामों का उनकी क्षमता के अनुरुप पूरा उपयोग हो सकेगा। मंत्री सिंह ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी व्यावसायिक वातावरण में सप्लाई-चेन मैनेजमेंट और ऑपरेशन मैनेजमेंट की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सरकार चाहती है कि निजी निवेश से बने गोदामों में सरकारी अनाज भंडारण के साथ अन्य वैकल्पिक माध्यमों से भी आय अर्जन के अवसर विकसित किए जा सकें। अधिकारियों और गोदाम संचालकों से कहा कि कार्यशाला औपचारिक नहीं, परिणाममूलक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शासन की नीतियों, नियमों एवं उपलब्ध योजनाओं की स्पष्ट जानकारी देकर गोदाम संचालकों को नीतिगत समर्थन प्रदान किया जा रहा है, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ निवेश एवं व्यावसायिक निर्णय ले सकें। सिंह ने कहा कि प्रदेश की भंडारण एवं लॉजिस्टिक्स व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में निजी गोदाम संचालकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यशाला से प्राप्त सुझाव और नवाचार प्रदेश के वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को नई दिशा देंगे और प्रदेश की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्यशाला अन्य स्थानों पर भी आयोजित की जायेंगी। अपर मुख्य सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने कार्यशाला के उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देश में मध्यप्रदेश एक ऐसा राज्य है, जहाँ पर खुले में अनाज नहीं रखा जाता। कार्यशाला में आईआईएम मुम्बई के प्रो. वीपन कुमार और सुश्री सुमिता नारायण ने ट्रांसफार्मिंग पब्लिक गोडाउन्स टू प्रायवेट वेयर हाउसेस - केस ऑफ अदर स्टेट पर विचार व्यक्त किये।

पीडब्ल्यूडी मंत्री सिंह ने देखी फ्यूचर-रेडी निर्माण प्रणाली

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने बुधवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास में 3डी प्रिंटिंग आधारित भवन निर्माण तकनीक का अवलोकन किया। इस अवसर पर आईआईटी मद्रास के सड़क सुरक्षा प्रभाग के प्रमुख प्रो वेंकटेश बाला सुब्रह्मण्यम एवं इंजीनियरिंग डिजाइन प्रभाग के प्रमुख प्रो जयकांथन, प्रबंध संचालक भवन विकास निगम एम सिबी चक्रवर्ती, एसआर बघेल प्रमुख अभियंता (भवन) लोक निर्माण विभाग सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। मंत्री सिंह ने कहा कि 3डी प्रिंटिंग तकनीक से भवन निर्माण में न सिर्फ तेजी आएगी बल्कि गुणवत्ता भी बेहतर होगी। वर्ष 2028 में उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ मेले जैसे विशाल आयोजनों में जहां परिस्थितियों के अनुरूप तीव्र गति से भवन निर्माण की जरूरत होती है। वहां

3डी प्रिंटिंग आधारित निर्माण तकनीक बहुत कारगर सिद्ध हो। 3डी प्रिंटिंग, जिसे एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग भी कहा जाता है, पारंपरिक निर्माण पद्धतियों से भिन्न है। इसमें पहले कंप्यूटर पर भवन का डिजिटल डिजाइन तैयार किया जाता है और फिर विशेष मशीनों द्वारा कंक्रीट व निर्माण सामग्री को परत-दर-परत प्रिंट कर संरचना का निर्माण किया जाता है। इस प्रक्रिया में ईंट, शटरिंग और पारंपरिक ढलाई की आवश्यकता अत्यंत कम हो जाती है, जिससे निर्माण अधिक तेज़, सटीक और नियंत्रित बनता है।

संदीप एस. परांजपे ने वेकोलि में किया निदेशक का पदभार ग्रहण

नागपुर। वेकोलि में बुधवार को संदीप एस. परांजपे ने निदेशक (तकनीकी/परियोजना एवं योजना) का पदभार ग्रहण किया। श्री परांजपे के वेकोलि आगमन पर वेकोलि के निदेशक (मानव संसाधन) डॉ. हेमंत शरद पांडे ने उनका गर्म जोशी से स्वागत किया। श्री परांजपे ने वर्ष 1991 में श्री रामदेवबाबा कमला

नेहरू इंजीनियरिंग कॉलेज, नागपुर विवि से माइनिंग इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है तथा उन्हें कोयला खनन क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक का समृद्ध एवं व्यापक अनुभव प्राप्त है। पाथाखेड़ा एवं सावनेर में 16 वर्षों के भूमिगत खनन अनुभव के साथ-साथ उन्होंने प्रबंधन, भूमि अधिग्रहण, परियोजना क्रियान्वयन, उत्पादन, खान नियोजन, कोयला गुणवत्ता तथा माइन क्लोज़र जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में गहन विशेषज्ञता अर्जित की है। वेकोलि में निदेशक (तकनीकी / परियोजना एवं योजना) का दायित्व संभालने से पूर्व, उन्होंने एसईसीएल के सोहागपुर क्षेत्र में क्षेत्रीय महाप्रबंधक तथा तत्पश्चात सीएमडी, एसईसीएल के विशेष कार्य अधिकारी के रूप में कार्य करते हुए कंपनी को महत्वपूर्ण संचालनात्मक एवं रणनीतिक योगदान प्रदान किया। श्री परांजपे के द्वारा निदेशक (तकनीकी / परियोजना एवं योजना) का पदभार ग्रहण पर सभी विभागों के विभागाध्यक्षों तथा अधिकारियों ने उन्हें शुभकामनाएं दी।

प्री -मैरिटल कम्युनिकेशन सेंटर का हुआ शुभारंभ

भोपाल। प्रदेश सरकार ने भोपाल में प्री-मैरिटल कम्युनिकेशन सेंटर का शुभारंभ किया गया। ये सेंटर राष्ट्रीय महिला आयोग के मार्गदर्शन पर पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर प्रारम्भ किया गया है। जिसमें विवाह पूर्व संवाद को संस्थागत स्वरूप दिया जाएगा। देश की पहली संरचित पहल 'तेरे मेरे सपने' के अंतर्गत प्री-मैरिटल कम्युनिकेशन सेंटर का बुधवार को महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया द्वारा किया गया। इस मौके पर भूरिया ने कहा कि जब तेरे और मेरे सपने मिलकर हमारे बनते हैं, तभी एक स्वस्थ, सुरक्षित और सशक्त भारत का निर्माण संभव है। मजबूत समाज की नींव मजबूत परिवार होते हैं और मजबूत परिवार सोच-समझकर बनाए गए रिश्तों से ही संभव हैं। मंत्री ने कहा कि आज के बदलते सामाजिक परिदृश्य में विवाह से पहले संवाद, समझ और भावनात्मक तैयारी अत्यंत आवश्यक हो गई है। 'तेरे मेरे सपने' पहल युवाओं को विवाह से पूर्व अपेक्षाओं, मूल्यों, जिम्मेदारियों और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर चर्चा करने का सुरक्षित एवं मार्गदर्शित मंच प्रदान करती है।

एक दर्जन जिलाध्यक्षों के काम से खुश नहीं आलाकमान

दिल्ली में कांग्रेस की हुई अहम बैठक, प्रदेश अध्यक्ष पटवारी सहित अन्य नेता हुए शामिल

जागरण, भोपाल। मध्यप्रदेश के आधा दर्जन से ज्यादा जिलाध्यक्षों के कामकाज से कांग्रेस आलाकमान संतुष्ट नहीं है। जिन्हें अपनी परफार्मेंस सुधारने की चेतावनी मिल सकती है। इस पर बुधवार को दिल्ली में कांग्रेस की हुई अहम बैठक में चर्चा की गई। मध्यप्रदेश संगठन से जुड़ी इस बैठक में प्रदेशअध्यक्ष जीतू पटवारी सहित राज्य के दूसरे बड़े नेता भी मौजूद रहे। गौरतलब है कि कांग्रेस के दिल्ली स्थित मुख्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की मौजूदगी में मध्यप्रदेश कांग्रेस संगठन को लेकर बैठक हुई। जिसमें संगठन को लेकर कई विषयों पर चर्चा की गई। जानकारों की माने तो बैठक में एसआईआर और दूसरे मुद्दे को लेकर चर्चा की गई। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने बताया कि फरवरी माह में मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के दौरान विधायक दल द्वारा जनता,किसान और युवाओं से जुड़े मामलों को पुरजोर तरीके से उठाएगी। इसी तरह महिला उत्पीड़न और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सरकार को घेरा जाएगा।

संगठन ने की जिलाध्यक्षों के कार्यों की समीक्षा

पार्टी से जुड़े सूत्रों की मानें तो दिल्ली में बैठक में मध्यप्रदेश के जिलाध्यक्षों के सक्रियता और संगठन को मजबूत बनाने में उनकी व जिला संगठन की भूमिका को लेकर समीक्षा की गई। बताया गया है कि प्रदेश के एक दर्जन से ज्यादा जिलाध्यक्षों के कामकाज पर पार्टी नेतृत्व ने असंतोष जताया है। बैठक में मौजूद प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी से कहा गया है कि इस दिशा में उन्हें स्वयं जिलाध्यक्षों के साथ बैठना होगा और उनकी परफार्मेंस सुधारने की दिशा में काम करना होगा। उन्हें साफ तौर पर कहा गया कि ऐसा नहीं होने पर संबंधित जिलाध्यक्षों के विकल्प पर ध्यान दिया जाएगा।

प्रदेश में जल्द बैठक कर बनाई जाएगी रणनीतिः चौधरी

प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने कहा कि बैठक में प्रदेश संगठन और विधायक दल के तौर पर किए गए कार्यों की समीक्षा की गई। मध्यप्रदेश में कांग्रेस पार्टी संगठन और विधायक दल के तौर पर मजबूती से काम कर रही है। ऐसे में इसे और आगे कैसे बढ़ाया जाए, इस पर चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में पार्टी संगठन और विधायक दल के तौर पर मजबूती से काम कर रही है। ऐसे में इसे और आगे कैसे बढ़ाया जाए, इस पर बैठक में चर्चा हुई है। चौधरी ने कहा कि मध्यप्रदेश में किसान, युवा, महिला और छात्र हर वर्ग के साथ अन्याय हो रहा है। ऐसे में कांग्रेस उनके हितों की रक्षा कैसे करे, इस पर हम बैठक कर आने वाले दिनों में काम करेंगे। संगठन इस स्तर पर मजबूती से काम कर रही है,इसे और कैसे आगे बढ़ाया जाए। इस पर वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। मध्यप्रदेश में युवाओं महिलाओं, किसानों बेरोजगारों की समस्याओं को लेकर हमें किस तरह से काम करना है, इस दिशा में हम लोग सामूहिक तौर पर मध्यप्रदेश में बैठक कर रणनीति तैयार करेंगे। दिल्ली बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी,नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार,सीडब्ल्यूसी सदस्य कमलेश्वर पटेल, आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रांत भूरिया, राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार मौजूद रहेंगे।

बदलाव — दो दर्जन प्रोफेसर होने के बाद भी नियुक्ति से चूक रहा तकनीकी शिक्षा विभाग

प्रदेश में पहली बार आईएएस को आरजीपीवी के रजिस्ट्रार का प्रभार

जागरण, भोपाल। तकनीकी शिक्षा विभाग ने राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि के रजिस्ट्रार डॉ. मोहन सेन को कार्यमुक्त कर दिया है। उन्हें विभाग में अतिरिक्त संचालक के रूप में पदस्थ किया गया है। उनका प्रभार विभाग के आयुक्त आईएएस अवधेश शर्मा को दिया गया है। अब वे अपने कार्य के साथ रजिस्ट्रार के अतिरिक्त प्रभार की जिम्मेदारी निभाएंगे। यह पहला मौका है जब किसी आईएएस अधिकारी को प्रदेश के किसी भी विवि में रजिस्ट्रार का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इसके पहले विभाग में प्रमुख सचिव रहीं कल्पना श्रीवास्तव को कुलपति का अतिरिक्त प्रभार राजभवन द्वारा दिया गया था। अभी तक आईएएस सिर्फ कुलपति की कुर्सी पर आसीन होते आए हैं। करीब तीन आईपीएस को बीयू में रजिस्ट्रार के रूप में पदस्थ किया जा चुका है। इसलिए विभाग को आईएएस को कुलसचिव का अतिरिक्त प्रभार देना उचित नहीं बताया जा रहा है। क्योंकि प्रदेश के कालेजों में दो दर्जन से ज्यादा प्रोफेसर हैं, जो कुलसचिव का दायित्व निभा सकते हैं।

इसके बाद भी विभाग ने आयुक्त शर्मा को रजिस्ट्रार का प्रभार सौंपा है। रजिस्ट्रार का प्रभार बदलने से आरजीपीवी में बुधवार को होने वाली एकेडमिक काउंसिल की बैठक को टाल दिया गया। अब यह बैठक आगामी दिनों में आयोजित की जाएगी। आयुक्त शर्मा ने अभी रजिस्ट्रार का प्रभार ग्रहण नहीं किया है। बताया जा रहा है कि वह एक दो दिन में आरजीपीवी पहुंचकर रजिस्ट्रार का कार्यभार ग्रहण कर सकते हैं।

दो बार हटाने की मांग कर चुके थे डॉ सेन

डॉ. सेन विभाग को दो बार पत्र देकर रजिस्ट्रार के प्रभार से मुक्त करने की मांग कर चुके थे। आयुक्त शर्मा को रजिस्ट्रार का अतिरिक्त प्रभार मिलने से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं में रोष व्याप्त है। उनका कहना है कि दो वर्षों से मप्र का एक मात्र तकनीकी विवि आरजीपीवी यह अपनी आर्थिक अनियमितता के कारण अकादमिक नवाचार एवं अनुसंधान से बाधित हुआ। वही पिछले दिनों राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) के एसएसआर रिपोर्ट में की गई गड़बड़ियों के कारण भी चर्चा में रहा। विश्वविद्यालय अपने सुचारू संचालन एवं नियमित अकादमिक वातावरण लिए आज भी उभर नहीं पाया है। वैसे में प्रदेश सरकार एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा तकनीकी शिक्षा के व्यक्ति के स्थान पर किसी प्रशासनिक अधिकारी (आईएएस) को कुलसचिव का प्रभार देने के निर्णय की अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कड़े शब्दों में निंदा करता है।

एबीवीपी ने शर्मा को बताया पार्टटाइम कुलसचिव

वर्तमान कुलसचिव को हटाने का निर्णय उस समय लिया गया है जब नैक के एसएसआर रिपोर्ट की कई गड़बड़ियां उजागर हो चुकी हैं। जिसकी पुष्टि स्वयं वर्तमान कुलसचिव कर चुके हैं। एबीवीपी का मानना है कि प्रभारी कुलगुरु एससी चौबे और पार्टटाइम कुलसचिव अवधेश शर्मा (आईएएस) से विश्वविद्यालय का सुचारू संचालन और भी कठिन होगा। विश्वविद्यालय की आर्थिक अनियमितता और अकादमिक भ्रष्टाचार पर लोकभवन का दुर्लक्ष्य और राज्य शासन का गंभीर न होना विश्वविद्यालय के विकास में बाधाकारक है। इस वक्तव्य के माध्यम से अभाविप अपनी उस मांग को भी दोहराता है कि विश्वविद्यालय के सुचारू और प्रभावी संचालन करने आरजीपीवी को तीन हिस्सों में बांटा जाए।

दस तक जमा होंगे कुलगुरु के आवेदन

कुलगुरु त्रिपाठी का इस्तीफा स्वीकार करने के बाद लोकभवन ने नये कुलगुरु की नियुक्ति करने के लिए आवेदन जमा कराना शुरू कर दिया है। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि दस फरवरी रखी गई है। हालांकि अभी तक लोकभवन को ज्यादा संख्या में आवेदन प्राप्त नहीं हुए हैं।

प्रदेश को मिले नए 34 डिप्टी कलेक्टर, आदेश किए जारी

भोपाल। प्रदेश शासन को 34 नए डिप्टी कलेक्टर मिल गए। सामान्य प्रशासन विभाग ने बुधवार को इन नए अधिकारियों की नियुक्ति आदेश जारी कर दिए। ये सभी अधिकारी राज्य सेवा परीक्षा 2023 और 2024 के परिणामों के आधार पर नियुक्ति किए गए है। जानकारी के अनुसार इन सभी अधिकारियों को दो वर्ष की परिवीक्षा अविधि पर रखा गया है। इस दौरान उनके काम और व्यवहार को परखा जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग ने अपने नियुक्ति आदेश में साफ तौर पर कहा है कि यह नियुक्तियां पूरी तरह से अस्थायी और प्रावधिक आधार पर की गई है, यदि किसी का चरित्र सत्यापन सही नहीं पाया गया,तो नियुक्ति रद्द हो जाएगी। आदेश में अधिकारियों को वेतनमान पे-मैट्रिक्स लेवल 12 के तहत 15600-39100 के अलावा 54 सौ ग्रेड पे दिया जाएगा।

6 फरवरी तक करना है ज्वाइन

सभी नए अधिकारियों को 6 फरवरी 2026 तक कार्यभार ग्रहण करना होगा। 9 फरवरी से उनका 123 वां संयुक्त आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरु होगा, जो भोपाल स्थित आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में होगा। इसके लिए सभी अधिकारियों को 8 फरवरी तक अकादमी में पहुंचना होगा। अधिकारियों से शासन द्वारा बांड भरना होगा। यदि वे सफलतापूर्वक परिवीक्षा अवधि पूरी नहीं करते, तो उन्हें प्रशिक्षण और वेतन का खर्च लौटाना होगा। 1 जनवरी 2025 के बाद नियुक्त होने के कारण इन पर नई अंशदान पेंशन योजना लागू होगी। यदि कोई अधिकारी दूसरी सरकारी सेवा में है,तो उनसे एनओसी या उक्त सेवा से इस्तीफा देना होगा। **कोर्ट के फैसले के अधीनः** अधिकारियों को बताया गया है कि उनकी नियुक्ति की पूरी प्रक्रिया वर्तमान में संबंधित कोर्ट में लंबित विभिन्न याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगी। हालांकि शासन ने दावा किया है कि इन नियुक्तियों में आरक्षण नियमों का पूरी तरह से पालन किया गया है। जानकारी के अनुसार अधिकारियों को प्रशिक्षण के बाद होने वाली विभागीय परीक्षा भी पास करनी होगी। साथ ही यदि किसी अधिकारी द्वारा गलत जानकारी दी गई,तो किसी नोटिस के बिना उनकी सेवाएं समाप्त की जा सकती है।

संक्षिप्त समाचार

हैरतः मुंबई में 4-लेन से 2-लेन हुआ फ्लाईओवर

मुंबई, जेएनएन। मीरा-भायंदर इलाके में मेट्रो लाइन-9 परियोजना के तहत बने नए डबल-डेकर फ्लाईओवर को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। करीब 100 करोड़ रुपये की लागत से बने इस फ्लाईओवर की सबसे बड़ी खासियत अब उसकी सबसे बड़ी कमजोरी बनती दिख रही है। फ्लाईओवर शुरुआत में चार लेन का है, लेकिन कुछ ही दूरी पर जाकर यह अचानक दो लेन में सिमट जाता है। इसी डिजाइन को लेकर सोशल मीडिया पर जमकर आलोचना हो रही है। लोगों ने इस फ्लाईओवर को 'इंजीनियरिंग का अजूबा', 'डेथ ट्रैप' और 'आसमान में लगने वाला ट्रैफिक जाम' जैसे नाम दिए हैं। चार लेन से सीधे दो लेन में आने से यह हिस्सा बॉटलनेक बन जाएगा।

धमकीः चंडीगढ़, गुरुग्राम के स्कूल खाली कराए गए

चंडीगढ़। बुधवार को चंडीगढ़ के करीब 26 स्कूलों को बम धमकी वाले ई-मेल मिले, जिसके बाद एहतियातन छात्रों और स्टाफ को बाहर निकाल लिया गया। पुलिस ने तुरंत एंटी-सैबोटाज जांच शुरू की। इसी तरह गुरुग्राम के छह निजी स्कूलों को भी ऐसे ही धमकी भरे ई-मेल मिले, जिससे सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं। सूत्रों के मुताबिक सेक्टर 26, 19, 45 और 16 समेत कई इलाकों के सरकारी व निजी स्कूलों को ई-मेल भेजे गए। स्कूल पहुंच रहे छात्रों को वापस घर भेज दिया गया। जिन स्कूलों को धमकी मिली, उनमें सेंट कबीर पब्लिक स्कूल, विवेक हाई स्कूल, भवन विद्यालय, सेक्रेड हार्ट स्कूल और चितकारा स्कूल शामिल हैं। धमकी मिलते ही बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड स्कूल परिसरों में पहुंचे और सघन तलाशी ली।

अविमुक्तेश्वरानंद ने बिना स्नान के माघ मेला छोड़ा

प्रयागराज, जेएनएन। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने प्रयागराज माघ मेला छोड़ दिया है। वे काशी के लिए रवाना हो गए। माघ मेले में 11 दिनों से धरने पर बैठे शंकराचार्य ने बुधवार सुबह प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि मन इतना व्यथित है कि वे बिना स्नान किए ही लौट रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे श्रद्धा और आस्था के साथ माघ मेले में आए थे, लेकिन एक ऐसी घटना घटी जिसकी उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी। उन्होंने कहा, 'जब दिल में दुख और आक्रोश हो, तो पवित्र जल भी शांति नहीं दे पाता। प्रशासन से पत्र और प्रस्ताव मिला था, जिसमें पूरे सम्मान के साथ पालकी से संगम ले जाकर स्नान और फूल बरसाने की बात कही थी, लेकिन उन्होंने यह प्रस्ताव ठुकरा दिया।

अमेरिकी के कारण मरे हमारे सैनिकः नेतन्याहू

तेल अवीव, जेएनएन। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा युद्ध पर कहा कि हमास के खिलाफ जंग के दौरान हथियारों और गोला-बारूद की आपूर्ति रोके जाने के कारण इजराइल के कई सैनिकों की जान गई। नेतन्याहू ने यह बयान मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिया। नेतन्याहू ने कहा कि गाजा में लड़ाई के दौरान इजराइली सेना के पास जरूरी गोला-बारूद की कमी हो गई थी। इसी वजह से सैनिकों को कई बार सीधे घरों में घुसकर लड़ना पड़ा, जिससे हताहतों की संख्या बढ़ी।

बारामती विमान दुर्घटनाः पायलट को दी गई थी विजुअल कंडीशन में उतरने की सलाह

8.43 पर मिला लैंडिंग क्लीयरेंस और 8.44 बजे रनवे के पास दिखीं लपटें

नई दिल्ली/ बारामती। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बारामती दुर्घटना से पहले पायलट और एयर ट्रैफिक कंट्रोल की बातचीत का ब्योरा जारी किया है। मंत्रालय के अनुसार, बारामती एक अनकंट्रोल्ड एयरफील्ड है, जहां ट्रैफिक से जुड़ी जानकारी स्थानीय फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन के पायलट या इंस्ट्रक्टर साझा करते हैं। एटीसी के मुताबिक, विमान ने 28 जनवरी को सुबह 8.18 बजे बारामती से पहली बार संपर्क किया। इसके बाद बारामती से 30 नॉटिकल मील पहले कॉल किया और तब उसे पुणे अप्रोच से रिलीज कर दिया गया। पायलट को विजुअल मेट्रोलॉजिकल कंडीशन में उतरने की सलाह दी गई। क्रू ने हवा और दृश्यता की जानकारी मांगी, जिस पर बताया गया कि हवा शांत है और दृश्यता करीब 3,000 मीटर है। विमान ने फाइनल अप्रोच की सूचना दी, लेकिन पायलट को रनवे दिखाई नहीं दिया। पहले प्रयास में गो-अराउंड किया गया। इसके बाद दोबारा संपर्क हुआ और क्रू ने बताया कि वह फिर से रनवे 11 की फाइनल अप्रोच पर है। कुछ सेकेंड बाद उन्होंने कहा कि अब रनवे दिखाई दे रहा है। सुबह 8.43 बजे लैंडिंग क्लीयरेंस दी गई, लेकिन एटीसी को क्रू से कोई रीडबैक नहीं मिला। 8.44 बजे रनवे के पास आग की लपटें देखीं, जिसके बाद तुरंत इमरजेंसी सेवाओं को भेजा गया।

क्या है विजुअल मेट्रोलॉजिकल कंडीशंस

विमानन से जुड़ी मौसमीय स्थितियां, जिन्हें दृश्यता, बादलों की ऊंचाई (सीलिंग) और बादलों से दूरी जैसे तय न्यूनतम मानकों के आधार पर परिभाषित किया जाता है। इन परिस्थितियों में पायलट केवल उपकरणों पर निर्भर रहने के बजाय दृश्य संकेतों के सहारे सुरक्षित रूप से उड़ान भर सकते हैं।

हवाई हादसे और भारतीय राजनीति

बड़े नेताः जो आसमान में उड़े, लेकिन नहीं उतर सके जमीन पर

नई दिल्ली, जेएनएन। *भारतीय राजनीति के इतिहास में विमान और हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं ने समय-समय पर कई दिग्गज नेताओं की जान ली है। ये हादसे महज व्यक्तिगत त्रासदी नहीं रहे, बल्कि कई बार उन्होंने देश की राजनीति की दिशा भी बदल दी। 1960 के दशक से लेकर 2026 तक, ऐसे कई मामले सामने आए हैं जिन्होंने पूरे देश को झकझोर दिया।*

संजय गांधी (1980): प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बेटे संजय गांधी की 23 जून 1980 को दिल्ली में एक छोटे विमान को उड़ाते समय मौत हो गई। महज 33 वर्ष की उम्र में उनका जाना कांग्रेस की राजनीति की दिशा बदलने वाला साबित हुआ। इसके अलावा बलवंतराय मेहता (1965), मोहन कुमारमंगलम (1973), वाईएस राजशेखर रेड्डी 2009, दोरजी खांडू (2011), विजय रूपाणी 2025 की मौत भी विमान हादसे में हुई। राजनेताओं के अलावा होमी जहांगीर भाभा (1966) व जनरल बिपिन रावत (2021) ने भी एयर हादसों में जान गंवाई।

माधवराव सिंधिया (2001): कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद माधवराव सिंधिया की उत्तर प्रदेश में एक चार्टर्ड विमान हादसे में मृत्यु हो गई। इससे पहले वे अपने राजनीतिक जीवन में एक बार हवाई संकट से बच चुके थे।

जीएमसी बालयोगी (2002): तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष जीएमसी बालयोगी की हेलीकॉप्टर दुर्घटना में जान चली गई।

ओपी जिंदल (2005): उद्योगपति और हरियाणा के ऊर्जा मंत्री ओपी जिंदल का भी विमान हादसे में निधन हुआ।

अजित के बाद एनसीपी की कमान किसके हाथ?

परिवार, भरोसेमंद सहयोगी और दिग्गजों के बीच सत्ता संघर्ष तय

मुंबई, जेएनएन। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व में खड़ी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) अब उत्तराधिकार के सवाल से जूझती नजर आ रही है। पार्टी का मौजूदा ढांचा अजित पवार की व्यक्तिगत पकड़, विधायकों पर नियंत्रण और सत्ता-संतुलन साधने की क्षमता पर टिका रहा है। ऐसे में उनके बाद पार्टी की बागडोर कौन संभालेगा, यह सवाल अंदरखाने तेज होता जा रहा है। इस दौड़ में तीन संभावित शक्ति-केंद्र उभरते दिखते हैं- परिवार, पुराने भरोसेमंद साथी और क्षेत्रीय दिग्गज।

परिवारः नाम का वजन, अनुभव की कमी

सुनेत्रा पवार, अजित पवार की पत्नी इस खेमे में सबसे सीधा वंशानुगत विकल्प मानी जाती हैं। दशकों तक वे बारामती में सामाजिक-कल्याण और महिला संगठनों के जरिए सक्रिय रहीं। 2024 में बारामती लोकसभा से चुनाव लड़कर (हालांकि हार के साथ) उन्हें राज्यव्यापी पहचान मिली। मार्च 2024 में वे राज्यसभा पहुंचीं और महायुति के समर्थन से निर्विरोध चुनी गईं। उनकी ताकत पवार नाम और समर्थकों की भावनात्मक निष्ठा है।

भरोसेमंद साथीः संगठन और रणनीति की ताकत

प्रफुल्ल पटेल एनसीपी के सबसे अनुभवी रणनीतिकारों में हैं। केंद्र में मंत्री रह चुके पटेल 2023 के विभाजन में अजित पवार के साथ आए, जिससे खेमे को वैधता और संगठनात्मक गहराई मिली। प्रबंधन, दिल्ली की पहुंच और संकट-निवारण उनकी ताकत है। जनाधार की कमी उन्हें स्थायी 'मास लीडर' से ज्यादा अंतरिम विकल्प बनाती है। रायगढ़ से उठकर कोंकण में मजबूत संगठन खड़ा सुनील तटकरे भी इसमें एक चेहरा हैं।

बाहरी/विवादित दावेदारः जनाधार बनाम सीमाएं

धनंजय मुंडे के पास लोकप्रिय अपील है, लेकिन बीड तक सीमित क्षेत्रीय प्रभाव और विवाद, खासतौर पर 2025 में सरपंच संतोष देशमुख हत्याकांड के बाद उन्हें कमजोर बनाते हैं। छगन भुजबल एनसीपी की राजनीति के वरिष्ठ चेहरा हैं। उपमुख्यमंत्री रह चुके भुजबल का उत्तर महाराष्ट्र में आधार और प्रशासनिक अनुभव मजबूत है, मगर उम्र और पुराने विवाद उनकी स्वीकार्यता सीमित करते हैं। वे सामूहिक नेतृत्व में सहायक भूमिका में अधिक उपयुक्त दिखते हैं।

वैश्विक राजनीति के टॉप पर पहुंचा भारतः उर्सुला

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत-यूरोप संबंधों में एक अहम कूटनीतिक क्षण तब देखने को मिला, जब राष्ट्रपति भवन में यूरोपीय संघ (ईयू) के शीर्ष प्रतिनिधियों के सम्मान में भव्य डिनर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर यूरोपियन काउंसिल के प्रेसिडेंट एंटोनियो कोस्टा और यूरोपियन कमीशन की प्रेसिडेंट उर्सुला वॉन डेर लेयेन विशेष रूप से मौजूद रहीं। डिनर के दौरान उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने भारत की वैश्विक भूमिका की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत आज ग्लोबल पॉलिटिक्स में टॉप पर पहुंच चुका है और यह ऐसा विकास है जिसका यूरोप खुले दिल से स्वागत करता है। यदि भारत और यूरोप अपने संसाधनों, क्षमताओं और दृष्टिकोण को साथ लाएं, तो वैश्विक स्तर पर बड़े और सकारात्मक बदलाव संभव हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने संबोधन में कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं से भरे इस दौर में भारत और यूरोप की सोच में गहरी समानता है। दोनों ही यह मानते हैं कि जलवायु परिवर्तन, सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और मानवीय संकट जैसी वैश्विक चुनौतियों का समाधान केवल सामूहिक प्रयासों से ही निकल सकता है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल सहित कई प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं।

ईयू डील से भारत को हुआ ज्यादा फायदाः जैमीसन

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिका के एक वरिष्ठ ट्रेड अधिकारी ने भारत और यूरोपीय यूनियन (ईयू) के फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) को भारत के लिए ज्यादा फायदेमंद बताया है।

अमेरिकी ट्रेड अधिकारी जैमीसन ग्रीर का कहना है कि यह डील कई मायनों में भारत के पक्ष में झुकी हुई है और इसका सबसे बड़ा लाभ भारत को मिलने वाला है। ग्रीर ने कहा कि समझौते के लागू होने के बाद भारत को यूरोपीय बाजार तक पहले से कहीं ज्यादा पहुंच मिलेगी। अब तक जो जानकारियां सामने आई हैं, उनसे यही संकेत मिलता है कि कुछ मिलाकर भारत इस व्यापार समझौते में 'टॉप पर' रहेगा। ग्रीर के मुताबिक, यूरोप के बड़े और विकसित बाजार में भारतीय कंपनियों और उत्पादों के लिए नए अवसर खुलेंगे। ग्रीर ने यह भी कहा कि इस डील के पीछे अमेरिका की बदली व्यापार नीति भी एक अहम वजह है।

संसद में राष्ट्रपति का अभिभाषण

वीबी-जी राम जी के जिक्र पर विपक्ष का हंगामा

नई दिल्ली, जेएनएन। 18वीं लोकसभा के बजट सत्र का पहला हिस्सा बुधवार को लोकसभा और राज्यसभा की जॉइंट मीटिंग में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण के साथ शुरू हो गया है। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार देश में आर्थिक प्रगति और सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार भ्रष्टाचार और घोटालों से निपटने में सफल रही है। राष्ट्रपति ने 45 मिनट की स्पीच में वीबी-जी राम जी कानून का भी जिक्र किया। इस पर विपक्ष ने हंगामा किया और कानून वापस लो के नारे लगाए। उधर, एनडीए सांसदों ने समर्थन में नारेबाजी की। पीएम मोदी और अमित शाह भी मेज थपथपाते नजर आए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, श्री गुरु तेग बहादुर जी ने हमें सिखाया-'भय काहूं को देत नहीं, नहीं भय मानत आन'। बजट सत्र 28 जनवरी से 2 अप्रैल तक चलेगा। यह दो हिस्सों में होगा। पहला हिस्सा 28 जनवरी से 13 फरवरी तक और दूसरा हिस्सा 9 मार्च से 2 अप्रैल तक होगा। इस दौरान कुल 30 बैठकें होंगी।

दूसरा नौसैनिक बेड़ा पहुंच रहा ईरानः ट्रंप

नए समझौते पर सहमति के लिए दबाव, एक जंगी बेड़ा पहले ही पहुंचा

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। ईरान में जारी सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच अमेरिका और ईरान के रिश्तों में तनाव एक बार फिर तेज होता दिख रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका का दूसरा नौसैनिक बेड़ा ईरान की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हालांकि उन्होंने इस नए बेड़े की तैनाती को लेकर ज्यादा तकनीकी या रणनीतिक जानकारी साझा नहीं की। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ईरान पर दबाव बढ़ाकर उसे एक नए समझौते के लिए तैयार करना चाहता है। उनका कहना था कि सैन्य मौजूदगी बढ़ाने का मकसद युद्ध नहीं, बल्कि ईरान को बातचीत की मेज तक लाना है। इससे पहले भी ट्रंप एक हफ्ते पहले ऐसा ही बयान दे चुके हैं।

ईरान पर हमले के लिए अपना एयरस्पेस नहीं देंगेः सऊदी अरब

रियाद। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच सऊदी अरब ने एक बड़ा और स्पष्ट रुख अपनाते हुए अमेरिका को कड़ा संदेश दिया है। सऊदी अरब ने साफ कहा है कि वह ईरान के खिलाफ किसी भी सैन्य कार्रवाई के लिए न तो अपने हवाई क्षेत्र और न ही अपनी जमीन का इस्तेमाल करने देगा। इस फैसले को मिडिल ईस्ट की बदलती कूटनीति में एक अहम मोड़ माना जा रहा है।

सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने इस संबंध में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान से फोन पर बातचीत की।

इराक में अपनी पसंद का प्रधानमंत्री चाहते हैं ट्रंप

बगदाद। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ट्रंप ने इराक की आंतरिक राजनीति को लेकर कड़ा और असामान्य बयान दिया है। ट्रंप ने साफ चेतावनी दी है कि यदि इराक में पूर्व प्रधानमंत्री नूरी अल-मलिकी को एक बार फिर प्रधानमंत्री बनाया गया, तो अमेरिका इराक को किसी भी तरह की मदद नहीं देगा।

क्यूबा पर ट्रंप की चेतावनीः इधर, ट्रंप ने एक बार फिर लैटिन अमेरिका को लेकर बेहद आक्रामक बयान दिए हैं। उन्होंने दावा किया है कि क्यूबा की सरकार जल्द ही गिरने वाली है और अमेरिका को वहां किसी सैन्य हस्तक्षेप की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके साथ ही ट्रंप ने कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो को खुली धमकी देते हुए सैन्य कार्रवाई का संकेत भी दिया है।

38 किलो वजन दिन में सिर्फ एक बार खाना, नो-कार्ब डाइट

उर्फी बोलीं- सबसे दुबला दौर ही सबसे अस्वस्थ था

मुंबई, जेएनएन। ग्लैमर और फिटनेस की दुनिया में अत्यधिक दुबलापन अक्सर अनुशासन और सुंदरता की निशानी मान लिया जाता है, लेकिन अभिनेत्री और सोशल मीडिया पर्सनालिटी उर्फी जावेद का हालिया खुलासा इस धारणा को चुनौती देता है। उर्फी ने बताया कि उनके जीवन का सबसे पतला दौर असल में उनका सबसे अस्वस्थ और मानसिक रूप से सबसे कठिन समय था।

उर्फी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वजन मशीन की तस्वीर साझा की, जिसमें वजन 38 किलो दिख रहा था। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'पिछले साल मेरा अधिकतम वजन 38 किलो था। मैं बहुत बीमार और डिप्रेशन में थी। लेकिन वेट ट्रेनिंग ने मुझे सच में बहुत मदद की।' उर्फी ने बताया कि उस समय उनका खान-पान बेहद सीमित था। वे दिन में सिर्फ एक बार खाना खाती थीं और पूरी तरह कार्बोहाइड्रेट से दूरी बना चुकी थीं। उन्होंने लिखा, 'मैं हमेशा चिड़चिड़ी, गुस्सैल और इरिटेटेड रहती थी।' मानसिक अस्थिरता के साथ-साथ इसका असर उनके शरीर पर भी दिखने लगा। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने बताया कि भले ही उनकी कमर सिर्फ 23 इंच रह गई थी, लेकिन चेहरा सूजा हुआ रहता था। कयास थे कि उन्होंने फिलर्स करवाए हैं, हकीकत कुछ और थी। उर्फी के मुताबिक, लंबे समय तक कम खाने, एलर्जी को नजरअंदाज करने और पोषण की कमी के कारण शरीर में सूजन, साइनस ब्लॉकेज और लिंफैटिक ड्रेनेज की समस्या पैदा हो गई थी।

जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग में एवलांचः सीसीटीवी में कैद हुआ हिमस्खलन

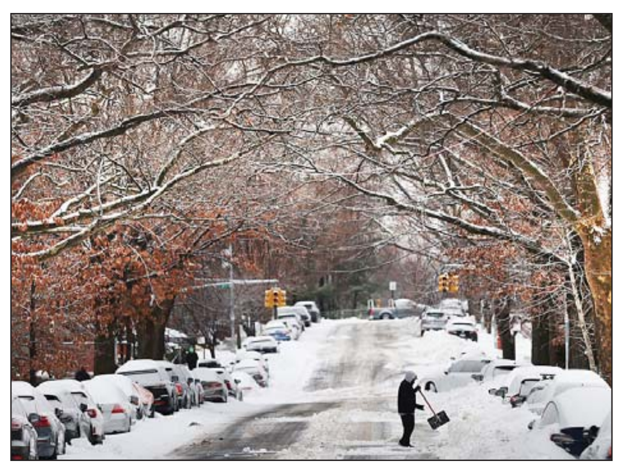

सोनमर्ग में लगातार हो रही भारी बर्फबारी के बीच भीषण एवलांच (हिमस्खलन) आया।

सोनमर्ग (गांदरबल), जेएनएन। जम्मू-कश्मीर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सोनमर्ग में लगातार हो रही भारी बर्फबारी के बीच भीषण एवलांच (हिमस्खलन) आया। इस घटना में कई होटल और इमारतें बर्फ से ढंक गईं। राहत की बात यह है कि अब तक किसी के हताहत या घायल होने की सूचना नहीं है। पूरी घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई, जिसके वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं।

अधिकारियों के अनुसार, यह हिमस्खलन मंगलवार रात मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में सोनमर्ग रिजॉर्ट क्षेत्र में हुआ। वीडियो फुटेज में देखा जा सकता है कि होटल के पीछे पहाड़ी से अचानक बर्फ का सैलाब नीचे की ओर आया और कुछ ही सेकेंड में उसने होटलों व आसपास की इमारतों को अपनी चपेट में ले लिया। बर्फ के तेज गुबार से पूरा इलाका ढंक गया।

घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन ने बचाव दलों को मौके पर भेज दिया। अधिकारियों ने बताया कि हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। मौसम विभाग पहले ही कश्मीर घाटी और आसपास के ऊंचाई वाले इलाकों में एवलांच का अलर्ट जारी कर चुका था।इस बीच जम्मू-कश्मीर आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कश्मीर के 11 जिलों गांदरबल, अनंतनाग, बांदीपोरा, बारामूला, कुलगाम और कुपवाड़ा सहित और जम्मू क्षेत्र के डोडा, किश्तवाड़, पुंछ, राजौरी और रामबन जिलों के लिए हिमस्खलन की चेतावनी जारी की है। लोगों और पर्यटकों को ऊंचाई वाले व संवेदनशील इलाकों में न जाने की सलाह दी गई है। अधिकारियों के मुताबिक, बर्फ हटाने और सड़कें खोलने का काम लगातार जारी है। इमरजेंसी सेवाओं और सशस्त्र बलों की आवाजाही में भी फिलहाल दिक्कतें बनी हुई हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि मौसम सामान्य होने तक अनावश्यक यात्रा से बचें और जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें।

अमेरिका में बर्फीला तूफान 38 की मौत, बिजली गुल

वॉशिंगटन, जेएनएन। अमेरिका इन दिनों भीषण बर्फीले तूफान की चपेट में है। 23 जनवरी से शुरू हुए इस शक्तिशाली विंटर स्टॉर्म ने देश के मध्य और पूर्वी हिस्सों में व्यापक तबाही मचाई है। अब तक कम से कम 38 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि लाखों लोग कड़ाके की ठंड, बर्फबारी और बिजली कटौती से जूझ रहे हैं। अधिकारियों ने मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, 14 राज्यों में भारी बर्फबारी, फ्रीजिंग रेन और शून्य से नीचे तापमान ने जनजीवन ठप कर दिया है। कई जगहों पर सड़कों पर मोटी बर्फ जम गई है, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हुआ। न्यू मैक्सिको से लेकर मेन तक कम से कम 19 राज्यों में एक फुट (30 सेमी) से अधिक बर्फ गिरी है। तूफान का सबसे ज्यादा असर न्यूयॉर्क सिटी, टेनेसी, मिसिसिपी और लुइसियाना में देखा गया। न्यूयॉर्क सिटी में तापमान माइनस 13 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया, जो पिछले आठ वर्षों में सबसे ठंडा दिन रहा। शहर में सैकड़ों बेघर लोगों को शेल्टर में पहुंचाया गया है। देशभर में 5.5 लाख से ज्यादा घरों और कारोबारों की बिजली आपूर्ति बाधित रही।

हवाई यातायात भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है। बर्फ और खराब दृश्यता के कारण 5 हजार से अधिक उड़ानें रद्द की गईं, जबकि कई हवाई अड्डों पर परिचालन सीमित करना पड़ा। स्कूल-कॉलेज बंद हैं और आपात सेवाएं हाई अलर्ट पर हैं। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि बर्फबारी कुछ इलाकों में भले कम हो रही हो, लेकिन कड़ाके की ठंड कई दिनों तक बनी रह सकती है। प्रशासन ने लोगों से घरों में रहने, हीटिंग उपकरण सुरक्षित तरीके से इस्तेमाल करने और जरूरत पड़ने पर नजदीकी शेल्टर की मदद लेने की अपील की है।

आवारा कुत्तों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को फटकार, कहा- कहानी न सुनाएं

काम नहीं कर रहे, हवा में महल बना रहे हैं

नई दिल्ली, जेएनएन। आवारा कुत्तों की बढ़ती समस्या को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को राज्य सरकारों की कड़ी आलोचना की। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि आवारा कुत्तों की नसबंदी और नियंत्रण को लेकर उसके पुराने निर्देशों का जमीनी स्तर पर पालन नहीं हुआ है। जस्टिस विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि राज्य काम करने के बजाय केवल कागजी रिपोर्ट देकर 'हवा में महल' बना रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि कई राज्यों ने रिपोर्ट तो दाखिल की है, लेकिन उनमें ठोस आंकड़े और वास्तविक प्रगति नहीं दिखती। मामले में नियुक्त एमिकस क्यूरी वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव अग्रवाल ने राज्यों द्वारा उठाए गए कदमों का सार रखते हुए गंभीर कमियों की ओर ध्यान दिलाया। इस दौरान कोर्ट ने गोवा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, झारखंड और गुजरात की दलीलें भी सुनीं।

कोर्ट के निर्देश

- आवारा कुत्तों की नसबंदी की रफ्तार बढ़ानी थी
- एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटरों की संख्या बढ़ानी थी
- कुत्तों के लिए शेल्टर बनाने थे
- स्कूलों, अस्पतालों और सार्वजनिक भवनों की घेराबंदी करनी थी
- सड़कों, हाईवे और एक्सप्रेसवे से आवारा जानवर हटाने थे

बिहार पर सवाल

कोर्ट ने बिहार की स्थिति पर चिंता जताई। बताया गया कि राज्य में 34 एबीसी सेंटर हैं और करीब 20 हजार कुत्तों की नसबंदी हुई है। लेकिन जब राज्य में 6 लाख से ज्यादा आवारा कुत्ते बताए गए, तो कोर्ट ने इस प्रगति को नाकाफी कहा। यह भी स्पष्ट नहीं किया गया कि रोजाना कितनी नसबंदी हो रही है और कितने इलाकों में बाड़बंदी की गई है।

कुत्तों के काटने के आंकड़े चिंताजनक

कोर्ट ने कहा कि असम को छोड़कर किसी भी राज्य ने कुत्तों के काटने के मामलों का पूरा डेटा नहीं दिया। असम के आंकड़े देखकर पीठ हैरान रह गई। 2024 में 1.66 लाख मामले और 2025 के सिर्फ जनवरी महीने में 20,900 मामले। कोर्ट ने इसे बेहद गंभीर बताया।

जेल में अंधे हो सकते हैं इमरान खान

इस्लामाबाद, जेएनएन। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सेहत को लेकर उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक- ए- इंसाफ (पीटीआई) ने गंभीर चेतावनी जारी की है। पार्टी का कहना है कि यदि इमरान को तत्काल और उचित इलाज नहीं मिला, तो उनकी एक आंख की रोशनी स्थायी रूप से जा सकती है और वे अंधे भी हो सकते हैं। पीटीआई ने एक्स पर बयान जारी कर बताया कि इमरान की दाहिनी आंख में सेंट्रल रेटिनल वेन ऑक्लूजन नाम की गंभीर बीमारी पाई गई है। पार्टी के अनुसार, जेल में मौजूद डॉक्टरों ने इस बीमारी को अत्यंत संवेदनशील और खतरनाक बताया है। मेडिकल विशेषज्ञों का मानना है कि अगर समय पर सही इलाज नहीं हुआ, तो आंखों की रोशनी हमेशा के लिए जा सकती है।

पीटीआई ने आरोप लगाया है कि मेडिकल सलाह के बावजूद अडियाला जेल का प्रशासन इमरान खान का इलाज जेल परिसर के अंदर ही कराने पर जोर दे रहा है। पार्टी का कहना है कि सीआरवीओ के इलाज के लिए ऑपरेशन थिएटर और विशेष चिकित्सकीय सुविधाओं की आवश्यकता होती है।

मौसमः दो दिन बाद प्रदेश में फिर से हो सकती है बारिश

जागरण , भोपाल। प्रदेश में कुछ समय तक ठंड से मिली राहत के बाद मंगलवार को राजधानी भोपाल सहित 30 अन्य जिलों में दर्ज की गई बारिश और 8 जिलों में हुई ओलावृष्टि के कारण मौसम ने फिर से करवट बदल दी है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ और दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण मौसम में यह बदलाव देखने को मिल रहे हैं। मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा के अनुसार उत्तरी पाकिस्तान के ऊपर 3.1 और 4.5 किलोमीटर की ऊंचाई पर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सक्रिय है। वहीं 5.8 किलोमीटर की ऊंचाई पर एक ट्रफ लाइन बनी हुई है। दक्षिण-पश्चिम राजस्थान के आसपास भी 1.5 किलोमीटर की ऊंचाई पर साइक्लोनिक सर्कुलेशन सक्रिय है। इन तीनों के असर से मध्य प्रदेश में बारिश, आंधी और ओलावृष्टि हो रही है। जिसके कारण प्रदेश में ठंडी हवाओं के साथ बारिश और ओलावृष्टि हो रही है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार 30 जनवरी के बाद से एक ओर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। जिसके कारण फरवरी की शुरुआत से ठंड और बारिश का एक और दौर फिर से शुरू हो सकता है। मौसम वैज्ञानिक एके शुक्ला ने बताया कि 30 जनवरी को उत्तर-पश्चिम भारत में नया सिस्टम सक्रिय हो रहा है। इसका असर दो से तीन दिन बाद मध्य प्रदेश में देखने को मिलेगा। जिसके कारण फरवरी की शुरुआत में प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश का दौर देखने को मिल सकता है। कुछ जगहों पर ओलावृष्टि भी हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार मैहर, उमरिया, रीवा, शहडोल, कटनी, सतना, मऊगंज, दक्षिणी शहडोल और रीवा जिलों में ओले गिर सकते हैं और जबलपुर, सिंगरौली, पन्ना और अनुपपुर में हल्की आंधी चलने की संभावना है।

लगातार तीन हार के बाद कीवियों को मिली पहली जीत

पांच मैचों की सीरीज के चौथे टी-20 में न्यूजीलैंड ने भारत को 50 रन से हराया

जेएनएन, विशाखापत्तनम

शिवम दुबे ने बेहद आक्रामक अर्धशतकीय पारी खेली, लेकिन यह न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार को खेले गए चौथे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत की 50 रन की हार को टालने के लिए पर्याप्त नहीं था। न्यूजीलैंड ने सात विकेट पर 215 रन बनाने के बाद भारत को 18.4 ओवर में 165 रन पर आउट कर दिया।

दुबे ने 23 गेंदों पर 65 रन की विस्फोटक पारी खेली और 216 रन के कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए लगभग अकेले संघर्ष किया। इस जीत के साथ कीवी टीम ने पांच मैचों की सीरीज में अंतर को 3-1 कर दिया। इशान किशन के चोट के कारण बाहर रहने से अभिषेक शर्मा और कप्तान सूर्यकुमार यादव से तेज शुरुआत की उम्मीद थी। लेकिन अभिषेक भारत की पहली ही गेंद पर आउट हो गए, जब उन्होंने मैट हेनरी की गेंद को डीप पॉइंट पर डेवोन कॉन्वे के हाथों में थमा दिया। सूर्यकुमार के रक्षात्मक शॉट को जैकब डफी ने शानदार रिटर्न कैच में तब्दील किया और भारत का स्कोर नौ रन पर दो विकेट हो गया। रिंकू सिंह (39) और संजू सैमसन (24) ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन वे पावरप्ले में या उसके बाद रन गति नहीं बढ़ा सके। रिंकू को जैक फोक्स ने पगबाधा आउट किया, जबकि डफी की गेंद पर शानदार फ्लिक शॉट से छक्का लगाने वाले सैमसन को मिचेल सैंटनर की सीधी गेंद ने बोल्ड कर दिया। 11वें ओवर में भारत का स्कोर 82 रन पर पांच विकेट हो गया। इसके बाद दुबे और हर्षित राणा (9) पर जिम्मेदारी आ गई। दुबे जब 46 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे तो मैदानी अंपायर ने उन्हें पगबाधा करार दिया, लेकिन डीआरएस के जरिए वह आउट होने से बच गए। उन्होंने लेग स्पिनर ईश सोढ़ी के तीसरे ओवर में 29 रन बटोरे, जिसमें दो चौके और तीन छक्के शामिल थे। दुबे ने डफी की गेंद पर स्क्वायर लेग के ऊपर छक्का लगाकर महज 15 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। छठे विकेट के लिए दुबे और हर्षित राणा ने 63 रन जोड़े, जिसमें राणा का योगदान चार रन का रहा। लेकिन दुबे की किस्मत तब साथ छोड़ गई, जब राणा का सीधा शॉट हेनरी के हाथ से टकराकर नॉन-स्ट्राइकर एंड पर स्टंप्स से जा टकराया।

■ अभिषेक टी-20 इंटरनेशनल में पहली गेंद पर आउट होने वाले पांचवें भारतीय बन गए। इससे पहले केएल राहुल (2016), पृथ्वी शॉ (2021), रोहित शर्मा (2022) और संजू सैमसन (2026) यह कारनामा कर चुके हैं।

■ 15 गेंदों में दुबे ने अर्धशतक जड़ा। इसके साथ ही वे टी-20 में भारत के लिए तीसरा सबसे तेज अर्धशतक बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। युवराज सिंह ने 12 गेंद और अभिषेक शर्मा ने 14 गेंद में अर्धशतक जड़ा है।

■ 100 छक्के ग्लने फिलिप्स के टी-20 इंटरनेशनल में हो गए हैं। न्यूजीलैंड के लिए 100 छक्के लगाने वाले वे तीसरे खिलाड़ी बने। शीर्ष पर मार्टिन गुप्टिल (173) और उनके बाद कॉलिन मुनरो (107) हैं।

स्कोर बोर्ड

न्यूजीलैंड: 215/7 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
कॉन्वे का. रिंकू बो. कुलदीप	44	23	4	3
सिफर्ट का. रिंकू बो. अर्शदीप	62	36	7	3
रचिन का. एंड बो. बुमराह	2	4	0	0
फिलिप्स का. रिंकू बो. कुलदीप	26	16	3	1
चैपमैन का. हर्षित बो. बिश्नोई	9	8	1	0
डैरिल मिचेल नाबाद	39	18	2	3
मिचेल सैंटनर रनआउट	11	6	1	1
फॉक्स का. रिंकू बो. अर्शदीप	13	6	1	1
मैट हेनरी नाबाद	6	3	1	0

अतिरिक्त: 5, **कुल:** 20 ओवर में सात विकेट पर 215 रन, **विकेट पतन:** 1-100, 2-103, 3-126, 4-137, 5-152, 6-163, 7-182, **गेंदबाजी:** अर्शदीप सिंह 4-0-33-2, हर्षित राणा 4-0-54-0, बुमराह 4-0-38-1, बिश्नोई 4-0-49-1, कुलदीप 4-0-39-2.

भारत: 165/10 (18.4 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
अभिषेक का. कॉन्वे बो. हेनरी	0	1	0	0
संजू सैमसन बो. सैंटनर	24	15	3	1
सूर्यकुमार का. एंड बो. डफी	8	8	2	0
रिंकू सिंह पगबाधा बो. फॉक्स	39	30	3	2
हार्दिक का. फॉक्स बो. सैंटनर	2	5	0	0
शिवम दुबे रनआउट	65	23	3	7
हर्षित का. रविंद्र बो. सोढ़ी	9	13	1	0
रवि बिश्नोई नाबाद	10	10	1	0
अर्शदीप का. सैंटनर बो. सोढ़ी	0	2	0	0
बुमराह का. सोढ़ी बो. सैंटनर	4	2	1	0
कुलदीप का. सिफर्ट बो. डफी	1	3	0	0

अतिरिक्त: 3, **कुल:** 18.3 ओवर में 65 रन पर सभी आउट, **विकेट पतन:** 1-0, 2-9, 3-55, 4-63, 5-82, 6-145, 7-157, 8-157, 9-162, 10-165, **गेंदबाजी:** हेनरी 3-0-24-1, डफी 3.4-0-33-2, फॉक्स 3-0-29-1, सोढ़ी 4-0-46-2, सैंटनर 4-0-26-3, ग्लेन फिलिप्स 1-0-7-0.

टी-20 रैंकिंग: सूर्यकुमार की टॉप-10 में वापसी

दुबई, जेएनएन। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रही पांच मैचों की घरेलू सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद आईसीसी पुरुष टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में बल्लेबाजों के वर्ग में पांच पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए। पूर्व में नंबर एक रहे सूर्यकुमार ने इन मैच में 32, नाबाद 82 और नाबाद 57 रन बनाए, जिससे वह रैंकिंग में आगे बढ़ने में सफल रहे। भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा टी-20 विश्व कप से पहले बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं, जबकि तिलक वर्मा तीसरे स्थान पर हैं। इशान किशन ने 64वें स्थान पर रैंकिंग में फिर से प्रवेश किया है। शिवम दुबे (नौ स्थान ऊपर 58वें स्थान पर) और रिंकू सिंह (13 स्थान ऊपर 68वें स्थान पर) को भी अपने अच्छे प्रदर्शन का इनाम मिला है। इस बीच हार्दिक पंड्या ऑलराउंडरों की सूची में एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे नंबर पर आ गए हैं। टी-20 में गेंदबाजों की रैंकिंग में जसप्रीत बुमराह (चार पायदान ऊपर 13वें स्थान पर) और रवि बिश्नोई (13 पायदान ऊपर 19वें स्थान पर) की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है।

खेल एक नजर

बदोनी व आर्य टी-20 विश्व कप तैयारी के लिए भारत ए टीम में

मुंबई, जेएनएन। दिल्ली के कप्तान आयुष बदोनी और बल्लेबाज प्रियांश आर्य को टी-20 विश्व कप की अभ्यास मैचों के लिए भारत-ए टीम में शामिल किया गया है, जिससे वे गुरुवार से मुंबई के खिलाफ खेले जाने वाले रणजी ट्रॉफी मैच का हिस्सा नहीं होंगे। एमसीए-बीकेसी मैदान पर खेले जाने वाले इस मैच में आयुष दोसेजा दिल्ली की कप्तानी करेंगे। भारत-ए टीम दो फरवरी को डीवाई पाटिल स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ खेलेगी, जिसके बाद वह बेंगलुरु रवाना होगी, जहां वह सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में नामीबिया से भिड़ेगी। बडोनी को इसी महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के दौरान पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया था।

गुकेश हारे, एरिगैसी ने खेला ड्रॉ, प्रज्ञानानंदा की पहली जीत

विज्क आन ली (नीदरलैंड), जेएनएन। विश्व चैंपियन डी गुकेश को टाटा स्टील मास्टर्स में नौवें दौर में जर्मनी के मैथियास ब्लूबाउम के खिलाफ पराजय झेलनी पड़ी, जबकि अर्जुन एरिगैसी को अमेरिका के हैंस मोक नीमैन के साथ ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट का टिकट पक्का करने वाले इकलौते भारतीय आर प्रज्ञानानंदा ने टूर्नामेंट में पहली बार सफलता का स्वाद चखा। विश्व कप विजेता जावोखिर सिंदारोव उज्बेकिस्तान के हमवतन नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के साथ बराबरी की बाजी खेली। अब्दुसत्तोरोव छह अंकों के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। दारोव नीदरलैंड्स के जोर्डन वान फोरेस्ट और तुर्किये के यागिज कान एरदोग्मुस के साथ 5.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर है। टूर्नामेंट में अब चार दौर शेष है और नीमैन पांच अंक के साथ इनके ठीक पीछे हैं। गुकेश, प्रज्ञानानंदा और अर्जुन के खाते में चार-चार अंक हैं।

फुटबॉल: ताजिकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम दो मैत्री मैच खेलेगी

मडगांव, जेएनएन। भारतीय अंडर-17 पुरुष फुटबॉल टीम गुरुवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में ताजिकिस्तान के खिलाफ दो मैत्री मैच की सीरीज का पहला मुकाबला खेलेगी। मुख्य कोच बिबियानो ने 25 सदस्यीय टीम की घोषणा की। इस दोनों मैचों में दर्शकों को स्टेडियम में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। भारतीय टीम इस साल की शुरुआत से ही एएफसी अंडर-17 एशियाई कप सऊदी अरब 2026 की तैयारियों के तहत गोवा में अभ्यास कर रही है। भारत ने पिछले साल नवंबर में अहमदाबाद में खेले गए क्वालिफायर में ईरान, लेबनान, फिलिस्तीन और चीनी ताइपे से ऊपर रहते हुए इतिहास में 10वीं बार इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई किया। भारत को 12 फरवरी को होने वाले ड्रॉ के बाद ग्रुप चरण के अपने प्रतिद्वंद्वियों की जानकारी मिलेगी। ताजिकिस्तान ने फीफा अंडर-17 विश्व कप 2025 के लिए क्वालिफाई करने के कारण स्वतः ही एएफसी अंडर-17 एशियाई कप में जगह बनाई है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन: पहले दो सेट हारने के बाद जोकोविच को मिला वॉकओवर

सिनर खिताबी हैट्रिक से सिर्फ दो जीत दूर जोकोविच भाग्य के सहारे सेमीफाइनल में

जेएनएन, मेलबर्न

विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी और पिछले दो बार के चैंपियन यानिक सिनर ने बुधवार को सीधे सेटों में जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जबकि रिकॉर्ड 10 बार के विजेता नोवाक जोकोविच भाग्य के सहारे अंतिम चार में जगह बनाने में सफल रहे। जोकोविच पहले दो सेट हार गए थे और वह घर वापस लौट के बारे में सोचने लग गए थे, लेकिन तभी भाग्य ने पलटी खाई, क्योंकि पांचवीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेटी चोट के कारण टूर्नामेंट से हट गए। सिनर ने एक अन्य मैच में अमेरिका के आठवीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन को दो घंटे 23 मिनट तक चले मैच में 6-3, 6-4, 6-4 से पराजित किया। वह लगातार तीसरी बार खिताब जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल होने से केवल दो जीत दूर हैं। जोकोविच दो बार यह कारनामा कर चुके हैं। सिनर को सेमीफाइनल में अधिक तरोताजा जोकोविच का सामना करना है, जिन्हें चौथे दौर में वॉकओवर मिला था। पुरुष वर्ग का अन्य सेमीफाइनल विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज और तीसरे वरीय अलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच खेला जाएगा।

"मुझे उसके लिए बहुत दुख हो रहा है। वह आज मुझसे कहीं बेहतर प्रदर्शन कर रहा था। आज के दिन मेरी छुट्टी होने वाली थी। खेल में इस तरह की चीजें होती रहती हैं। मेरे साथ भी ऐसा हुआ है।
- नोवाक जोकोविच

रयबाकिना ने विश्व नंबर दो स्वियातेक को किया बाहर

महिला वर्ग में पांचवीं वरीयता प्राप्त एलिना रयबाकिना और छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जहां उनका आमना सामना होगा। रयबाकिना ने विश्व में दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्वियातेक को 7-5, 6-1 से, जबकि छठी वरीय पेगुला ने हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी और यहां चौथी वरीयता प्राप्त अमांडा अनिसिमोवा को 6-1, 7-6 (6-1) से हराया। पेगुला ने पिछले दौर में 2025 की चैंपियन मैडिसन कीज को हराया और फिर अनिसिमोवा के लगातार तीसरे ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने की उम्मीद पर पानी फेर दिया। महिला वर्ग में अन्य सेमीफाइनल आर्यना सबालेंका ओर एलिना स्वितोलिना के बीच खेला जाएगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका पिछले चार साल में अपना तीसरा ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जीतने की कवायद में हैं, जबकि स्वितोलिना पहली बार इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची है।

ऑस्ट्रेलिया की टीम तीन टी-20 मैच की सीरीज खेलने पाक पहुंची

चार साल बाद करेगी दौरा, पहला मुकाबला 29 को

लाहौर, जेएनएन। मिचेल मार्श की अगुआई में ऑस्ट्रेलिया की टीम बुधवार को लाहौर पहुंच गई, जहां वह पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेलेगी। सीरीज का पहला मुकाबला 29 को, जबकि दूसरा और तीसरा मैच क्रमशः 31 और एक फरवरी को खेला जाएगा। यह सीरीज ऐसे समय में आयोजित की जाएगी, जब अगले महीने होने वाले टी-20 विश्व कप में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। इस सीरीज को पाकिस्तान के टी-20 विश्व कप की तैयारी के अंतिम चरण के रूप में देखा जा रहा है, लेकिन यह देखना बाकी है कि क्या राष्ट्रीय टीम को भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में सात फरवरी से शुरू होने वाले टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए सरकार की मंजूरी मिलेगी या नहीं।

ऑस्ट्रेलिया की टीम
मिचेल मार्श (कप्तान), शॉन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, महली बियर्डमैन, कूपर कॉनॉली, बेन ड्वार्शियस, जैक एडवर्ड्स, कैमरन ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), मैथ्यू कुहनेमैन, मिचेल ओवेन, जोश फिलिप (विकेटकीपर), मैथ्यू रेनशॉ, मैट शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा।

आठ मैचों में पहली बार दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को हराया

पार्ल (दक्षिण अफ्रीका), जेएनएन। कप्तान एडन मारक्रम की 47 गेंदों पर नाबाद 86 रन की पारी की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के पहले मैच में वेस्टइंडीज को नौ विकेट से हरा दिया। यह वर्ल्ड कप के बाहर वेस्टइंडीज के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की आठ मैचों में पहली टी-20 जीत रही। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 173 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका ने 17.5 ओवर में एक विकेट पर 176 रन बनाकर 13 गेंद शेष रहते हुए ही जीत हासिल कर ली। मारक्रम ने पारी में नौ चौके और तीन छक्के लगाए। उन्होंने लुआन-ड्रे प्रिटोरियस (44) के साथ पहले विकेट के लिए 83 रन जोड़े और रयान रिकेल्टन (नाबाद 40) के साथ दूसरे विकेट के लिए 93 रन की अटूट साझेदारी की। दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के स्पिनर जॉर्ज लिंडे ने 25 रन देकर तीन विकेट लिए और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

थाईलैंड मास्टर्स : 27 मिनट में जीते जॉर्ज मंजूनाथ ने 59 मिनट में मैग्नस को हराया

बैंकॉक, जेएनएन। भारत के किरण जॉर्ज और मिथुन मंजूनाथ थाईलैंड मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग के दूसरे दौर में पहुंच गए। सातवीं वरीयता प्राप्त जॉर्ज ने 27 मिनट के भीतर दुनिया के 45वें नंबर के खिलाड़ी शोलेह एदिल को 21-15, 21-9 से हराया, जबकि दुनिया के 60वें नंबर के खिलाड़ी मंजूनाथ ने आठवीं वरीयता प्राप्त डेनमार्क के मैग्नस योहानेसन को 59 मिनट तक चले मुकाबले में 21-12, 9-21, 21-17 से मात दी। तरुण मन्नेपल्ली भी थाईलैंड के केंटाफोन वांगचारोएन को 22-20, 21-17 से हराकर दूसरे दौर में पहुंच गए। प्रियांशु राजावत, मनराज सिंह और एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यन हारकर बाहर हो गए। राजावत को चौथी वरीयता प्राप्त कनाडा के ब्रायन यांग ने 15-21, 21-13, 22-20 से मात दी। वहीं मनराज को चीन के झू शुआन चेन ने 21-16, 21-14 से हराया। मुथुसामी को पांचवीं वरीयता प्राप्त अर्नाड मरकेले ने 21-13, 14-21, 21-19 से हराया। महिला एकल में अनमोल खरब ने हांगकांग की लो सिन यान हैप्पी को 21-12, 21-12 से हराया। जबकि तसनीम मीर को पहले दौर में चीनी ताइपै की पांचवीं वारीयता प्राप्त हुआंग यू सुन के हाथों 9-21, 19-21 से पराजय मिली। खरब का सामना अब यू सुन से होगा।

नीदरलैंड पहली और बांग्लादेश की महिला टीम 6वीं बार टी-20 विश्व कप के लिए क्वालिफाई

काठमांडू, जेएनएन। बांग्लादेश और नीदरलैंड ने क्वालिफायर सुपर सिक्स चरण में जीत दर्ज कर महिला टी-20 विश्व कप 2026 के लिए उपलब्ध चार में से दो स्थान पक्के किए। नीदरलैंड ने डीएलएस से अमेरिका को हराकर पहली बार टी-20 विश्व कप में जगह बनाई। बांग्लादेश ने थाईलैंड को 39 रन से पराजित कर लगातार सातवीं बार क्वालिफाई किया। एक अन्य मुकाबले में स्कॉटलैंड ने आयरलैंड को 39 रन से शिकस्त दी। महिला टी-20 विश्व कप 12 जून से पांच जुलाई के बीच इंग्लैंड और वेल्स में खेला जाएगा। अमेरिका ने गार्गी भोगले (36) और इसानी वाघेला (नाबाद 32 रन) की पारियों की बदौलत सात विकेट पर 129 रन बनाए। नीदरलैंड की हन्ना लैंडहीर ने 30 रन देकर तीन विकेट लिए। हीदर सीगर्स ने 12 गेंदों पर 28 और फीबे मोल्कनबोअर ने 43 गेंदों पर नाबाद 46 रन बनाए। बारिश के कारण मुकाबला समय से पहले समाप्त करना पड़ा और नीदरलैंड्स ने 12 ओवर में दो विकेट पर 90 रन बनाकर जीत दर्ज की। बांग्लादेश ने थाईलैंड को जीत के लिए 166 रन का लक्ष्य दिया। थाईलैंड नत्थाकन चंथाम (46) ने नन्नापत कोंचारोएनकाई (29) के साथ दूसरे विकेट के लिए 67 रन की साझेदारी की, लेकिन टीम लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी।

सिटी स्पोर्ट्स

भोपाल लेपड्र्स क्रिकेट टीम के चयन ट्रायल 30 व 31 को

भोपाल, खेप्र। गत चैंपियन भोपाल लेपड्र्स आगामी सत्र 2025-26 के लिए चयन ट्रायल एवं प्लेयर डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरू करने जा रही है। लेपड्र्स के यह क्रिकेट चयन ट्रायल 30 और 31 जनवरी को एचएमजी मैदान डीपीएस स्कूल में सुबह 9.30 बजे से आयोजित किए जाएंगे। मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग (सिंधिया कप) की चैंपियन भोपाल लेपड्र्स खिताब बरकरार रखने के लिए उतरेगी। यह ट्रायल्स युवा और प्रतिभाशाली क्रिकेट खिलाड़ियों के लिए एक सुनहरा अवसर प्रदान करेगा, जहां वे अपनी प्रतिभा दिखाकर पेशेवर क्रिकेटर बन सकते हैं। चयनित क्रिकेटरों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान कर भोपाल लेपड्र्स टीम में भी चयन किया जाएगा। चयन ट्रायल में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ी की आयु 1 दिसंबर 2025 तक न्यूनतम 19 वर्ष पूर्ण होनी चाहिए।

BHOPAL LEOPARDS

खेलो एमपी यूथ गेम्स: कयाकिंग-कैनोइंग में भोपाल के संतोष और प्रिंस को स्वर्ण पदक

भोपाल, खेप्र। खेलो एमपी यूथ गेम्स 2026 में भोपाल के खिलाड़ियों ने अपना शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अर्जित किए। शहर के लोअर लेक में आयोजित कयाकिंग एवं कैनोइंग प्रतियोगिता की फाइनल स्पर्धा में के1 बॉयज 1000 मी. फाइनल में भोपाल के संतोष सिंह ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि इस स्पर्धा का रजत उज्जैन के कोंजेंगबाम सिंह वांगथोई और कांस्य टीकमगढ़ के प्रिंस भाटी ने जीता। वहीं सी1 बॉयज 1000 मीटर फाइनल में भोपाल के प्रिंस गोस्वामी ने सोने का तमगा हासिल किया। नितेश (भिंड) और अभय तलियान (टीकमगढ़) ने क्रमशः रजत व कांस्य पदक जीते।

खेल मंत्री ने किया खिलाड़ियों से संवाद

खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के आयोजन स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने कोलार खेल स्टेडियम, मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम एवं तात्या टोपे खेल स्टेडियम पहुंचकर खिलाड़ियों से सीधे संवाद किया और उपलब्ध सुविधाओं की स्थिति के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

कुश्ती: अनुष्का-लक्ष्मी को स्वर्ण

कुश्ती में इंदौर के पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन किया। इंदौर जिले के खिलाड़ियों ने 2 स्वर्ण एवं 2 कांस्य पदक अर्जित किए। अनुष्का बौरासी ने 65 किग्रा और लक्ष्मी जरिया ने 50 किग्रा में स्वर्ण पदक जीता। ग्रीको-रोमन में पृथ्वी जोशी (77 किग्रा) और तुषांत जाधव (55 किग्रा) ने कांस्य जीता।

आरएनटीयू की महिला हॉकी टीम ने पंजाबी यूनिवर्सिटी के खिलाफ ड्रॉ खेला

भोपाल। रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की महिला टीम ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी हॉकी टूर्नामेंट में पंजाबी यूनिवर्सिटी के साथ मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त किया। आरएनटीयू की दीक्षा भार्गव ने शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। मुकाबला ड्रॉ रहने के कारण दोनों टीमों को 1-1 अंक प्रदान किया गया। टूर्नामेंट में आरएनटीयू अगला लीग मुकाबला 29 जनवरी को भरथियार यूनिवर्सिटी, कोयम्बटूर (तमिलनाडु) के विरुद्ध खेलेगी। **टीम इस प्रकार है:** योगिता वर्मा (कप्तान), अश्रिता ठाकुर, अंकिता कुशवाहा, प्रतिमा सरोज, निशी यादव, दीक्षा भार्गव, खुशी कटारिया, पलक गुप्ता, लवदीप कौर गिल, भूमिक्क्षा साहू, सोनिया कुमरे, साक्षी जैन, करमनप्रीत कौर, हुडा खान, उषा कुमारी, आयुषी पटेल, सोनम राणा, मुनमुनि दास।

भोपाल के जतिन सक्सेना भारतीय लीजेंड्स क्रिकेट टीम के कप्तान

भोपाल, खेप्र। जतिन सहाय सक्सेना थाईलैंड में होने वाले एशिया लीजेंड्स कप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारतीय टीम की कमान संभालेंगे। शानदार फॉर्म और पिछले प्रदर्शन के आधार पर जतिन का चयन भारतीय लीजेंड्स क्रिकेट टीम में हुआ है। हरिद्वार में बोर्ड ऑफ वेटेरन क्रिकेट इन इंडिया द्वारा आयोजित इंटर जोनल प्रतियोगिता में जतिन ने ईस्ट जोन का प्रतिनिधित्व किया था। इस टूर्नामेंट में उन्होंने शानदार बल्लेबाजी करते हुए प्रतियोगिता का एकमात्र अविजित शतक जड़ा और अपने ऑलराउंड प्रदर्शन के दम पर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब भी अपने नाम किया। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 28 जनवरी से 4 फरवरी तक थाईलैंड में खेली जाएगी, जिसमें एशिया की विभिन्न लीजेंड्स टीमें शिरकत करेंगी।

धान खरीदी केंद्र मिसिरगवां का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

लापरवाही पर दिये सख्त निर्देश

मऊगंज। कलेक्टर संजय कुमार जैन द्वारा धान खरीदी केंद्र मिसिरगवां का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान केंद्र में रखे धान की स्थिति का जायजा लिया। कलेक्टर ने धान को पानी से बचाने के लिए समुचित व्यवस्था नहीं करने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए समिति प्रबंधक को निर्देश दिए कि खरीदे गए समस्त धान को पानी एवं नमी से सुरक्षित रखने के लिए आज ही पन्नी (कवर) की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि धान की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, क्योंकि यह किसानों की मेहनत और शासन की संपत्ति से जुड़ा मामला है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने धान की तौल, भंडारण व्यवस्था एवं अभिलेखों की भी जांच की तथा संबंधित कर्मचारियों को शासन के निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिये। लापरवाही पाए जाने पर समिति प्रबंधक के विरुद्ध नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री जैन ने कहा कि सभी धान खरीदी केंद्रों पर धान का सुरक्षित भंडारण व किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नियमित निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सहायक खाद्य आपूर्ति अधिकारी अनिल गुप्ता, तहसीलदार शिवम गौतम उपस्थित रहे।

पूर्ण करने की जगह ध्वस्त कर दिया गया सीएफटी भवन, जांच की उठी मांग

नईगढ़ी, नि.प्र.। ग्राम पंचायत पुरैनी में विकास कार्यों पर प्रश्न चिन्ह तब उठे जब अधूरे राजीव गांधी सेवा केंद्र (सीएफटी) भवन को पूर्ण कराए जाने के बजाय जेसीबी मशीन से ध्वस्त कर दिया गया। ग्रामीणों की शिकायत के बाद यह मामला सामने आया, जिसने प्रशासनिक कार्यप्रणाली और भ्रष्टाचार पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों ने संवाददाता को बताया कि पुरैनी में निर्मित सीएफटी भवन के लिए पूर्व में शासन से राशि आहरित की गई थी, बावजूद इसके भवन को अधूरा छोड़ दिया गया। न तो आज तक संबंधित पूर्व सरपंच एवं सचिव से राशि की वसूली हुई और न ही अधूरे निर्माण को पूर्ण कराने का कोई प्रयास किया गया। इसके विपरीत, 27 जनवरी को उक्त बड़े शासकीय भवन को गिरा दिया गया और उससे निकले शासकीय निर्माण-मटेरियल के दुरुपयोग की भी आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों की शिकायत पर जनपद पंचायत अध्यक्ष ममता कुंज बिहारी तिवारी ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत नईगढ़ी को पत्र लिखकर पूरे प्रकरण की तत्काल जांच की मांग की है। उन्होंने पत्र में स्पष्ट किया है कि बिना सक्षम स्वीकृति एवं विधिसम्मत प्रक्रिया के किसी शासकीय भवन को गिराना लोक धन की खुली क्षति है। जनपद पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि एक ओर हम क्षेत्र के विकास के लिए हर स्तर पर सहयोग और राशि की व्यवस्था के लिए जिम्मेदार अधिकारियों व वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों से आग्रह कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर इस तरह की अराजकता और मनमानी बर्दाश्त के बाहर है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पूर्व सरपंच-सचिव द्वारा आहरित राशि की आज तक वसूली नहीं हुई, तो फिर इतने बड़े भवन को गिराने का निर्णय किसके संरक्षण में लिया गया? जनपद पंचायत अध्यक्ष ने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाए, शासकीय मटेरियल की रिकवरी कराई जाए तथा भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना अन्तर्गत बाल विवाह मुक्त भारत बनाने किया जागरूक

आचंलिक डेस्क। रामनई में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अन्तर्गत बाल विवाह मुक्त भारत पर नारी चौपाल का आयोजन 27 जनवरी को किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला समन्वयक गरिमा मिश्रा एंव जिला सहायक रिंकी मिश्रा जिला परियोजना सहायक उपस्थित रही। कार्यक्रम का सुभारंभ दीप प्रज्वलन एंव स्वागत गीत के साथ किया गया। कार्यक्रम में अंजना सिंह परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक राजकुमारी शर्मा, रीतू वर्मा, प्रीती उपाध्याय, चिन्ता सिंह, पुष्पा सिंह, पूर्णिमा बाजपेयी, गीतांजली मिश्रा तथा विकासखण्ड समन्वयक जय प्रकाश शुक्ला उपस्थित रहे। जिला परियोजना समन्वयक गरिमा मिश्रा द्वारा बाल विवाह के दुष्परिणाम के बारे मे उपस्थित महिलाओं को जानकारी दी गई। अंजना सिंह परियोजना अधिकारी द्वारा बताया गया कि बाल विवाह मुक्त भारत अभियान महिला एंव बाल विकास मंत्रालय द्वारा चलाया जा रहा है। और इसमे बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 को सख्ती के साथ लागू करने का जोर दिया गया है। बाल विवाह भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एक महत्वपूर्ण मिशन है। जिसका उद्येश्य 2030 तक देश से बाल विवाह को पूरी तरह समाप्त करना है। श्रीमती सिंह द्वारा बताया गया बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओ योजना के तहत हम बाल विवाह मुक्त भारत का लक्ष्य हासिल कर सकते है। इसके लिये हमें समाज में जागरूकता बढ़ानी होगी। और बाल विवाह के खिलाफ सख्त कार्यवाही करनी होगी। हमें बेटियों को शिक्षा और अवसर प्रदान करने होंगे ताकि वे अपने सपनों को पूरा कर सके। राजकुमारी शर्मा पर्यवेक्षक द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकार उपस्थित महिलाओं को दी गई। एवं पुष्पा सिंह द्वारा उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया गया।

सरस्वती उमावि देवतालाब में स्वतंत्रता सेनानियों को किया नमन

देवतालाब, नि.प्र.। सरस्वती शिशु मन्दिर उ.मा. विद्यालय देवतालाब में भैया-बहिनों के साथ-साथ विद्यालय प्रबन्धकारिणी समिति ने ध्वजारोहण कर 77वाँ गणतंत्र दिवस मनाया। इस समारोह के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी, शिवपूजन शुक्ला रहे। विशिष्ट अतिथि विद्यालय के व्यवस्थापक ब्रह्म विद्या तपो ज्योति मिश्र ने स्वतंत्रता सेनानियों की त्याग, तपस्या को नमन करते हुए भैया-बहिनों को राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। विद्यालय के प्राचार्य दयाशंकर तिवारी ने सभी अतिथियों का परिचय एवं स्वागत किया तथा देश को अंग्रेजो के गुलामी से आजादी दिलाने वाले एवम देश की आन-बान-शान की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सभी अमर शहीदों को शत-शत नमन किया। विद्यालय के भैया-बहनों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। सांस्कृति कार्यक्रमों को अभिभावक बन्धुओं द्वारा भूरि-भूरि सराहा गया। इस अवसर पर विद्यालय समिति के सदस्य राजेश तिवारी, डॉक्टर ब्रह्म प्रकाश शुक्ला, राजेंद्र वर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य लाल बहादुर ने किया। कार्यक्रम के अन्त में मिष्ठान वितरण किया गया।

देवतालाब महाविद्यालय में फहराया तिरंगा

नईगढ़ी, नि.प्र.। सरदार वल्लभभाई पटेल शासकीय महाविद्यालय देवतालाब में 26 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस राष्ट्रीय पर्व गरिमामय वातावरण में मनाया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. महानंद द्विवेदी एवं जनभागीदारी समिति अध्यक्ष एडवोकेट के.के. मिश्रा द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एडवोकेट के.के. मिश्रा उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. महानंद द्विवेदी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में शिवपूजन शुक्ला एवं दीपेश बड़ौलिया मौजूद रहे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, कार्यालय कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इस अवसर पर महाविद्यालय की आउटसोर्स कर्मचारी शिवा मिश्रा के असामयिक निधन पर दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

देवतालाब के शैक्षणिक संस्थानों में देशभक्ति की गूंज

नईगढ़ी, नि.प्र.। 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर देवतालाब क्षेत्र के शैक्षणिक संस्थानों में राष्ट्रीय पर्व पूरे हर्षोल्लास, सांस्कृतिक चेतना और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। विद्यालयों से लेकर महाविद्यालय तक देशभक्ति से ओत-प्रोत कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों और अतिथियों की सक्रिय सहभागिता रही। देवतालाब के विभिन्न विद्यालयों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। देवभूमि एकेडमी हायर सेकेंडरी स्कूल में संगीत एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सामाजिक संदेश और राष्ट्रप्रेम को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। गंगा मेमोरियल स्कूल और न्यू रॉयल इंटरनेशनल स्कूल में विद्यार्थियों के ऊर्जावान नृत्य कार्यक्रमों ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं, जबकि गावीं पब्लिक स्कूल में छोटे बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने सभी का मन जीत लिया। इन आयोजनों में स्कूल संचालक व स्टाफ-उपेंद्र मिश्रा, प्रकाश शुक्ला, सुनील पटेल, गौरव प्रसाद गुप्ता, अशोक मिश्रा, अवधेश तिवारी, महेन्द्र सिंह, ज्योति, संध्या, नीलाक्षी एवं शिवानी-की सराहनीय भूमिका रही। कार्यक्रमों में अतिथिगण सुशील शुक्ला, पवन शुक्ला, आर.एन. पटेल, आशीष पटेल, सोनू पंडित एवं चूड़ामणि शुक्ला, पत्रकार ब्यंकटेश तिवारी उपस्थिति रहे।

त्योंथर विधायक सिद्धार्थ तिवारी राज ने किया ध्वजारोहण

त्योंथर ब्यूरो। गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर त्योंथर विधानसभा क्षेत्र में देशभक्ति का उत्साह देखने को मिला। त्योंथर विधायक सिद्धार्थ तिवारी राज ने संदीपनी शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, त्योंथर में ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान हुआ और विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने माहौल को देशभक्ति से ओतप्रोत कर दिया। इस अवसर पर विधायक सिद्धार्थ तिवारी राज ने छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पत्रकार अरविन्द तिवारी, विजय तिवारी, राजन शुक्ला, अजय सोनी, गौरव मिश्रा, शास्त्री प्रसाद मिश्रा, आशुतोष शुक्ला, करूणा शंकर चतुर्वेदी, इशू केशरवानी, शिवरतन नामदेव, अशोक कुमार गुप्ता, कमलेश्वर राठौर, प्रदीप द्विवेदी, सफ़त मंसूरी को सम्मानित किया गया। विधायक ने निष्पक्ष, निर्भीक और जिम्मेदार पत्रकारिता की सराहना करते हुए कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ, जनप्रतिनिधि, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

आर्योदय स्कूल अतरैला में गणतंत्र दिवस पर भव्य आयोजन

जवा ब्यूरो। आर्योदय हायर सेकेंडरी स्कूल अतरैला में गणतंत्र दिवस की 77वीं वर्षगांठ पर भव्य समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि श्री हनुमान कथा समिति के संस्थापक भाजपा नेता सर्जेश पांडेय रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज सेवी डाक्टर अरूणेन्द्र शेषर मिश्रा नें की। विशिष्ट अतिथि दिव्यगमां महाविद्यालय जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष घनश्याम सिंह रहे। समारोह का संचालन सुरेंद्र मिश्रा ने किया। मुख्य अतिथि सर्जेश पांडे नें ध्वजारोहण ध्वज बंदन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सर्जेश पांडेय ने सैकड़ो वर्षों के संघर्ष और कुर्बानियों से मिली आजादी पर प्रकाश डाला। सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथि और अतिथियों ने पुरस्कृत कर उत्साहवर्धन किया । समारोह में प्रमुख रूप से श्रीकांत तिवारी, उमाकांत द्विवेदी, सरपंच प्रतिनिधि संदीप वर्मा, राजमणि गुप्ता, वीरेंद्र गुप्ता, विद्यालय के आचार्य मेवा लाल वर्मा, जयप्रकाश माझी, रवि मिश्रा, मनीष कोरी, चंद्रपाल केवट, उर्मिला द्विवेदी, मिथिलेश मिश्रा, रश्मि तिवारी, राशि तिवारी, कोमल सिंह, आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

स्वयं सेवक संगठन के सौ वर्ष पूर्ण होने पर गोविंदगढ़ में विशाल हिन्दू सम्मेलन का हुआ आयोजन

आंचलिक डेस्क। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में बुधवार को गोविंदगढ़ में एक विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के स्वयं सेवक संघ के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं सहित हजारों लोग शामिल हुए। सम्मेलन में मुख्य रूप से संयोजक केशव प्रसाद सोंधिया, सह संयोजक संतोष गुप्ता ,मातृशक्ति से सहसंयोजक देववती सिंह के कुशल नेतृत्व पर कार्यक्रम में मुख्य रूप से मंचासीन कथावाचक दीप नारायण शास्त्री, मातृशक्ति मनोरमा , विश्व हिंदू परिषद मुख्य वक्ता के रूप में हरि नारायण का उद्बोधन सबने सुना। कार्यक्रम में नगर के गणमान्य नागरिक मातृशक्ति की विशाल भीड़ सम्मिलित हुई। कार्यक्रम में नगर पंचायत के अध्यक्ष अभिषेक सिंह, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश गुप्ता, विधायक प्रतिनिधि सौरभ सिंह, पार्षद ज्ञानेंद्र सिंह, विजय गुप्ता एवं सभी कार्यकर्ता जिसमें नीतिश गुप्ता, देव कुमार पांडे, शत्रुघ्न पाल, एडवोकेट कृष्णपाल राजीव गुप्ता, विनोद पहेलियां सुनील वर्मा, संजय गुप्ता, मोहन जगदीश गुप्ता, सत्यनारायण गुप्ता, पप्पू द्वारिका, राजेंद्र गुप्ता फोटोग्राफर, चंद्रिका सोनी, संतोष तिवारी, सुरेश सिंह तिवारी, श्रवण सिंह तिवारी, रूपेश बहेलिया, विजय गुप्ता, इंद्रमणि पांडे उमेश साकेत, अवनीश मिश्रा, मुकुल यादव, रजनीश यादव, बृज किशोर ,राम शिरोमणि सिंह, सोनू गुप्ता, नंदू, रविंद्र, धर्मेंद्र, शिवनारायण, विस्तारक जितेंद्र पटेल, विनय, आशीष, मशाल मचल पाल व हिंदू समाज के समस्त शिष्ट कार्यकर्ता सम्मिलित होकर कार्यक्रम को सफल बनाए।

त्योंथर में आयुष को दी गयी श्रद्धांजलि

चिल्ला, नि.प्र.। यूपी के बरगढ़ गांव में 13 वर्षीय मासूम आयुष केशरवानी की हुई बेरहमी से हत्या पर 26 जनवरी को त्योंथर बाजार के भैरवनाथ रामलीला मंच पर नगर के यूवाओं और व्यापारियों ने श्रद्धांजलि दी, साथ ही कैंडल मार्च निकालकर शोक जताया गया। मृतक आयुष का त्योंथर के चिल्ला बाजार में ननिहाल था, इस दुखद घटना से शोक का व्याप्त है। सत्यम गुप्ता, विनय गुप्ता, लव कुश गुप्ता, गुड्डन गुप्ता, दीपक गुप्ता, तनिस गुप्ता, लालजी चौरसिया, अमित गुप्ता, सुनील गुप्ता, विकास सोनी, हीरू सोनी, बच्चा गुप्ता, केशव गुप्ता, बसंत सोनी, हरिश्चंद्र कचेर, अमित कचेर, विनोद गुप्ता, संदीप गुप्ता, कैलाश गुप्ता, अनिल गुप्ता, बंटी गुप्ता, राजेश गुप्ता अनंत लाल गुप्ता, महेश सोनी, मनोज गुप्ता, छोटे गुप्ता, राज गुप्ता, संतु गुप्ता सीवेक गुप्ता, प्रताप गुप्ता, रोहित सोनी, बृजेश नामदेव, शोभा लाल कचेर आदि लोग उपस्थित थे।

विशाल रक्तदान एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में वितरित की निःशुल्क दवाइयां

आचंलिक डेस्क। विधायक सिरमौर दिव्यराज सिंह के सौजन्य से विंध्य स्वास्थ्य सेवा समिति बॉसघाट रीवा द्वारा संचालित विंध्य ब्लड एवं कम्पोनेन्ट सेन्टर रीवा के माध्यम से सिरमौर रेडक्रास सोसाइटी कार्यालय में विशाल रक्तदान शिविर एवं विंध्य हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेन्टर के माध्यम से वृहद स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन 24 जनवरी को किया गया। शिविर में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. बी.पी. मिश्रा, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. अनुषा पाण्डेय, कैंसर सर्जन डॉ. विनित कुमार तिवारी, चेस्ट फिजीशियन डॉ सौरभ पाण्डेय एवं गैस्ट्रोलाजिस्ट डॉ. निशांत जैन ने अपनी विशेषज्ञ सेवाए प्रदान की। शिविर में एक सैंकडा से अधिक मरीजों ने शिविर का लाभ उठाया। शिविर में मरीजों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण विधायक के कर कमलों से कराया गया। साथ ही 50 से भी अधिक तरह की पैथालाजिकल जॉचों की भी निःशुल्क सुविधा प्रदान की गई। शिविर के सफल आयोजन में रेडक्रोस सोसाइटी सिरमौर के सभी पदाधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

उत्कृष्ट कार्य के लिए एसडीएम, तहसीलदार एवं थाना प्रभारी सम्मानित

सिरमौर,नि.प्र.। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सिरमौर दृष्टि जायसवाल (आईएएस) एवं तहसीलदार तहसील सिरमौर अनुपम पांडेय को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के तहत मतदाता सूची अद्यतन कार्य के लिए सम्मानित किया गया । इसी प्रकार थाना प्रभारी थाना सिरमौर उप निरीक्षक दीपक तिवारी को अवैध शराब के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही के साथ आपरेशन मुस्कान में महती भूमिका के लिए 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह कार्यक्रम रीवा में उत्कृष्ट कार्य के लिए कलेक्टर रीवा प्रतिभा पाल द्वारा रीवा के प्रभारी एवं पंचायत, ग्रामीण मंत्री प्रह्लाद पटेल द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य समारोह में सम्मानित किए जाने पर आंचल अग्रहरी तहसीलदार मनगवां, नायब तहसीलदार विंदु तिवारी, नायब तहसीलदार ललन सिंह, मुख्य नगर पालिका अधिकारी संतोष कुमार सिंह, अश्वनी तिवारी नप सिरमौर सहित तहसील, थाना एवम निकाय के कर्मचारियों ने बधाई दिया।

आयुष को न्याय दिलाने जवा बाजार में निकाला गया कैंडल मार्च

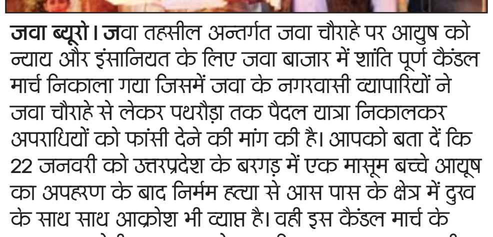

जवा ब्यूरो। जवा तहसील अन्तर्गत जवा चौराहे पर आयुष को न्याय और इंसानियत के लिए जवा बाजार में शांति पूर्ण कैंडल मार्च निकाला गया जिसमें जवा के नगरवासी व्यापारियों ने जवा चौराहे से लेकर पथरौड़ा तक पैदल यात्रा निकालकर अपराधियों को फांसी देने की मांग की है। आपको बता दें कि 22 जनवरी को उत्तरप्रदेश के बरगड़ में एक मासूम बच्चे आयूष का अपहरण के बाद निर्मम हत्या से आस पास के क्षेत्र में दुख के साथ साथ आक्रोश भी व्याप्त है। वही इस कैंडल मार्च के बाद समाजसेवी राहुल गुप्ता ने कहा कि आज इस मासूम की हत्या से हर कोई दुखित है, नि: शब्द है। अब लोग उस मासूम बच्चे के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं, अपराधियों को फांसी की सजा की मांग कर रहे हैं, इस कैंडल मार्च में प्रमुख रूप से शिवम हलवाई, अमन गुप्ता, सत्यम गुप्ता, सिल्लू गुप्ता रवी गुप्ता सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे ।

गुरु वशिष्ठ ट्रॉमा सेंटर मऊगंज में जबड़े की सफल सर्जरी

आंचलिक डेस्क। मऊगंज जैसे नवीन जिले में गुरु वशिष्ठ ट्रॉमा सेंटर में अपने ही क्षेत्र ढेरा मिश्रगवा के निवासी डॉ अभिषेक मिश्रा ने अपने ग्राम वासियों को वही कॉम्प्लेक्स सर्जरी की सुविधा देकर मरीज को भटकने एवं महंगे खर्च से राहत प्रदान किया है। हाल में सड़क दुर्घटना में टूटे हुए तीन जबड़े के मरीज की एक के बाद छोटे से चीरे द्वारा जबड़े की फैक्चर सर्जरी गुरु वशिष्ठ हॉस्पिटल में की गई। सभी मरीजों को 24 घंटे के अंदर ही खाना पीना भी दिया जाने लगा तथा 2 से 3 दिन ने छुट्टी दे दी गई। इस तरह के जटिल ऑपरेशन के लिए अब तक लोग नागपुर, जबलपुर, भोपाल जैसे जगह का रुख करते थे लेकिन विंध्य संभाग में जबड़े की सर्जरी विशेषज्ञ डॉ मिश्रा ने यही मऊगंज जिले में सभी आधुनिक मशीन उपलब्ध कराई तथा उचित उपचार प्रदान किया। भविष्य में किसी भी तरह के टूटे जबड़े, कटी फटी नाक, कान की सर्जरी, बंद हो चुके या टेढ़े टेढ़े मुंह की सर्जरी की सुविधा यह आयुष्मान के माध्यम से करने की सुविधा शुरू की जाने वाली है। इस पूरे प्रयास में हॉस्पिटल संचालक एवं आर्थोपेडिक सर्जन डॉ कृपा शंकर मिश्रा एवं एनेस्थीसिया टीम का विशेष योगदान रहा।

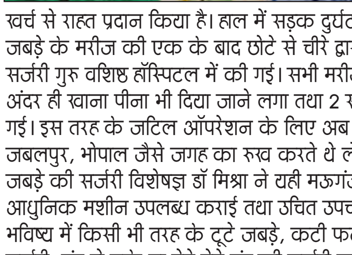

कृष्णा उमावि विद्यालय सेमरिया में गूंजा वंदे मातरम

सेमरिया, नि.प्र.। कृष्णा हायर सेकेंडरी स्कूल सेमरिया में गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ। इस दौरान मुख्य अतिथि पूर्व सोसायटी अध्यक्ष सेमरिया भागीरथी शुक्ला के कर कमलों द्वारा ध्वजारोहण का कार्यक्रम सम्पन्न किया गया, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित अशोक उर्मलिया समिति प्रबंधक, देवेंद्र तिवारी (पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष) राम जी अग्निहोत्री, फिरोज खान, कृपामन अग्निहोत्री, सुंदरलाल अग्निहोत्री, गोमती प्रसाद अग्निहोत्री, एम.एल. त्रिपाठी(पूर्व प्राचार्य) उपस्थित रहे। इस मौके पर स्कूली छात्र छात्राओं ने देशभक्ति और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से जागरुकता का संदेश दिया। इस अवसर पर भारत माता की जय एवं वंदे मातरम् के नारों से विद्यालय प्रांगण गूंज उठा। कार्यक्रम की शुरुआत गीतों के साथ शुरू हुई, इस अवसर पर छात्रों ने अपनी गीतों, भाषण आदि प्रस्तुतियों के माध्यम से सभी को भाव विभोर कर दिया, इस मौके पर विद्यालय के प्राचार्य रामनरेश द्विवेदी ने राष्ट्रीय ध्वज की रक्षा करने की शिक्षा दी। इस दौरान विद्यालय के उप प्राचार्य संतोष पाण्डेय, व्यवस्थापक राहुल त्रिपाठी, वरिष्ठ व्याख्याता रोहित त्रिपाठी, ज्ञानेश शर्मा, सिम्पी शुक्ला, अमित जी, सोनम पाण्डेय, विकास शुक्ला, सहित अन्य शिक्षक शिक्षिकाए भी मौजूद रहे।

सोहागी स्कूल व कॉलेज में धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस

त्योंथर ब्यूरो। सोहागी पब्लिक स्कूल में चेयरमैन डॉ.रघुराज सिंह ने ध्वजारोहण करके राष्ट्रगान के साथ गणतंत्र दिवस का शुभारंभ किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छात्र-छात्राओं द्वारा अनेक देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। मुख्य अतिथि डॉ रघुराज सिंह ने अपने उद्बोधन में आज के दिन सभी स्वतंत्रता सेनानियों व शहीदों को श्रद्धांजली दी, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर देश को स्वतंत्र कराया। इस अवसर पर प्रबंध समिति के सदस्य विवेक सिंह, डॉ प्रेमप्रभा सिंह, श्री मति शीला सिंह व अनेक अभिभावक तथा शिक्षक-शिक्षिकाएँ उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य जे.पी. सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किए। सोहागी कॉलेज में प्रातः समिति की सदस्य डॉ प्रेमप्रभा सिंह ने ध्वजारोहण किया तथा कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शरण दीपांकर ने सभी का स्वागत किया तथा बीएड विभागाध्यक्ष डॉ अमित ओझा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कॉलेज की छात्राओं ने स्वागत गीत व देशभक्ति गीत प्रस्तुत की। इस अवसर पर डॉ रघुराज सिंह, अनिल, विवेक सिंह, शीला सिंह व सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

हनुमना नगर में जगह-जगह ध्वजारोहण के साथ प्रस्तुत हुए रंगमंचीय कार्यक्रम

हनुमना, नि.प्र.। हनुमना,देश का 77वां गणतंत्र दिवस समारोह हनुमना क्षेत्र में विगत वर्षों की भाती इस वर्ष भी नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक गणतंत्र दिवस समारोह बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया। नगर परिषद हनुमना में नगर परिषद अध्यक्ष सोनू आशुतोष गुप्ता ने ध्वजारोहण किया इसके साथ ही पूरे नगर वासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर नगर परिषद के सीएमओ अरूण कुमार त्यागी, नगर परिषद उपाध्यक्ष शरद गुप्ता, सामाजिक कार्यकर्ता के साथ, पार्षद नवनीत गुप्ता, उपाध्यक्ष शरद जय गुप्ता, पार्षद पप्पू खान सुरेश सेन, तारकेश्वर गुप्ता एवं सभी नगर परिषद के उपयंत्री के साथ कर्मचारी मौजूद रहे। पुलिस थाना हनुमना थाना में उपनिरीक्षक दिव्या उपाध्याय द्वारा ध्वजारोहण कर सलामी दी गई थाना के समस्त स्टाफ मौजूद रहे। सुखवंती देवी शिक्षण संस्थान कॉलेज के प्रबंधक कमल नयन तिवारी द्वारा ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य अनीता त्रिपाठी, राजेश उपाध्याय, विजय कुमार गुप्ता, अंकिता शुक्ला, श्याम नारायण पाल, आदि लोग मौजूद रहे। चेक पॉइंट हनुमना के प्रभारी ने ध्वजारोहण कर देश के नाम संदेश दिया। साथ में आरक्षक तारेश चौरसिया, अनूज सिंह, कर्मवीर सिंह के साथ होम गार्ड के साथ के साथ हनुमना नगर के गण़मान्य नागरिक उपस्थित रहे। **हनुमना नगर में निकाली गई तिरंगा रैली :** आयोजक अभिषेक मिश्रा, अभय सूरज सिंह द्वारा अर्जुनपुर से पूरे हनुमान नगर होते हुए हनुमान जी मंदिर तक विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई जिसमें मऊगंज जिले भर के उपस्थित मुख्य कार्यकर्ता रोहित सिंह शिवम् तिवारी, कमलेश तिवारी, अभय यादव, शिवांश मिश्रा, रितेश दुबे दीपू यादव, शिवम बिरहा, सुजीत मिश्रा, दुर्गेश सोनी, रितेश मिश्रा, अभिषेक सोनी, रवि के साथ सैकड़ो लोगों से भी ज्यादा लोग तिरंगा रैली को सफल बनाया। सरस्वती शिशु मंदिर में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ, जहां पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वीरेंद्र बहादुर सिंह के द्वारा ध्वजारोहण किया गया और विद्यालय के व्यवस्थापक विजयपाल सिंह, ज्योति गुप्ता, राज राखन मिश्रा, राजेश गुप्ता एडवोकेट कमलनयन गुप्ता, संतोष गुप्ता, सुरेश गुप्ता ललित शुक्ला, हरिशंकर द्विवेदी, चतुरेश गुप्ता, पत्रकार सरोज गुप्ता आदि के साथ विद्यालय के बच्चों बच्चियों के अभिभावक एवं कई गण मान्य नागरिक विद्यालय के समस्त स्टाप के साथ सैकड़ो छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

सेवा सहकारी समिति खाद्यान्न वितरण केंद्र मनगवां में गणतंत्र दिवस की धूम

मनगवां, नि.प्र.। सेवा सहकारी समिति खाद्यान्न वितरण केंद्र मनगवां में ज्योती सुनील तिवारी ने तिरंगे झंडे को नमन करते हुए ध्वजारोहण किया है। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सरपंच शिवशंकर शुक्ला, वरिष्ठ समाजसेवी अशोक तिवारी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में लकी शुक्ला, सुनील मिश्रा, अरूण मिश्रा मौजूद रहे। ध्वजारोहण कर मुख्य अतिथि शिवशंकर शुक्ला ने तिरंगे को नमन किया। इस अवसर पर पूर्व सरपंच शिवशंकर शुक्ला, वरिष्ठ समाजसेवी अशोक तिवारी, अरूण मिश्रा, विपिन मिश्रा, योगेश पटेल,शिवेंद्र सिंह,अमोल गौतम,लकी शुक्ला,शुभम तिवारी,मनीष दुबे, सूरज नामदेव,राजकुमार प्रजापति, अभय कोल वरिष्ठ समाजसेवी ऋषिकेश गुप्ता सहित सैकड़ों लोग उपस्थित होकर 77वां गणतंत्र दिवस पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया।

विद्यास्थली स्कूल में गणतंत्र दिवस पर रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

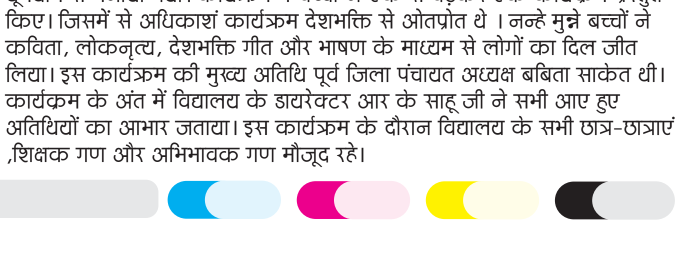

गोविन्दगढ़ ब्यूरो। विद्यास्थली हायर सेकेंडरी स्कूल में गणतंत्र दिवस समारोह काफी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने एक से बढ़कर एक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। जिसमें से अधिकाशं कार्यक्रम देशभक्ति से ओतप्रोत थे । नन्हे मुन्ने बच्चों ने कविता, लोकनृत्य, देशभक्ति गीत और भाषण के माध्यम से लोगों का दिल जीत लिया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बबिता साकेत थी। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के डायरेक्टर आर के साहू जी ने सभी आए हुए अतिथियों का आभार जताया। इस कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के सभी छात्र-छात्राएं ,शिक्षक गण और अभिभावक गण मौजूद रहे।

नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री

किसान कल्याण स्वाभिमान पर्व क्विज़

मध्यप्रदेश के किसानों के लिए देश में पहले पहल

पुरस्कार ही पुरस्कार

प्रथम पुरस्कार **55 ट्रैक्टर**

द्वितीय पुरस्कार **55 बुलेट**

तृतीय पुरस्कार **55 ई-स्कूटी**

एवं अन्य पुरस्कार

किसान कल्याण स्वाभिमान वर्ष में प्रदेश के विविध अंचलों - बुंदेलखंड, बघेलखंड, निमाड़, मालवा व महाकौशल में आयोजित होने वाले लोकरंग आयोजनों के अवसर पर संबंधित जिलों के किसानों को लॉटरी प्रकिया के माध्यम से पुरस्कार वितरित किये जायेंगे

1. मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का मुख्य उद्देश्य क्या है?
A. मुफ्त बीज देना B. किसानों को नकद सहायता देना
C. ट्रैक्टर देना D. फसल बीमा करना

2. मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत किसानों को साल में कितनी राशि मिलती है?
A. ₹2000 B. ₹4000
C. ₹6000 D. ₹8000

3. मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना की राशि कितनी किस्तों में दी जाती है?
A. 1 B. 2
C. 3 D. 4

4. प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में सालाना कितनी राशि मिलती है?
A. ₹4000 B. ₹5000
C. ₹6000 D. ₹8000

5. पीएम किसान योजना की राशि कितनी किस्तों में मिलती है?
A. 1 B. 2
C. 3 D. 4

6. भावांतर भुगतान योजना किस लिए शुरु की गई थी?
A. बीज वितरण B. फसल बीमा
C. फसल का उचित दाम दिलाने के लिए D. सिंचाई के लिए

7. भावांतर योजना में किसका भुगतान किया जाता है?
A. बीज का पैसा B. खाद का पैसा
C. बाजार और समर्थन मूल्य का अंतर D. बीमा राशि

8. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का उद्देश्य क्या है?
A. मुफ्त खाद देना B. फसल नुकसान की भरपाई
C. सिंचाई सुविधा D. ट्रैक्टर देना

9. फसल बीमा योजना में नुकसान होने पर क्या मिलता है?
A. बीज B. खाद
C. मुआवजा राशि D. लोन

10. मध्य प्रदेश में गेहूं की खरीदी कहां की जाती है?
A. बैंक में B. मंडी में
C. सहकारी समिति में D. अस्पताल में

11. न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) किसके लिए होता है?
A. व्यापारियों के लिए B. सरकार के लिए
C. किसानों के लिए D. मजदूरों के लिए

12. किसान क्रेडिट कार्ड का उपयोग किस लिए होता है?
A. यात्रा के लिए B. खेती के खर्च के लिए लोन
C. मोबाइल रिचार्ज D. बीमा के लिए

13. किसान क्रेडिट कार्ड से ऋण पर किस दर से ब्याज लगता है?
A. बहुत ज्यादा - 10% B. सामान्य - 8.5%
C. कम -7% D. नहीं लगती -0%

14. मुख्यमंत्री सोलर पंप योजना किस लिए है?
A. बिजली बिल बढ़ाने के लिए B. सौर ऊर्जा से सिंचाई के लिए
C. ट्रैक्टर चलाने के लिए D. पानी पीने के लिए

15. राष्ट्रीय कृषि विकास योजना का उद्देश्य क्या है?
A. खेती को बढ़ावा देना B. किसानों को ऋण उपलब्ध कराना
C. स्कूल बनाना D. अस्पताल बनाना

16. मृदा स्वास्थ्य कार्ड किस बारे में जानकारी देता है?
A. पानी की B. फसल की
C. मिट्टी की गुणवत्ता D. मौसम की

17. मृदा स्वास्थ्य कार्ड से क्या लाभ होता है?
A. सही खाद की जानकारी B. बीज मुफ्त मिलता है
C. ट्रैक्टर मिलता है D. बीमा मिलता है

18. किसान पंजीयन क्यों जरुरी है?
A. नौकरी के लिए B. योजना का लाभ लेने के लिए
C. मोबाइल लेने के लिए D. बीमा बंद करने के लिए

19. फसल खरीदी के लिए पंजीयन कहां होता है?
A. थाना B. पंचायत
C. सहकारी समिति D. अस्पताल

20. जैविक खेती को बढ़ावा देने की योजना किस लिए है?
A. रसायन बढ़ाने के लिए B. प्राकृतिक खेती के लिए
C. मशीन खरीदने के लिए D. सड़क बनाने के लिए

21. ड्रिप सिंचाई योजना किस लिए है?
A. बारिश बढ़ाने के लिए B. पानी बचाने के लिए
C. बीज बोने के लिए D. फसल काटने के लिए

22. स्प्रिंकलर योजना का लाभ क्या है?
A. ज्यादा पानी खर्च B. कम पानी में सिंचाई
C. बीज मुफ्त D. खाद मुफ्त

23. किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग किससे जुड़ा है?
A. शिक्षा B. स्वास्थ्य
C. खेती D. पुलिस

24. मंडी में फसल बेचने से क्या फायदा होता है?
A. कम दाम B. सही तौल और दाम
C. नुकसान D. देर से भुगतान

25. ई-नाम योजना का उद्देश्य क्या है?
A. ऑनलाइन खरीद-बिक्री B. बीज वितरण
C. लोन माफी D. बीमा बंद करना

26. प्राकृतिक आपदा में किसान को क्या मिलता है?
A. सजा B. टैक्स
C. मुआवजा D. जुर्माना

27. लोन माफी योजना किसके लिए होती है?
A. व्यापारी B. मजदूर
C. किसान D. डॉक्टर

28. कृषि यंत्र अनुदान योजना किस लिए है?
A. घर बनाने के लिए B. मशीन खरीदने के लिए सहायता
C. मोबाइल खरीदने के लिए D. दवा खरीदने के लिए

29. बीज वितरण योजना का लाभ क्या है?
A. महंगे बीज B. सस्ते और अच्छे बीज
C. बीज नहीं मिलता D. नुकसान

30. किसान मोबाइल ऐप किस लिए है?
A. गेम खेलने के लिए B. खेती की जानकारी के लिए
C. फिल्म देखने के लिए D. चैट के लिए

31. मौसम आधारित सलाह किसके लिए होती है?
A. डॉक्टर B. छात्र
C. किसान D. व्यापारी

32. कृषि विस्तार अधिकारी का काम क्या है?
A. पुलिस काम B. खेती की सलाह देना
C. टैक्स लेना D. टिकट काटना

33. किसान प्रशिक्षण केंद्र का उद्देश्य क्या है?
A. खेल सिखाना B. खेती की नई तकनीक सिखाना
C. गाड़ी चलाना D. सिलाई

34. सहकारी समिति का मुख्य काम क्या है?
A. पढ़ाई B. खेती सहायता
C. इलाज D. यात्रा

35. बीज ग्राम योजना किस लिए है?
A. घर बनाने के लिए B. गांव में बीज उत्पादन के लिए
C. सड़क बनाने के लिए D. स्कूल खोलने के लिए

36. प्रधानमंत्री सिंचाई योजना का उद्देश्य क्या है?
A. हर खेत को पानी B. हर घर को बिजली
C. हर गांव को सड़क D. हर शहर को गैस

37. फसल प्रदर्शन योजना किस लिए है?
A. खेल B. नई किस्म दिखाने के लिए
C. नाच D. गाना

38. कृषि मेले का उद्देश्य क्या है?
A. मनोरंजन B. खेती की जानकारी देना
C. खरीदारी D. पढ़ाई

39. गोपालन योजना किससे जुड़ी है?
A. मुर्गी B. मछली
C. गाय-भैंस D. बकरी

40. पशुपालन विभाग किसके लिए है?
A. फसल B. जानवर
C. सड़क D. पानी

क्विज में भाग लेने की अंतिम तिथि : 15 मार्च 2026

क्विज की विस्तृत जानकारी के लिए मध्यप्रदेश के सभी जिला पंचायत, सभी मंडी कार्यालय तथा सभी किसान विकास केंद्रों में संपर्क करें।

क्विज प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए QR कोड स्कैन करें

वीर भारत न्यास

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति संचालनालय, जनसम्पर्क विभाग द्वारा आयोजित

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग. संचालनालय कृषि अभियांत्रिकी, मध्यप्रदेश शासन

सहभागिता एवं क्रियान्वयन
कृषि उद्योग विकास परिषद्
AGRI INDUSTRIES VIKAS CHAMBER

D-11197/25

राजस्व अधिकारियों की बैठक स्थगित

रीवा। रीवा कलेक्टर प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में 29 जनवरी को आयोजित होने वाली राजस्व विभाग के अधिकारियों की बैठक अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दी गई है। राजस्व विभाग के अधिकारियों की बैठक सूचना की जानकारी बैठक निश्चित होने पर दी जाएगी।

लापरवाह ग्राम पंचायत सचिव निलंबित

रीवा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने गंगेव विकासखण्ड के ग्राम पंचायत मदरी के सचिव (पंचायत कर्मी) अनीश कमल गौतम को निलंबित करने के आदेश दिए हैं। हितग्राहीमूलक योजनाओं के क्रियान्वयन में रुचि न लेने, पेंशन योजना के हितग्राहियों की ईकेवायसी में लापरवाही बरतने पर यह कार्रवाई की गई है।

उप मुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री के निधन पर व्यक्त किया शोक

रीवा। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के असामयिक निधन पर गहन शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि मुंबई से बारामती जा रहे चार्टर विमान की क्रैश लैंडिंग की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में 5 लोगों के असामयिक निधन का समाचार अत्यंत दुःखद एवं पीड़ादायक है। इस विमान में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार भी सवार थे। यह हादसा अत्यंत पीड़ादायक है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने हृदय विदारक घटना में दिवंगत सभी यात्रियों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है और शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएँ व्यक्त की हैं। इस घटना में उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रदेश के ग्वालियर जिले की बेटी को-पायलेट शांभवी पाठक के निधन भी गहरा शोक व्यक्त किया है।

गैराज से कार चुरा ले गए बदमाश

चोरहटा थाना क्षेत्र में सामने आई घटना

जागरण, रीवा। चोरहटा थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गैराज से कार चोरी होने का मामला सामने आया है। मेटेनेंस के लिए कार मालिक कार गैराज में खड़ा किया था। गैराज संचालक ने कार के स्वामी को मामले की सूचना करीब 14 घंटे बाद दी, जिसके बाद कार के मालिक ने घटना की शिकायत चोरहटा थाना में दर्ज करवाई है। बताया गया कि वाहन स्वामी प्रमोद सोनी 26 जनवरी को गैराज में अपनी कार खड़ा किए थे जिसके बाद 27 जनवरी को कार चोरी होने की उन्हें जानकारी मिली। बताया जा रहा है कि गैराज संचालक को पहले ही घटना की जानकारी हो गई थी, लेकिन उसने वाहन स्वामी को काफी देर बाद सूचना दी। जिससे एफआईआर में देरी हुई। पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज भी बुधवार को सामने आया। फुटेज में संदिग्ध व्यक्ति वाहन को गैराज परिसर से बाहर ले जाते हुए दिखाई दे रहे है। घटना के बाद पुलिस मामला पंजीबद्ध कर कार सहित आरोपी की खोजबीन में लगी हुई है।

भाजपा नेत्री की मौत हिट एण्ड रन या एक्सीडेंट, गुत्थी सुलझाएगी एसआईटी

शहडोल सांसद हिमाद्री सिंह की राजनैतिक सहायक थी मृतका रोशनी शुक्ला

गांव पहुंचने पर हाइवे में खून से लथपथ मिली थी मृतका

जागरण, रीवा

मकर संक्रांति की रात करीब 9 बजे सिरमौर थाना क्षेत्र के बेलवा मोड़ के पास भाजपा नेत्री रोशनी शुक्ला को बोलेरो ने कुचल दिया था। दो दिन बाद रोशनी की उपचार के दौरान मौत हो गई थी। मृतका रोशनी शुक्ला शहडोल सांसद हिमाद्री सिंह की सहायक थी। पूर्व सीएम सहित कई भाजपा नेताओं के साथ रोशनी की फोटो पूर्व में दिखती थी। रोशनी की मौत दुर्घटना है या हिट एण्ड रन, पूरे मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। एक-एक बिंदु पर एसआईटी पूरे मामले की जांच कर रही है। परिजनों ने बताया था कि रोशनी को एक कॉल आया था, दलिया प्लांट के संचालक ने उसे बुलाया था। एक दिन पहले ही वह दिल्ली में सांसद हिमाद्री के आवास से वापस रीवा आई थी। बताया गया कि रोशनी दलिया प्लांट का भी कुछ काम संभालती थी, संचालक ने मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दीं और मिठाई देने के लिए रीवा बुलाया। वह बस से रीवा गई और वापस लौटी। रात करीब 8.30 बजे वह अपने भाई को फोन कर बोली की वह बेलवा मोड़ के पास आ गई है, लेकिन जब तक भाई पहुंचा रोशनी हादसे का शिकार हो चुकी थी। बताया गया कि ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद रोशनी को बोलेरो उठाकर बाहर निकाला। उसकी हालत नाजुक थी, पूरा शरीर बुरी तरह क्षतविक्षत था। गंभीर अवस्था में उसे अस्पताल में दाखिल कराया गया जहां 16 जनवरी को उसकी मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि रोशनी की हत्या की गई है। जानबूझकर बोलेरो से उसे कुचला गया है। पूरे मामले की जांच अब एसआईटी की टीम कर रही है। जांच के बाद जो तथ्य सामने आएगे उसके आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी।

हत्या या हादसा चल रही

रोशनी की रेकी कर हत्या की गई य फिर यह सड़क दुर्घटना थी, इसकी जांच पुलिस टीम कर रही है। चर्चा है कि रोशनी के बेलवा के पास पहुंचने से पहले दो बोलेरो करीब चार घण्टे से वहां से आ जा रही थी, जिसके बाद जब रोशनी पहुंची तो उसके साथ यह हादसा हो गया। एक बोलेरो रोशनी को चपेट में लेते हुए उसके ऊपर पलट गई जिसके नीचे वह दबी रही। ग्रामीणों ने बल्ली के सहारे बोलेरो को उठाया और घायल रोशनी को बाहर निकाला, जिसके बाद अस्पताल में उसकी मौत हो गई थी।

> प्रथम दृष्टया एक्सीडेंट का मामला लग रहा है। पूरे मामले की जांच के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में एसआईटी की गठन किया गया है, जो घटना के एक-एक बिंदु की बारीकी से जांच कर रही है, जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उस आधार पर कार्रवाई की जाएगी।
>
> **दीपक तिवारी**
> **थाना प्रभारी सिरमौर**

किराना दुकान में आगजनी

पेट्रोल डालकर आग लगाने का आरोप

जागरण, रीवा। मनगवां थाना क्षेत्र के ग्राम बेलवा पैकान में एक किराना दुकान में आगजनी की घटना सामने आई है। किराना दुकान संचालक विकास सिंह ने अज्ञात असामाजिक तत्वों पर पेट्रोल डालकर आग लगाने का आरोप लगाया है। आगजनी में दुकान का काउंटर सहित अंदर रखी सामग्री जलकर नष्ट हो गई। बताया गया कि घटना बीती रात की है, जब दुकान संचालक सुबह दुकान खोलने पहुंचा तो उसको जानकारी हुई। इस सनसनीखेज वारदात के बाद गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते आरोपियों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो ऐसे अपराधों को और बढ़ावा मिलेगा। यह घटना स्थानीय कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। घटना की सूचना पीड़ित दुकानदार द्वारा पुलिस को दी गई जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण कर पूरे मामले को जांच में लिया है।

ट्रक की टक्कर से घायल बाइक सवार की बचाई जान

जागरण, रीवा। जबलपुर से रीवा होते हुए मनगवाँ थाना क्षेत्र के रघुनाथगंज के धवैया गांव जा रहे बाइक सवार दो लोग फोरलेन हाईवे पर जुगनिहाई टोल प्लाजा के समीप अनियंत्रित ट्रक की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद दोनों घायल कुछ समय तक सड़क पर ही पड़े रहे। इसी दौरान वहां से गुजर रहे समाजसेवी धर्मेंद्र मिश्रा ने मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए तुरंत अपनी गाड़ी रोककर घायलों की मदद की। उन्होंने मौके से एम्बुलेंस बुलवाकर दोनों घायलों को संजय गांधी अस्पताल भिजवाया। समाजसेवी धर्मेंद्र मिश्रा की तत्परता और साहसिक पहल से दोनों घायलों की जान बच सकी। स्थानीय लोगों ने उनके इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा की है।

नकाबपोश बदमाशों ने दुकान में घुसकर किया दुकानदार पर हमला

जागरण, रीवा। जिले के सेमरिया थाना क्षेत्र में चार नकाबपोश बदमाशों ने बीती रात एक दुकान में घुस कर दुकानदार रोहित शर्मा पर हमला कर दिया। बदमाशों के दुकान में घुसते ही दुकानदार कुछ समझ पाते उसके पूर्व ही बदमाशों ने उनसे कुछ कहे बिना ही मारपीट करना शुरू कर दी, बदमाशों के हाथों में जो सामान आया उसे उठाकर दुकानदार की पिटाई कर रहे थे। बदमाशों द्वारा मचाए गए उत्पात में दुकान का सामान भी क्षतिग्रस्त हो गया। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। दुकानदार रोहित शर्मा की चीख पुकार सुन कर आसपास के दुकानदार व अन्य लोग रोहित शर्मा की दुकान की और दौड़े लोगों को आते देख दुकानदार को जान से मारने की धमकी देने के बाद नकाबपोश बदमाश फरार हो गए। दुकानदार रोहित शर्मा ने घटना की रिपोर्ट पुलिस में दर्ज करवाई है। पुलिस ने सीसी टीवी कैमरे में कैद घटना को देखते हुए अज्ञात बदमाशों के विरुद्ध मामला पंजीबद्ध कर लिया है और बदमाशों की खोजबीन शुरू कर दी है।

गौवंश का धारदार हथियार से वध करने का आरोप

नईगढ़ी के जिलहड़ी गांव की घटना, जांच में जुटी पुलिस

जागरण, रीवा। नईगढ़ी थाना क्षेत्र के ग्राम जिलहड़ी में गौवंश वध का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने ग्रामीणों की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है और बरामद मांस को जांच के लिए पशु चिकित्सा विभाग भेजा है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक जिलहड़ी निवासी शिवम सिंह ने थाने में आवेदन देकर बताया कि गांव के ही हीरा साकेत, मिठ्ठू साकेत और मझीले साकेत ने स्कूल के पास एक बगीचे में बछड़े की धारदार हथियार से हत्या कर दी। आरोप है कि आरोपी बछड़े का मांस बोरी में भरकर अपने घर ले गए, जबकि सिर, पैर और अन्य अवशेष घटनास्थल पर ही छोड़ दिए। ग्रामीणों को आरोपियों के घर की पीछे से संदिग्ध मांस से भरी बोरी भी मिली है। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची नईगढ़ी पुलिस ने मांस जब्त कर पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला पंजीबद्ध किया है पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

बिखरे मिले शरीर के हिस्से

आरोपियों ने गोवंश की हत्या को छिपाने के लिए उनके शरीर के टुकड़ों को बिखरा दिया था। कहीं सिर फेंका था कही पर पैर पड़े थे। पैरों को तो गेहूं के खेत में फेंका गया था। बताया गया है कि आरोपियों के घर के पछीती में दो बोरियों में भरा गोवंश का मांस जब्त किया गया है।

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com